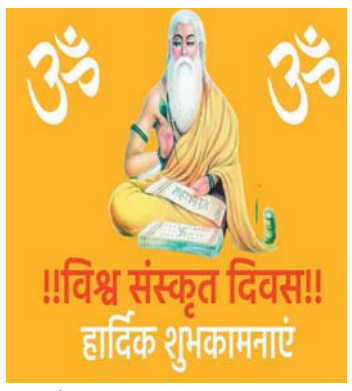

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 17/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

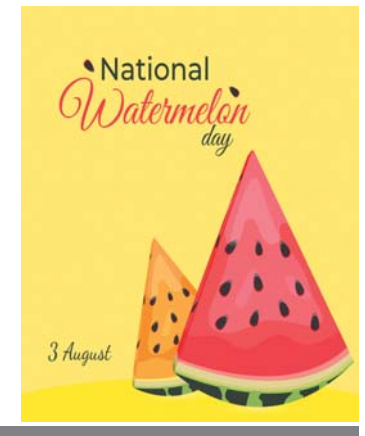

भोपाल, शनिवार 03 अगस्त 2024 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

योगी सरकार के विधायक ही विरोध में उतरे, सरकार के फैसले पर क्यों मचा है हंगामा?

लखनऊ। सीएम योगी ने नजूल संपत्ति बिल पेश किया है जिसे लेकर हंगामा मचा हुआ है। इस बिल पर भाजपा और सहयोगी दलों ने भी विरोध जताया है। लोकसभा चुनाव के बाद ये तीसरा ऐसा मामला है जिस पर हंगामा मचा है। हालांकि नजूल संपत्ति विधेयक को अभी प्रवर समिति के पास भेजा गया है लेकिन इसके अटकने से एक बार फिर यूपी में सियासी घमासान की संभावनाएं हैं।

विधानसभा में यूपी के संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने बुधवार को नजूल संपत्ति विधेयक को रखा जो काफी हंगामे के बीच विधानसभा से पारित हो गया। इस बिल को पटल पर रखने के साथ ही सपा-कांग्रेस समेत बीजेपी के कई बड़े नेता और विधायक इसके विरोध में नजर आए। इतना ही नहीं, इनमें एडीए के सहयोगी भी

शामिल थे, जो विरोध जता रहे थे। इसके बाद जब इस विधेयक को विधानपरिषद में पेश किया गया, लेकिन एक रणनीति के तहत विधानपरिषद में इसे अटका दिया गया। अब बताया जा रहा है कि विधेयक से नाराज कई विधायकों ने बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी से मुलाक़ात की और इससे बीजेपी को नुकसान होने की आशंका जाहिर की है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य भी इस बात से सहमत दिखे कि इस बिल से मुश्किलें सामने आएंगी। बीजेपी विधायक हर्षवर्धन वाजपेयी और पूर्व मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने भी इस बिल पर आपत्ति जताई है।

इसके साथ ही नजूल विधेयक पर एनडीए के सहयोगी भी नाराज दिखे, जिसमें कुंडा से विधायक राजा भैया उर्फ रघुराज प्रताप सिंह ने इसका विरोध करते हुए कहा कि ये जनता के हित में नहीं है इससे लोग जमीन से बेदखल होंगे और उनके घर टूटेंगे। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने इसे जल्दबाजी में लिया गया फैसला बताया और इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। तो वहीं कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर और कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने भी नजूल विधेयक का खुलकर विरोध किया और कहा कि अगर हम किसी को उजाड़ेंगे तो लोग हमें उखाड़कर फेंक देंगे।

नजूल संपत्ति विधेयक 2024 क्या है?

उत्तर प्रदेश नजूल संपत्ति विधेयक, 2024 का उद्देश्य नजूल भूमि को निजी स्वामित्व में बदलने से रोककर उसे विनियमित करना है। नजूल भूमि सरकारी स्वामित्व वाली है लेकिन सीधे राज्य संपत्ति के रूप में प्रबंधित नहीं की जाती है। सरल शब्दों में, यह वह भूमि है जिसे सरकार सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए नियंत्रित करती है और उपयोग करती है, जैसे कि बुनियादी ढांचे या प्रशासनिक कार्यालयों का निर्माण। इस विधेयक में प्रस्ताव है कि नजूल भूमि को निजी व्यक्तियों या संस्थानों को हस्तांतरित करने के लिए किसी भी अदालती कार्यवाही या आवेदन को रद्द कर दिया जाएगा और खारिज कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करते हुए कि ये भूमि सरकारी नियंत्रण में रहेगी। यदि भुगतान स्वामित्व परिवर्तन की प्रत्याशा में किया गया था, तो बिल जमा तिथि से भारतीय स्टेट बैंक की सीमांत निधि आधारित ऋण दर (एमसीएलआर) पर गणना की गई ब्याज के साथ रिफंड अनिवार्य करता है। यह सरकार को अच्छी स्थिति वाले वर्तमान पट्टाधारकों के लिए पट्टे का विस्तार करने की शक्ति देता है, जो नियमित रूप से किराए का भुगतान करते हैं और पट्टे की शर्तों का पालन करते हैं।

गृह मंत्रालय का बड़ा एक्शन, बीएसएफ चीफ और डेप्युटी को हटाया, जानें पूरा मामला

नई दिल्ली। संवेदनशील जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में आतंकी हमलों के बीच केंद्र ने शुक्रवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के प्रमुख और अर्धसैनिक बल के एक अन्य शीर्ष अधिकारी को हटा दिया। सरकार के एक आदेश में कहा गया है कि बीएसएफ के महानिदेशक नितिन अग्रवाल और उनके डिप्टी स्पेशल डीजी (पश्चिम) वाईबी खुरानिया को तत्काल प्रभाव से उनके संबंधित राज्य कैडर में वापस भेज दिया गया।

हालांकि सरकार ने तबादलों का कोई कारण नहीं बताया, लेकिन बल के अधिकारियों ने कहा कि जम्मू में बढ़ती आतंकवादी घटनाओं के कारण अग्रवाल को केरल कैडर में वापस भेज दिया गया था। पश्चिमी कमान के विशेष महानिदेशक के रूप में खुरानिया के अधिकार क्षेत्र में जम्मू-कश्मीर, गुजरात, राजस्थान और पंजाब में भारत-पाक सीमा थी। कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) द्वारा जारी अलग-अलग आदेशों से बताया गया कि उन्हें तत्काल प्रभाव से समय से पहले वापस भेजा जा रहा है।अग्रवाल 1989-बैच के केरल कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं, जबकि खुरानिया 1990-बैच के ओडिशा कैडर के हैं। जबकि अग्रवाल के केरल पुलिस बल में लौटने की उम्मीद है।

जया बच्चन को पसंद नहीं आया अमिताभ का नाम जोड़ना!

नई दिल्ली। फिल्म इंडस्ट्री की दिग्गज एक्ट्रेस और सांसद जया बच्चन अपने गुस्से को लेकर खबरों में छाई रहती हैं। जया कई बार अपने बड़बोलेपन की वजह से ट्रोल भी होती हैं। हाल ही में राज्यसभा में जया बच्चन स्पीकर हरिवंश नारायण से भिड़ गई, जिसका वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हुआ। हरिवंश नारायण जया को 'जया अमिताभ बच्चन' कहकर बुलाते हैं, जिसे लेकर सांसद बुरी तरह से चिढ़ जाती हैं। वीडियो में जया बच्चन कह रही हैं 'सर आप सिर्फ जया बच्चन बोलते तो काफी हो जाता।'

वीडियो में देखा जा सकता है कि जया बच्चन की टिप्पणी के बाद राज्यसभा स्पीकर कहते हैं, 'यहां आपका यही पूरा नाम लिखा हुआ है तो इसलिए मैंने यही रिपीट किया।' हरिवंश नारायण की बात सुनकर जया बच्चन आगे कहती हैं 'ये जो कुछ नया तरीका निकला

है कि महिलाएं अपने पति के नाम से जानी जाएंगी, उनका कोई अस्तित्व नहीं है। उनकी कोई उपलब्धि नहीं है अपने में।' जया बच्चन की बात सुनकर स्पीकर कहते हैं 'आपकी बड़ी विशिष्ट उपलब्धि है!' जया बच्चन के इस वीडियो को सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से शेयर किया जा रहा है।

जया बच्चन के इस वीडियो पर लोग खूब कमेंट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा 'हमें अब पता चला कि अमिताभ बच्चन 81 साल की उम्र में भी इतना काम क्यों कर रहे हैं। वह बस इससे दूर रहना चाहते हैं। वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा 'यह हमेशा बहस करने के मूड में रहती है। यहां तक कि बिना सिर-पैर की बातों पर भी ये बहस कर सकती है।' जया बच्चन को ट्रोल करते हुए एक और यूजर ने लिखा 'इस नाम से किसी को तकलीफ है तो किसी ने ये नाम पाने के लिए अपनी पूरी जिंदगी निकाल दी।'

शुभांशु शुक्ला चुने गए इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के प्राइम एस्ट्रोनॉट

भारत ने अपने इंडो- यूएस स्पेस मिशन के लिए ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को मुख्य अंतरिक्ष यात्री के रूप में चयनित किया है। इसरो ने इसकी घोषणा की और बताया कि कैप्टन प्रशांत नायर भी इस मिशन के बैकअप एस्ट्रोनॉट के तौर पर शामिल होंगे।

शुभांशु, एक अनुभवी फाइटर पायलट और कॉम्बेट लीडर हैं। उन्हें अब तक 2000 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव है। उन्होंने सुखोई-30एमकेआई, मिग-21, मिग-29 और अन्य विमानों को उड़ाया है। वे 10 अक्टूबर 1985 को लखनऊ में जन्मे और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र हैं। शुभांशु इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन कब जाएंगे, इसकी तारीख का ऐलान अभी नहीं हुआ है। हालांकि, दोनों

की इसी हफ्ते में ट्रेनिंग शुरू हो जाएगी। इसरो ने बताया कि मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र ने आईएसएस के लिए अपने आगामी एक्सिओम-4 मिशन के लिए अमेरिका स्थित एक्सिओम स्पेस के साथ अंतरिक्ष उड़ान समझौता किया है।

किसानों को जमीन के डिजिटल आइडेंटिफिकेशन नंबर दिए जाएंगे

छोटे किसान ही फूड सिक्योरिटी की सबसे बड़ी ताकत: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज यानी 3 अगस्त को इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ एग्रीकल्चर इकोनॉमिस्ट के 32वें एडिशन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत जितना प्राचीन है, उतनी ही प्राचीन एग्रीकल्चर और फूड को लेकर हमारी मान्यताएं हैं, हमारे अनुभव हैं। ये कॉन्फ्रेंस नई दिल्ली के राष्ट्रीय कृषि विज्ञान केंद्र (एनएएसी) परिसर में हो रही है।

यह कॉन्फ्रेंस दुनियाभर में खेती और उससे जुड़ी समस्याओं और उसके समाधान खोजने के लिए हर तीन साल में आयोजित की जाती है। भारत में इसका आयोजन 65 साल के बाद किया जा रहा है। यहां इसका आयोजन 2 से 7 अगस्त तक होगा।

मोदी ने कहा- भारत जितना प्राचीन है उतनी ही प्राचीन कृषि और भोजन को लेकर हमारी मान्यताएं हैं, हमारे अनुभव हैं। भारतीय कृषि परंपरा में विज्ञान

को प्राथमिकता दी गई है। हजारों साल पहले हमारे ग्रंथों में कहा गया है कि सभी पदार्थों में अन्न श्रेष्ठ है इसलिए अन्न को सभी औषधियों का स्वरूप उनका मूल कहा गया है।

जमीन को डिजिटल आइडेंटिफिकेशन नंबर दिए जाएंगे

पीएम किसान सम्मान निधि योजना में 1 क्लिक से 10 करोड़ किसानों के खाते में रुपए ट्रांसफर हो जाते हैं। सरकार जमीनों के डिजिटलाइजेशन के लिए भी अभियान चला रही है। किसानों को उनकी जमीन को डिजिटल आइडेंटिफिकेशन नंबर भी दिया जाएगा।

भारत में 700 से ज्यादा कृषि विज्ञान केंद्र

भारत में कृषि की शिक्षा और अनुसंधान से जुड़ा एक मजबूत इकोसिस्टम बना हुआ है। इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च के ही 100 से ज्यादा रिसर्च संस्थान हैं। भारत में कृषि और उससे संबंधित विषयों की पढ़ाई के लिए 500 से ज्यादा कॉलेज हैं। भारत में 700 से ज्यादा कृषि विज्ञान केंद्र हैं जो किसानों तक नई तकनीक पहुंचाने में मदद करते हैं।

छोटे किसान ही भारत की फूड सिक्योरिटी की बड़ी ताकत

एग्रीकल्चर हमारे इकोनॉमिक पॉलिसी का केंद्र है। हमारे यहां करीब 90त्न परिवार ऐसे हैं, जिनके पास बहुत कम जमीन हैं, ये छोटे किसान ही भारत की फूड सिक्योरिटी की सबसे बड़ी ताकत हैं। यही स्थिति एशिया के कई विकासशील देशों में है, इसलिए भारत का मॉडल कई देशों में काम आ सकता है।

विद्यालयों में बच्चों का ड्राप आउट कम करने कार्यशाला

सत्ता से बड़ी कुर्सी, कुर्सी से बड़ी शिक्षा और शिक्षा से सुधरता है व्यक्ति का जवीन: यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सत्ता से बड़ी कुर्सी, कुर्सी से बड़ी शिक्षा और शिक्षा से व्यक्ति का समग्र जीवन सुधरता है। जन्म और मृत्यु के बीच अनुशासन के साथ मिलने वाली मुस्कान ही जीवन का सार देती है। प्रदेश में कोई भी बच्चा ड्राप आउट का शिकार न हो, यह प्रयास किया जाएगा। शिक्षा सभी के लिए जरूरी है, इसलिए इसमें किसी तरह की कोताही नहीं होना चाहिए।

सीएम यादव ने ये बातें राजधानी के निजी कालेज में विद्यालयों में बच्चों के ड्राप आउट को कम करने के लिए आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला में कहीं। उन्होंने

कहा कि अंधेरे से प्रकाश की ओर ले जाने वाली गुरु की संस्कृति हमारे देश में ही है। जियो और जीने दो, सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे संतु निरामया .. यह हमारी ही भावना है जो जन-जन में बसी है। उन्होंने कहा कि श्रीमदभगवत गीता में भगवान कृष्ण अर्जुन के माध्यम से अपनी बात रखते हैं। कई बार लोग कहते हैं कि गीता में अर्जुन को उकसाने का काम किया गया है लेकिन यह पक्ष अधूरा है। इस युद्ध में भगवान ने जितना नुकसान किया, उतना तो अर्जुन का भी नहीं हुआ। भगवान की पूरी सेना केवल आदेश से कौरवों के पक्ष में खड़े हो गए थे और जो तीर लग रहे थे वह अर्जुन के दुश्मनों को नहीं लग रहे थे। वह भगवान के प्रिय सेना के शूरवीरों को लग रहे थे। इसलिए यह कह सकते हैं कि दक्ष सेना के लिए गुरुकुल की आवश्यकता होती है।

एमपी को बाल श्रमिक मुक्त करेंगे: प्रहलाद पटेल

श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि एमपी में एक भी बाल श्रमिक नहीं मिलेगा, इसके लिए वे आश्वस्त करते हैं। आवासीय श्रमोदय विद्यालयों में अध्ययन अध्यापन की समीक्षा के दौरान यह बात सामने आई है कि दो से तीन लोगों की कमेटी बनानी पड़ेगी। विभाग जल्दी ही यह काम करेगा और बाल श्रमिकों को शिक्षा से वंचित न रहने देने के पूरे प्रयास करेगा। अधिकारियों को अच्छी नीयत और समर्पण से काम करना होगा तो यह संभव हो सकेगा। सीएम से चर्चा के बाद नए सिरे से इसके लिए अभियान चलाने का काम करेंगे।

शिक्षा के लिए मोटिवेशन बहुत जरूरी: कानूनगो

राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने कहा है कि शिक्षा के लिए मोटिवेशन बहुत जरूरी है। कानूनगो ने रायसेन की शराब फैक्ट्री में छापा मारने की कार्यवाही का जिक्र करते हुए कहा कि स्कूल बस में पढ़ने के नाम पर बच्चों को लाया जाता था और शराब बनाने का काम कराया जाता था। मुख्यमंत्री ने जानकारी के बाद छापा मारने के लिए कहा और 59 बच्चों को मुक्त कराया गया।

दमोह में साढ़े चार करोड़ के विकास कार्यों का शुभारंभ किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने आज दमोह में साढ़े चार करोड़ के विकास कार्यों का शुभारंभ किया। इसके साथ ही एक पुल का भी लोकार्पण किया। इस मौके पर पंचायत ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, सांसद राहुल लोधी, राज्यमंत्री धर्मेंद्र लोधी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

भारतवंशी कमला राष्ट्रपति उम्मीदवार होंगी पार्टी से बहुमत मिला

वाशिंगटन। अमेरिकी चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ डेमोक्रेटिक पार्टी से भारतीय मूल की कमला हैरिस राष्ट्रपति उम्मीदवार होंगी। पार्टी में 1 अगस्त से शुरू हुई ऑनलाइन वोटिंग

में 28 घंटे बाद ही उन्हें 2350 से ज्यादा डेलीगेट्स का समर्थन मिल गया है। इसी के साथ उन्होंने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। 6 अगस्त को वोटिंग खत्म होने के बाद ही उनके आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति उम्मीदवार बनने की घोषणा की जाएगी। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, कमला को चुनाव खत्म होने तक पार्टी के 99त्न यानी 3923 डेलीगेट्स का समर्थन मिलने की उम्मीद है।

मणिपुर के जिरिबाम में शांति समझौते के अगले दिन हिंसा

जिरिबाम। मणिपुर के जिरिबाम में शांति बहाल करने के समझौते के 24 घंटे के भीतर फिर से हिंसा हुई। जिरिबाम के लालपानी गांव में शुक्रवार (2 अगस्त) की रात

हथियारबंद लोगों ने कई राउंड फायरिंग की। एक घर में आग लगा दी। हालांकि, वहां कोई रहता नहीं था।

अधिकारियों ने बताया कि लालपानी में मैतेई लोगों के घर हैं। यहां के अधिकांश लोगों ने जिले में हिंसा भड़कने के बाद घर छोड़ दिया था। उपद्रवियों ने यहां सुरक्षा-व्यवस्था में ढील का फायदा उठाकर हमला किया। हमलावरों की अभी तक पहचान नहीं हुई है।

हिमाचल में फिर बादल फटा, दो दिन में 8 मौतें, 46 लापता

मप्र-छत्तीसगढ़ में आज भारी बारिश का रेड अलर्ट

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में फिर बादल फटा। लाहौल स्पीति की पिन वैली में कल शाम करीब 6 बजे बादल फटने से बाढ़ आ गई। इसमें एक महिला बह गई। देर शाम पुलिस ने उसका शव बरामद किया। इससे पहले गुरुवार को 5 जगह बादल फटने से 7

लोगों की मौत हुई थी। 46 लोग लापता हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस और होमगार्ड के जवान लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत 4 राज्यों में भारी बारिश का रेड अलर्ट

मौसम विभाग ने शनिवार (3 अगस्त) को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और महाराष्ट्र में भारी बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश के कई जिलों में शुक्रवार को बाढ़ के हालात बन गए। कोलार, तवा, बरगी समेत 9 बड़े डैम के गेट खोलने पड़े। छत्तीसगढ़ में धमतरी का गंगरेल डैम 86 फीसदी भर गया है। शुक्रवार को सीजन में पहली बार सभी 14 गेट आधे घंटे के लिए खोल दिए गए। इस दौरान महानदी में बाढ़ से निपटने के लिए मॉक ड्रिल भी किया गया।

मौसम विभाग ने झारखंड में अगले 24 घंटे के दौरान भारी बारिश की संभावना जताई है। राज्य सरकार ने सभी प्राइवेट और सरकारी स्कूलों को आज बंद रखने के आदेश दिए हैं। गढ़वा जिले में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत भी हुई है। आईएमडी ने इन 4 राज्यों के अलावा जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, केरल, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में भी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

राजस्थान के भीलवाड़ा, केकड़ी और टोंक जिलों में शनिवार (3 अगस्त) को भारी बारिश के अलर्ट के चलते कलेक्टरों ने स्कूलों में छुट्?टी की घोषणा की है। अजमेर के किशनगढ़ में तेज बारिश के कारण हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पीछे पहाड़ी का एक हिस्सा टूटकर गिर गया। सवाई माधोपुर में एक मकान ढह गया।

असम में बाढ़ के चलते 2 लोगों की मौत हो गई है। बाढ़ से 6 जिलों में 18 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। इस साल बाढ़, तूफान, बिजली गिरने और लैंडस्लाइड से राज्य में अब तक 116 लोगों की जान जा चुकी है।

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से विधायक एवं पूर्व प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा ने विधानसभा परिसर में सौजन्य भेंट की।

रविंद्र भवन रामचरितमानस पर आधारित नृत्य नाटिका का मंचन

भोपाल। विविधा कला एवं सांस्कृतिक समिति भोपाल के द्वारा भगवान श्री राम के अयोध्या में 500 वर्षों बाद भव्य मंदिर निर्माण की उपलक्ष में भारत के संपूर्ण जनमानस के लिए विविधा द्वारा रामचरितमानस पर आधारित नृत्य नाटिका का 3 अगस्त को मंचन रविंद्र भवन भोपाल के हंसध्वनि सभागार में होने जा रहा है। इस आध्यात्मिक एवं धार्मिक कार्यक्रम का नाम श्रीराम महिमा रखा गया है। इस कार्यक्रम में हमारी वर्तमान पीढ़ी और आने वाली पीढ़ी के लिए भगवान श्री राम के चरित्र का चित्रण दिखाया जाएगा। इस कार्यक्रम की परिकल्पना विविधा की अध्यक्ष जो प्रसिद्ध कोरियोग्राफर कत्थक नृत्यांगना अभिलाषा तिवारी तथा सुप्रसिद्ध संगीतकार अभय तिवारी ने की है।

सैमसंग नीरज चोपड़ा का उत्साह बढ़ाने के लिए लेकर आया 'इंडिया चीयर्स फॉर नीरज' कैम्पेन

गुरुग्राम एजेंसी। सैमसंग ने अपने 'इंडिया चीयर्स फॉर नीरज' कैम्पेन के जरिए प्रशंसकों से आगे आने और नीरज चोपड़ा को अपनी शुभकामनाएं भेजने का अनुरोध किया है। इस कैम्पेन के साथ, सैमसंग इंडिया नीरज को उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने और अपनी सीमाओं से आगे जाने के लिए सपोर्ट करना चाहता है। उपभोक्ताओं के उत्साह को दिशा देने और राष्ट्र के सामूहिक उत्साह को बढ़ाने के लिए, सैमसंग इंडिया ने नीरज चोपड़ा के लिए सपोर्ट जुटाने के लिए एक फिल्म का अनावरण किया है। इस फिल्म में दिग्गज एथलीट की मजबूती और दृढ़ संकल्प शक्ति को दर्शाया गया है। इसमें दिखाया गया है कि नीरज कई चुनौतियों से कैसे पार पाते हैं। यह फिल्म इस बात पर प्रकाश डालती है कि सैमसंग का हाल ही में लॉन्च किया गया गैलेक्सी जेड फोल्ड6 स्मार्टफोन उनकी इस यात्रा में कैसे मदद करता है। गैलेक्सी जेड फोल्ड6 अपनी शक्तिशाली गैलेक्सी एआई टेक्नोलॉजी के साथ सीमाओं से आगे जाकर उपभोक्ताओं को बेजोड़ अनुभव प्रदान करता है। सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट आदित्य बब्बर ने कहा, सैमसंग लोगों को उनकी सीमाओं को तोड़कर आगे बढ़ने और महानता हासिल करने के लिए सशक्त बनाने में विश्वास करता है।

कोटक-गोकी स्मार्ट वाइटल प्लस स्मार्टवॉच हुई लांच

मुंबई, एजेंसी। कोटक महिन्द्रा बैंक लि. (केएमबीएल / कोटक) ने गोकी के साथ साझेदारी कर कोटक- गोकी स्मार्ट वाइटल प्लस स्मार्टवॉच लॉन्च की है। यह साझेदारी ग्राहकों के भुगतान करने का तरीका बदल देगी। इस अभिनव और वियरेबल डिवाइस की कीमत 3499 रूपये है। इसमें कॉन्टैक्टलेस पेमेंट्स और सेहत पर नजर रखने के फीचर्स दिए गए हैं। यह स्मार्टवॉच रूपे ऑन-द-गो से पावर्ड है और इससे 5000 रूपये तक का ट्रांजैक्शन पिन की जरूरत के बगैर आसानी से हो सकता है। उत्पाद को लॉन्च करते हुए, कोटक महिन्द्रा बैंक में रिटेल लाएबिलिटीज प्रोडक्ट के हेड और चीफ मार्केटिंग ऑफीसर रोहित भसीन ने कहा, ''आजकल हम डिजिटल तरीके से पैसे का लेन-देन बहुत करते हैं। छोटे-मोटे खर्चों के लिए भी हमें बार-बार पैसे निकालने या कार्ड स्वाइप करने या स्मार्टफोन से पेमेंट करने की जरूरत होती है। लेकिन अब कोटक-गोकी स्मार्ट वाइटल प्लस स्मार्टवॉच इन सब परेशानियों को दूर कर देती है। इस स्मार्टवॉच से चलते-फिरते सुरक्षित एवं बिना किसी परेशानी के बैंकिंग हो सकती है। कोटक- गोकी स्मार्ट वाइटल प्लस के द्वारा यूजर्स ब्लड प्रेशर, शरीर का तापमान और एपीओ2 लेवल्स सीधे अपनी कलाई पर देख सकते हैं। इसके अलावा, यूजर के लिये अनुकूल इंटरफेस से आसान भुगतान सुनिश्चित होता है। ग्राहक बिना किसी परेशानी के अपने कोटक अकाउंट्स के साथ साइन इन कर सकते हैं और इस उपकरण पर कॉन्टैक्टलेस पेमेंट्स कर सकते हैं। इसमें पारंपरिक कॉन्टैक्टलेस कार्ड्स और मोबाइल डिवाइसेस जैसी ही सुरक्षा मिलती है।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने थ्रोम्बोटिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक परप्यूरा से पीड़ित 61 वर्षीय महिला का सफलतापूर्वक इलाज किया

अहमदाबाद, एजेंसी। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल में डॉक्टरों की टीम ने थ्रोम्बोटिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक परप्यूरा से पीड़ित एक महिला का सफलतापूर्वक इलाज करके एक बार फिर से चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट की मिसाल कायम की है। थ्रोम्बोटिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक परप्यूरा खून से संबंधित एक दुर्लभ और जानलेवा बीमारी है, जो दुनिया भर में 10 लाख लोगों में से किसी एक को अपनी चपेट में लेता है। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल में हेमेटोलॉजी विभाग के सीनियर कंसल्टेंट, डॉ. कौमिल पटेल इस मरीज का इलाज करने वाली टीम की कमान संभाल रहे थे। टीटीपी यानी थ्रोम्बोटिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक परप्यूरा खून से संबंधित एक दुर्लभ बीमारी है, जिसमें पूरे शरीर में छोटे ब्लड वेसल्स में खून के थक्के बनने लगते हैं। इन थक्कों के कारण प्लेटलेट की संख्या में कमी (थ्रोम्बोसाइटोपेनिया) हो सकती है, रेड ब्लड सेल्स नष्ट (हेमोलिटिक एनीमिया) हो सकते हैं और सीमित मात्रा में खून के बहन की वजह से शरीर के अंगों को नुकसान हो सकता है। चिकित्सा जगत में टीटीपी को एक आपात स्थिति माना जाता है, तथा इससे जुड़ी गंभीर जटिलताओं या मौत को रोकने के लिए तुरंत इलाज करना बेहद जरूरी हो जाता है।

श्रावण मास शिवरात्रि पर सिरोंजिया अग्रवाल महिला मंडल ने किया सवा लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण

भोपाल। श्री सिरोंजिया अग्रवाल महिला मंडल द्वारा सवा लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण के आयोजन में मास शिवरात्रि पर सर्व रोग हरण की कामना से भोलेनाथ का अभिषेक सिरोंजिया अग्रवाल पंचायत भवन गुजरपुरा पर किया जा रहा है इस आयोजन में प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु गण पवित्र नदीयों की माटी से शिवलिंग निर्माण कर रुद्राभिषेक कर रहे है।

2 दिन में लग गया रेलवे स्टेशन का संकेत बोर्ड

शिक्षाविद आनंद सबधाणी की रही विशेष भूमिका

संत हिरदाराम नगर। अगर पर्याप्त इच्छा शक्ति एवं कुछ करने का जजबा हो तो क्या कुछ संभव नहीं है। संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन जब से भोपाल रेल मण्डल में शामिल हुआ उसके बाद से ही यहां ट्रेनों का स्टापेज बढ़ने लगा। कुछ ट्रेने तो ऐसी हैं जो संत हिरदाराम नरगर स्टेशन के बाद निशातपुरा से सीधी विदिशा रूट की तरह चली जाती हैं, जिनमें सवार होने के लिए बड़ी संख्या में भोपाल के कोने कोने से यात्री यहां आने लगे हैं लेकिन भोपाल व सीहोर से आने वाले यात्रियों को स्टेशन किस दिशा में है , यह ढूंढने में काफी दिक्कत हो रही थी क्योंकि यहां कोई संकेत बोर्ड नहीं था। अगर एक आद संकेत बोर्ड था भी तो वह इतना छोटा कि

किसी को दिखता नहीं था।

बैठक में उठा मुद्दा: संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन पर पहली बार बनी रेलवे सलाहकार समिति जिसमें यहां के 5 गणमान्य नागरिकों विधायक प्रतिनिधि एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम बंसल रैनवाल, सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के महासचिव सुरेश जसवानी, भोपाल चेम्बर आफ कामर्स के सदस्य चन्द्रप्रकाश ईसरानी, स्थानीय पर्षद अशोक मारन एवं शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी स्थान रखने वाले आनंद सबधाणी को शामिल किया गया है, की पहली बैठक 19 जुलाई को स्टेशन अधीक्षक एवं सलाहकार समिति के अध्यक्ष राकेश मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें भोपाल रेल मण्डल के इंजीनियरिंग विभाग, विद्युत विभाग न अन्य विभागों के अधिकारी भी शामिल हुए।

बैठक में सदस्य एवं सिंधी सेंट्रल पंचायत के महासचिव सुरेश जसवानी यह मुद्दा उठाया कि जब से बीआरटीएस कारीडोर हटा है उसके बाद भोपाल व सीहोर से आने वाले यात्री सीधे स्टेशन रोड पर प्रवेश करते हैं लेकिन यहां कोई बड़ा संकेत बोर्ड न होने के कारण यात्रियों को परेशानी होती है इसके लिए उन्होंने शिक्षाविद आनंद सबधाणी से अपने खर्चे पर इस तरह का बोर्ड लगाने का आग्रह किया, जिस पर सभी ने तालियां बजाकर स्वागत किया। बैठक के केवल 12 दिन बाद आनंद सबधाणी द्वारा की गई घोषणा पर गुरूवार रात को अमल भी हो गया और साजन सरिता कपड़े की दुकान के सामीप आलीशान संकेत बोर्ड लग गया है, जिसका जल्द ही रेल मण्डल प्रबंधन के अलावा सांसद आलोक शर्मा एवं रेलवे सलाहकार समिति के राट्रीय सदस्य नितेश लाल से संयुक्त रूप से लोकार्पण करवाया जाएगा।

भोपाल मेला उत्सव समिति ने स्कूल बैग व छाता वितरण किया

संत हिरदाराम नगर। नव युवक सभा द्वारा संचालित अनन्दराम टी. शाहानी कन्या उ.मा. विद्यालय एवं सिंधु माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में भोपाल मेला उत्सव समिति द्वारा कक्षा नर्सरी से पांचवी तक के विद्यार्थियों को बैग वितरित किया गया। कक्षा छठी से बारहवी तक के विद्यार्थिओं को छाते बांटे गए। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी, अशोक मारन, राजेन्द्र गर्ग, विमल भण्डारी, अजय सौगनी, वासदेव वाधवानी सहित कई उपस्थित थे। सुरेश राजपाल ने उद्बोधन में भोपाल मेला उत्सव समिति का धन्यवाद करते हुए कहा की आपके द्वारा किया गया कार्य सरहानीय है भविष्य में इस प्रकार की सहायता करने का अनुरोध किया। वासदेव वाधवानी ने अपने उद्बोधन में मेला समिति के कार्यों की प्रशंसा की व विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की अभिप्रेरणा दी।

संस्कार में दादा जशन वासवानी का जन्मदिन क्षमा दिवस के रूप में मनाया

संत हिरदाराम नगर। संस्कार पब्लिक स्कूल में दादा जशन वासवानी का जन्मदिन क्षमा दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्था के सचिव बसंत चेलानी, अतिथि राजकुमारी चोटरानी, कविता बालचन्दानी, प्राचार्य आर.के. मिश्रा द्वारा किया गया। बसंत चेलानी ने कहा कि महापुरूषों के मार्ग पर चलकर हम भी महान व्यक्ति बन सकते है। उन्होंने कहा कि आज हम दादा जशन वासवानी का जन्मदिन क्षमा दिवस के रूप में मनाने के लिए एकत्रित हुए है, क्षमा वीरों का आभूषण है इसलिए हमें अपने जीवन में क्षमा के गुण को अपनाना चाहिए। इसलिए हम आज यह संकल्प लेते है कि आज हमें सबको क्षमा करना है और अगर कोई गलती हुई है तो क्षमा मांगनी है एवं अपनी गलती पर चिंतन कर उसे सुधारने का प्रयास भी करना चाहिए। राजकुमारी चोटरानी ने कहा कि हमें अपने जीवन में छोटी-छोटी बातों को लेकर अपनी ऊर्जा को व्यर्थ नहीं करना चाहिए। कवीता बालचंदानी ने कहा कि क्षमा मांगने में अहंकार बीच में नही आना चाहिए तथा छोटी-छोटी बातों में बुरा मानकर नहीं बैठना चाहिए।

काटजू सिविल अस्पताल में विशेष परामर्श सत्र का आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विश्व स्तनपान सप्ताह के उपलक्ष्य में 3 अगस्त को डॉ. कैलाशनाथ काटजू सिविल अस्पताल में विशेष परामर्श सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दोपहर 1:00 बजे से शुरू होगा और इसमें स्तनपान जागरूकता और पोषण आहार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। कार्यक्रम में विख्यात शिशु रोग विशेषज्ञ प्रोफेसर डॉ. शीला भंबल और वरिष्ठ पोषण विशेषज्ञ अमिता सिंह द्वारा स्तनपान और पोषण संबंधी जानकारी दी जाएगी। इस वर्ष विश्व स्तनपान सप्ताह की थीम क्लोजिंग द गैप ब्रेस्टफीडिंग सपोर्ट फॉर ऑल पर आधारित है। इसका उद्देश्य स्तनपान की जानकारी और समर्थन को सभी तक पहुंचाना है।

स्वास्थ्य संस्थाओं का योगदान: जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में स्तनपान और पोषण आहार से संबंधित जागरूकता सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें गर्भवती और धात्री महिलाओं को उचित जानकारी दी जा रही है।

सत्र की जानकारी: मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि 1 से 7 अगस्त तक स्तनपान के लाभ और स्तनपान के प्रति भ्रांतियों को दूर करने के लिए विभिन्न जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। डॉ. कैलाशनाथ काटजू सिविल अस्पताल में आयोजित इस परामर्श सत्र का उद्देश्य स्तनपान और पोषण आहार के महत्व को समझाना और गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को उचित जानकारी प्रदान करना है। सभी को इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

महिन्द्रा युनिवर्सिटी ने तीसरा दीक्षांत समारोह किया, 751 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की

हैदराबाद। महिन्द्रा युनिवर्सिटी ने आज अपने परिसर में अपने तीसरे दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जिसमें 751 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। समारोह के दौरान, असाधारण अकादमिक उत्कृष्टता और अनुसंधान उपलब्धियां प्रदर्शित करने एवं समुदाय में योगदान करने वाले विद्यार्थियों को मेडल से सम्मानित किया गया। इस वर्ष का दीक्षांत समारोह, एक्जीक्यूटिव एमबीए प्रोग्राम के विद्यार्थियों के लिए पहला दीक्षांत समारोह है। आयोजन की अध्यक्षता महिन्द्रा युनिवर्सिटी के कुलाधिपति श्री आनंद महिन्द्रा ने की और तेलंगाना सरकार के स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री दामोदर राजानरसिम्हा मुख्य अतिथि थे, जबकि अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइस की प्रवर्तक निदेशक और अपोलो हेल्थ एंड अपोलो फार्मासीज़ की कार्यकारी चेयरपर्सन श्रीमती शोभना कामिनेनि विशिष्ट अतिथि थीं। महिन्द्रा युनिवर्सिटी के प्रबंधन बोर्ड के सदस्य श्री सीपी गुरनानी, महिन्द्रा युनिवर्सिटी के प्रबंधन बोर्ड के सदस्य मोहित जोशी और प्रबंधन बोर्ड की सदस्य सुश्री अनुजा महिन्द्रा भी उपस्थित थीं। श्री राजानरसिम्हा और श्रीमती कामिनेनि ने महिन्द्रा युनिवर्सिटी में स्टूडेंट रेसिडेंट हॉल का उद्घाटन किया। तेलंगाना सरकार के स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण, विज्ञान प्रौद्योगिकी मंत्री दामोदर राजानरसिम्हा ने कहा, 21वीं शताब्दी परिवर्तन से संचालित है और टेक्नोलॉजी इस दुनिया को एक सूत्र में बांध रही है।

बैंकों और वित्तीय संस्थानों में रक्षाबंधन और कृष्ण जन्माष्टमी पर अवकाश की मांग

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस, मध्य प्रदेश, जिसमें 9 बैंक कर्मचारी और अधिकारी संगठन शामिल हैं और जो राज्य के लगभग सभी बैंक कर्मियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, ने मध्य प्रदेश सरकार से निवेदन किया है कि 19 अगस्त को रक्षाबंधन और 26 अगस्त श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट 1881 के तहत अवकाश घोषित किया जाए। उन्होंने कहा है कि मध्य प्रदेश सरकार ने 2024 के लिए 16 अवकाश घोषित किए हैं, जिसमें 12 अक्टूबर 2024 (द्वितीय शनिवार) को दशहरा और 1 अप्रैल 2024 को वार्षिक लेखाबंदी शामिल हैं। हालांकि, द्वितीय शनिवार को पहले से ही अवकाश होता है और वार्षिक लेखाबंदी के दिन भी बैंक कर्मियों को कार्य पर उपस्थित होना पड़ता है। इस प्रकार, वास्तविक रूप से केवल 14 अवकाश ही घोषित किए गए हैं। सिक्किम (25), उत्तर प्रदेश (24), तमिलनाडु और महाराष्ट्र (23), उत्तराखंड, मेघालय और मिजोरम (22) समेत अन्य राज्यों ने मध्य प्रदेश से अधिक अवकाश घोषित किए हैं। मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य कर्मचारियों के लिए 23 अवकाश घोषित किए हैं जबकि बैंक कर्मियों के लिए केवल 14 अवकाश ही घोषित किए गए हैं, जो भेदभावपूर्ण है। राज्य सरकार ने अपनी योजनाओं के तहत महिलाओं के लिए विशेष लाभ दिए हैं, फिर बैंक की महिला कर्मचारियों के लिए रक्षाबंधन की छुट्टी में भेदभाव क्यों? 2023 में, मध्य प्रदेश सरकार ने बैंक कर्मियों के अनुरोध पर रक्षाबंधन के त्योहार पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया था। गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, उड़ीसा, त्रिपुरा, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, पंजाब, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, लक्षद्वीप, मेघालय, सिक्किम, तमिलनाडु आदि राज्यों ने रक्षाबंधन और श्री कृष्ण जन्माष्टमी के त्योहारों पर बैंक कर्मियों के लिए अवकाश घोषित किए हैं।

मणि जैन बनी महिला परिषद पार्श्वनाथ शाखा की अध्यक्ष, सामाजिक एवं महिला सशक्तिकरण के कार्य का संकल्प

भोपाल। श्री अखिल भारतीय दिगंबर जैन महिला परिषद की पद्मावती संभाग की पार्श्वनाथ शाखा, अशोका गार्डन ने शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया, जिसमें मणि जैन को सर्वसम्मति से अध्यक्ष नियुक्त किया गया। महिला परिषद की संभागीय अध्यक्ष कुमुदनी और प्रांतीय सचिव डॉ. सविता जैन ने मणि जैन को अध्यक्ष, उपासना जैन को सचिव और सीमा जैन को कोषाध्यक्ष के रूप में शपथ दिलाई। इस अवसर पर जनसंपर्क अधिकारी सुषमा जैन और प्रांतीय चेयरपर्सन कल्पना जैन भी उपस्थित थीं। समारोह के दौरान आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को सेनेटरी पैड पैकेट और मेडिकल किट का वितरण किया गया। समारोह का आयोजन श्रद्धा जैन द्वारा किया गया और आभार व्यक्त वंदना जैन ने किया।

नंदीश्वर जिनालय में भक्तामर शिविर के साथ ही विशेष पूजा आराधना

भोपाल। राजधानी के प्रमुख जैन मंदिरों में इस वर्षा योग के दौरान भक्ति की लहर दौड़ रही है। नंदीश्वर जिनालय में आचार्य विनम्र सागर महाराज के सानिध्य में विशेष भक्तामर शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में प्रतिदिन भक्तामर महाकाव्य का व्याख्यान किया जा रहा है, जिसे सुनने के लिए श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या उमड़ रही है।

आचार्य विनम्र सागर महाराज ने इस अवसर पर कहा कि मनुष्य योनि प्राप्त करना अत्यंत सौभाग्यशाली है, और इस योनि में धर्म और अध्यात्म की साधना करना परम सौभाग्य की बात है।

उन्होंने शांतिपूर्वक समाधि मरण को परम पुण्यशाली क्षण बताया और कहा कि धर्म और आध्यात्मिक क्रियाएं निश्छल मन से करनी चाहिए।

इसके साथ ही, शंकराचार्य नगर जैन मंदिर में आचार्य महाराज की शिष्या विमल श्री माताजी के सानिध्य में कल्याण मंदिर विधान का आयोजन हो रहा है। इस विशेष आयोजन के तहत दोपहर 1 बजे अयोध्या नगर मंदिर में कलश स्थापना का भी कार्यक्रम निर्धारित है।

केंद्रीय कैबिनेट ने 6-लेन आगरा-ग्वालियर राष्ट्रीय हाई-स्पीड कॉरिडोर परियोजना को दी मंजूरी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय कैबिनेट द्वारा 6-लेन आगरा-ग्वालियर राष्ट्रीय हाई-स्पीड कॉरिडोर की परियोजना स्वीकृत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हार्दिक धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा, एक केंद्र स्थित राज्य के रूप में, मध्य प्रदेश को 6-लेन आगरा-ग्वालियर राष्ट्रीय हाई-स्पीड कॉरिडोर परियोजना से बुनियादी ढांचे में सुधार होगा और प्रदेश को आर्थिक लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में यह परियोजना देश के बुनियादी ढांचे को नए आयाम देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। परियोजन का उद्देश्य राष्ट्रीय परिवहन ढांचे को मजबूत बनाना और आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करना है।

केन्द्रीय केबिनेट ने देश भर में लॉजिस्टिक्स की दक्षता में सुधार, भीड़भाड़ को कम करने और कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए कुल 50,655 करोड़ रुपये की पूंजी लागत से 936 किमी लंबाई की 8 महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हाई-स्पीड रोड कॉरिडोर परियोजनाओं को मंजूरी दी है। परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक 6-लेन आगरा-ग्वालियर राष्ट्रीय हाई-स्पीड कॉरिडोर है। इस 88 किमी लंबे हाई-स्पीड कॉरिडोर को 4,613 करोड़ रुपये की कुल पूंजी लागत के साथ बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफ मोड पर विकसित किया जाएगा। इस परियोजना से आगरा और ग्वालियर के बीच यात्रा का समय 50 प्रतिशत तक कम हो जाएगा और यह मौजूदा 4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग की यातायात क्षमता को 2 गुना से अधिक बढ़ाने में सहायक होगी।

सुलेमान का कद घटाया, मिश्रा फिर फ्रंटफुट पर आए, खाड़े व यादव हुए पावरफुल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश में बहुप्रतीक्षित ट्रांसफर-पोस्टिंग का सिलसिला शुरू हो गया है। शुक्रवार, 2 अगस्त को मोहन सरकार ने 10 सीनियर आईएएस अधिकारियों की जिम्मेदारी में फेरबदल कर दिया। किसी का कद घटाया तो किसी को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है।

सूची में सबसे पहला नाम वर्ष 1989 बैच के सीनियर आईएएस मोहम्मद सुलेमान का है। मुख्य सचिव की दौड़ में शामिल मोहम्मद सुलेमान से स्वास्थ्य की जिम्मेदारी लेकर कृषि में भेज दिया है। वे हेल्थ, मेडिकल एजुकेशन, भोपाल गैस त्रासदी और प्रवासी भारतीय विभाग के अपर मुख्य सचिव यानी एसीएस थे। अब उन्हें कृषि उत्पादन आयुक्त बनाया गया है। वहीं, 1990 बैच के आईएएस एसएन मिश्रा अब गृह विभाग के एसीएस बनाए गए हैं। परिवहन विभाग का उन्हें अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इस तरह मिश्रा एक बार फिर फ्रंटफुट पर आए हैं। इसके उलट 1993 बैच के आईएएस संजय दुबे को नुकसान हुआ है। पुलिस अधिकारियों से पटरी ना बैठ पाने के कारण उनसे गृह विभाग का जिम्मा छीन लिया गया है। अब वे लूपलाइन माने जाने वाले विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव बनाए गए हैं। इससे पहले वे गृह विभाग के प्रमुख सचिव थे।

केसी गुप्ता का कद बढ़ाया: सरकार ने 1992 बैच के आईएएस केसी गुप्ता का कद बढ़ाया है। इसमें समीकरण यह है कि शिवराज सरकार में जब डॉ.मोहन यादव उच्च शिक्षा मंत्री थे, तब गुप्ता शिक्षा विभाग के पीएस हुआ करते थे। लि?हाजा, वे मोहन यादव के पसंदीदा अफसरों में शुमार थे। अब चूंकि मोहन यादव सीएम हैं, ऐसे में गुप्ता को इसका लाभ मिला है। गुप्ता पीडब्ल्यूडी के एसीएस बनाए गए हैं। उन्हें संसदीय कार्य विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

मुकर्जी को दिल्ली भेजा: 1993 बैच के आईएएस अनिरुद्ध मुकर्जी दिल्ली जाना चाहते थे, लिहाजा उन्हें सरकार ने दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन का विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी बनाया गया है। आपको बता दें कि मुकर्जी की पत्नी दीप्ति गौड़ मुकर्जी दिल्ली में ही डेपुटेशन पर हैं। इसीलिए वे दिल्ली जाना चाहते थे। तबादला सूची में अगला नाम 1994 बैच की तेजतर्रार आईएएस दीपाली रस्तोगी का है। उन्हें पंचायत विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है। माना जा रहा है कि इससे मंत्री प्रहलाद पटेल की टीम और मजबूत होगी। विभाग के काम में कसावट आएगी।

आहूजा और पोरवाल को नुकसान : 1996 बैच के आईएएस डीपी आहूजा का कद घटा है। प्रमुख सचिव पीडब्ल्यूडी रहे आहूजा को अब मछुआ कल्याण जैसे छोटे विभाग में भेज दिया गया है। ऐसे ही उन्हें और कुछ छोटे विभागों की जिम्मेदारी दी गई है। 2000 बैच के अफसर विवेक कुमार ?पोरवाल को भी नुकसान हुआ है। हेल्थ, मेडिकल एजुकेशन जैसे बड़े विभागों के प्रमुख सचिव रहे पोरवाल अब राजस्व विभाग में भेजे गए हैं।

सरकार ने दो अफसरों को नवाजा : तबादला सूची में 2000 बैच के आईएएस संदीप यादव और 2006 बैच के आईएएस सुदाम खाड़े का नाम भी है। दोनों अफसरों को सरकार ने बड़े विभागों की जिम्मेदारी दी है। अब तक विमानन, जनसंपर्क विभाग के प्रमुख सचिव रहे संदीप यादव को अब हेल्थ, मेडिकल एजुकेशन, भोपाल गैस त्रासदी विभाग का पीएस बनाया है। वहीं, प्रवासी भारतीय विभाग और खाद्य सुरक्षा विभाग का काम भी वे देखेंगे। अब तक ये भारी भरकम विभाग एसीएस स्तर के अधिकारियों के पास ही रहते आए हैं। इसके अतिरिक्त जनसंपर्क आयुक्त सुदाम खाड़े को अब फुल फ्लैश तरीके से जनसंपर्क और माध्यम की जिम्मेदारी दे दी गई है।

रीवा के लिए नई ट्रेन की सौगात, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज भोपाल रीवा के मध्य नई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवान दास सबनानी, विष्णु खत्री, भोपाल संसदीय क्षेत्र के सांसद आलोक शर्मा, होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह, भोपाल की महापौर मालती राय उपस्थित थीं। वर्तमान में राजधानी भोपाल से रीवा जाने के लिए रेवांचल एक्सप्रेस प्रतिदिन सागर कटनी होकर जाती है। नई एक्सप्रेस ट्रेन इटारसी मार्ग से सप्ताह में दो दिन चलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में हर तरह की यातायात कनेक्टिविटी को विकसित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रीवा के लिए वायुयान सुविधा भी उपलब्ध है। गंभीर रोगियों, पर्यटकों श्रद्धालुओं आदि के लिए प्रदेश के अन्य नगरों के मध्य भी विभिन्न माध्यमों से कनेक्टिविटी प्रारंभ की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूर्व में रेल मंत्री के क्षेत्र में ही रेल सुविधाएं बढ़ाई जाती थी। गत 10 वर्ष से इस परिपाटी को बदल दिया गया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रानी कमलापति के नाम से सुविधायुक्त रेलवे स्टेशन की सौगात भोपाल को दी थी। अब भोपाल मुख्य स्टेशन का विकास भी तेजी से हो रहा है। कार्यक्रम को अन्य जनप्रतिनिधियों में भी संबोधित किया।

रीवा-सतना रेललाइन दोहरीकरण में आ रही समस्याओं को शीघ्र निराकृत करें: उप-मुख्यमंत्री शुक्ल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उप-मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बसामन मामा गौ-वन्य विहार रेस्टहाउस रीवा में आयोजित बैठक में ललितपुर-सिंगरौली रेलवे लाइन का निर्माण कार्य समय सीमा में पूरे करने के निर्देश दिए। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा-सतना रेल लाइन के दोहरीकरण में आ रही समस्याओं को शीघ्र दूर करें। रेलवे के अधिकारी प्रशासनिक अधिकारियों से समन्वय बनाकर निर्माण कार्यों को तेजी से पूर्ण करें। गोविंदगढ़ से सीधी के बीच रेलवे लाइन के लिए पुल, पुलिया तथा अन्य निर्माण कार्य तय समय सीमा में पूरा कराएं।

क्षेत्र में बड़े उद्योगों की स्थापना को बल मिलेगा: उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि ललितपुर-सिंगरौली रेलवे लाइन से पूरा क्षेत्र कलकत्ता से सीधे रेलमार्ग से जुड़ जाएगा। कोयले के परिवहन के लिए भी यह रेलमार्ग बहुत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। इससे क्षेत्र में बड़े उद्योगों की स्थापना को बल मिलेगा। रेलवे तथा उद्योगों के माध्यम से हजारों लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। कमिश्नर रीवा संभाग श्री बीएस जामोद, आईजी श्री एमएस सिकरवार, डीआईजी श्री एसपी पाण्डेय, पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी सहित अन्य प्रशासनिक एवं रेलवे के अधिकारी उपस्थित रहे।

क्षत्रिय करणी सेना के जिला उपाध्यक्ष बने महेंद्र सिंह

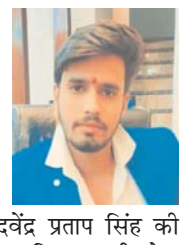

भोपाल। क्षत्रिय करणी सेना भोपाल जिला का उपाध्यक्ष का दायित्व महेंद्र सिंह को सौंपा उनकी यह नियुक्ति भोपाल जिला अध्यक्ष आशु सिंह एवं शहर जिला अध्यक्ष यादवेंद्र प्रताप सिंह की अनुशंसा पर की गई है क्षत्रिय करणी सेना मध्य प्रदेश में लगातार कार्यकारिणी का विस्तार कर रही है वही महेंद्र सिंह समस्त वरिष्टों का आभार व्यक्त करते हुए का कि मैं संगठन के सिद्धांतों के साथ भोपाल जिला का दायित्व पूर्ण जिम्मेदारी के साथ निभाऊंगा उनको यह दायित्व मिलने पर उनके इष्ट मित्रों ने बधाई दी

स्मार्ट सिटी के नाम पर लगातार लोगों के घर तोड़ रहा है नगर निगम: शर्मा

भोपाल। पूर्व मंत्री पीसी शर्मा और नगर निगम नेता प्रतिपक्ष सविस्ता जकी ने आरोप लगाया है कि स्मार्ट सिटी के नाम पर लगातार लोगों के घर तोड़े जा रहे हैं और यह सब नगर निगम कर रहा है। इसके अलावा, 200 झुग्गियों को हटाने का मामला भी सामने आ चुका हुआ। वहीं, गरीबों के लिए जो मकान आवंटित किए थे, वह नगर निगम की अधिकारियों ने बेच दिए हैं और उन्हें दूसरी जगह शिफ्ट करने पर विचार किया जा रहा है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा गया कि माली खेड़ी में मकान देने का वादा किया गया था,

लेकिन अब तक वहां पर कोई भी मकान नहीं बन हैं। बता दें कि सरकार का स्टे ऑर्डर 1976 से है कि बारिश के समय किसी भी झुग्गी-झोपड़ी वासियों को नहीं हटाया जाएगा। वहीं, मोहन सरकार ने भी पिछले साल 2023 जून में यह आदेश दिया था कि किसी भी झुग्गीवासियों को बरसात के वक्त नहीं हटाया जाए। इस दौरान पीसी शर्मा ने कहा कि मामले में कलेक्टर से मांग की गई है कि इन लोगों को अभी बरसात के वक्त में नहीं हटाया जाए। साथ ही कैंप लगा कर के लोगों के नाम दर्ज किए जाए। केवल इतना ही नहीं, जिन लोगों ने पैसे जमा किए हैं उन लोगों की रसीद देखकर उन्हें पक्के मकान दिए जाएं और जो लोग पैसे जमा नहीं कर पाए हैं, उनसे भी पैसे जमा कराए जाएं।

शासकीय कर्मचारियों को आठ महीने का एरियर तीन महीने में देगी सरकार ,राशि हुई जारी

भोपाल। प्रदेश के शासकीय कर्मचारियों-अधिकारियों का मंहगाई भत्ता 42 से बढ़ाकर 46 प्रतिशत करने के बाद आठ माह का एरियर देना भी सरकार ने शुरु कर दिया है। जुलाई और अगस्त की किस्त वित्त विभाग सभी विभागों को उपलब्ध करा दी है। इसका भुगतान रक्षाबंधन से पहले हो जाएगा। आठ महा के एरियर से साढे सात लाख नियमित और अन्य श्रेणी के कर्मचारियों को 52 हजार रुपये तक का लाभ होगा। प्रदेश सरकार ने एक जुलाई 2023 से कर्मचारियों का मंहगाई भत्ता 42 से 46 प्रतिशत करने का निर्णय लिया था। इसका भुगतान अप्रैल 2024 से किया गया। जुलाई 2023 से फरवरी 2024 तक के मंहगाई भत्ते के अंतर की राशि के लिए वित्त विभाग ने दूसरी किस्त की राशि भी जारी कर दी है। तीसरी किस्त सितंबर में दी जाएगी। तीनों किस्तों को मिला कर कर्मचारियों को सात हजार से लेकर 52 हजार रुपये तक का लाभ होगा। चार प्रतिशत मंहगाई भत्ता बढ़ाने से कर्मचारियों को प्रतिमाह न्यूनतम नौ सौ रुपये से लेकर साढ़े छह हजार रुपये तक का लाभ हुआ है। इस प्रकार देखा जाए तो न्यूनतम सात हजार रुपये से लेकर अधिकतम 52 हजार रुपये से अधिक तक कर्मचारियों को मिलेगी।

एम्स के डॉ. केतन मेहरा ने मेडिकल यूनिवर्सिटी वियना का दौरा किया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह संकाय और छात्रों के बीच अकादमिक उत्कृष्टता और ज्ञान-साझाकरण की संस्कृति को सदैव बढ़ावा देते रहते हैं। उनके मार्गदर्शन में, एम्स भोपाल ने विभिन्न शैक्षणिक मंचों पर उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। विभिन्न सम्मेलनों और कार्यशालाओं में संकाय सदस्यों की भागीदारी न केवल उनके कौशल को बढ़ाती है बल्कि उन्हें नवीनतम प्रगति के साथ अद्यतन भी रखती है। हाल ही में एम्स भोपाल के यूरोलॉजी विभाग के डॉ. केतन मेहरा ने यूरोप के सबसे प्राचीन विश्वैविद्यालयों में से एक मेडिकल यूनिवर्सिटी वियना, आस्ट्रिहया में 1 जून से 31 जुलाई 2024 तक दो महीने का क्लिनिकल दौरा किया। इस दौरान डॉ. मेहरा ने पाया कि विभिन्नप स्पेशलिटीज़ जैसे ऑन्को लॉजी, रेडियोलॉजी और पैथोलॉजी को समन्वित रूप से अपनाकर रोगी देखभाल और प्रबंधन को बेहतर कर सकते हैं। उन्होंयने यूरोलॉजिकल डिस्आ र्डर के अलावा प्रोस्टेखट कैंसर, ब्लेंडर कैंसर और किडनी स्टोनन जैसे मामलों में उन्त तकनीकों का इस्तेसमाल करना भी सीखा। इन उन्नेत तकनीकों में इमेजिंग विधि, एंडोस्कोलपिक प्रक्रिया और सर्जिकल प्रक्रिया शामिल थीं। इमेजिंग विधि में - एमआरआई, सीटी स्कैन और अल्ट्रासाउंड जबकि सर्जिकल प्रक्रिया में रोबोटिक सर्जरी जिसमें रोबोट की सहायता से लेप्रोस्कोऔपिक सर्जरी की जाती है। डॉ मेहरा ने इस दौरान स्टोन मैनेजमेंट और अन्य सर्जरी के लिए उन्नत लेसर तकनीकों का उपयोग भी सीखा।

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अजय सिंह ने कहा की डॉक्टर केतन का यह अनुभव एम्स भोपाल में क्लिनिकल प्रथाओं को बढ़ाने में सहायक होंगे। इन उन्नत प्रक्रियाओं को अपनाकर, शैक्षिक कार्यक्रमों को सुदृढ़ करके, शोध सहयोग को बढ़ावा देकर और नई तकनीकों को एकीकृत करके एम्स भोपाल मरीजों की देखभाल में महत्वपूर्ण सुधार करेगा और स्वास्थ्य पेशेवरों को लाभान्वित करेगा। प्रोफेसर (डॉ.) सिंह ने डॉ. केतन मेहरा को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी ।

नये पंजीयन करने वालों के लिये बनेंगे जीएसटी सेवा केंद्र

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने की वाणिज्यिक कर विभाग की समीक्षा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश में जीएसटी के नये पंजीयन लेने वाले व्यक्तियों में हाई रिस्क स्कोर के अंतर्गत आने वाले व्यवसाईयों के बायोमेट्रिक से आधार का सत्यापन करने के लिए जीएसटीएन की मदद से जीएसटी सेवा केंद्र स्थापित किए जाएंगे। नये डाटा एनालिसिस एंड मॉनिटरिंग कार्य से संबंधित नये प्लेटफार्म दिशा - डेटा इंटेलिजेंस सिस्टम फॉर हॉलिस्टिक एनालिसिस का उपयोग शुरू कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने आज यहां मंत्रालय में वाणिज्यिक कर विभाग की समीक्षा की।

विभाग द्वारा जीएसटीएन, जीएसटी प्राइम, एनआईसी, ई-वे बिल जैसे विभिन्न पोर्टल पर उपलब्ध लगभग 105 रिपोर्ट को फील्ड अधिकारियों को देकर कर ऑनलाइन वेब पेज के माध्यम से कर चोरी के प्रकरणों की जांच कर कार्रवाई की जाएगी। समीक्षा बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल 51,469 करोड रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ जो पूर्व वर्ष 2022-23 में प्राप्त कुल राजस्व 44,991 करोड़ की तुलना में 16त्न अधिक है। इसी प्रकार नवंबर 23 से जून 24 तक 37,287 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ जो पिछले साल इसी अवधि में प्राप्त राजस्व से 32,450 करोड़ रूपये की तुलना में 15त्न अधिक है। जीएसटी के अंतर्गत माह नवंबर से जून 24 तक 24,315 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ जो गत वर्ष इसी अवधि में प्राप्त राजस्व 20,035 करोड़ रूपये की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है। जीएसटी रिटर्न फाइलिंग करने में मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्य में है। बोगस पंजीयन की रोकथाम के लिए पंजीयन आवेदन के साथ व्यवसाय स्थल के प्रमाण के रूप में दिए गए उपभोक्ता बिजली क्रमांक का ऑनलाइन वेरिफिकेशन विद्युत वितरण कंपनी के डेटा से करने की व्यवस्था की गई है।

स म्पा द की य

समस्या और राजनीति

देश में भले ही मशहूर बॉलीवुड फिल्म नायक जैसा कोई नायक नहीं दिखता, लेकिन इस फिल्म का ये डायलॉग अवश्य हमारी राजनीति पर लागू हो रहा है- ऐसी प्रॉब्लम सॉल्व नहीं करनी चाहिए, बल्कि इनका इश्यू बनाकर राजनीति खेलनी चाहिए... वो चिल्लाते हैं तो चिल्लाने दो, पहले चिल्लाएंगे, बाद में थक जाएंगे फिर घर चले जाएंगे...। संसद से लेकर हर जगह राजनीतिक दलों की नूरा कुश्ती चलती रहती है और आम आदमी बस ऐसे ही देखता रह जाता है। एक समस्या हल नहीं हो पाती, तब तक दूसरी आ जाती है।

राजधानी दिल्ली का उदाहरण सामने है। यहां हाल ही में बारिश से जहां-तहां जलभराव हो गया, सड़कें पानी से लबालब हो गईं। लंबा जाम देखने को मिला। कई हादसे हुए। बारिश जनित घटनाओं में 10 लोगों की जान चली गई। मयूर विहार के फेस-थ्री में खुले नाले में गिरने से हुई मां-बेटे मौत हो गई। इस मामले में किसी की जवाबदेही तय नहीं की जा रही है। देश की राजधानी में खुले नाले में गिरने से मौत कोई छोटी घटना नहीं है। इसका संज्ञान लेकर कार्रवाई करने की बजाय सरकार और प्रशासन तू-तू-मैं-मैं का खेल करने में लग गए। आम आदमी पार्टी सरकार एलजी के खिलाफ मोर्चा खोले हुए है, एलजी एमसीडी को जिम्मेदार बता रहे हैं, बीजेपी आम आदमी पार्टी को घेर रही है और कांग्रेस, बीजेपी और आप पर निशाना साध रही है। लेकिन पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना तो दूर की बात कोई जवाबदेही तक तय नहीं कर पा रहा। सब अपनी-अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने में लगे हैं।

दिल्ली की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी मां-बेटे की दुखद मौत के मामले राजनिवास पर विरोध प्रदर्शन करेगी। मजेदार बात ये है कि आम आदमी पार्टी की न सिर्फ दिल्ली में सरकार है बल्कि अब एमसीडी भी उसी के पास है। नालों की साफ-सफाई, सीवेज, ड्रेनेज वगैरह की जिम्मेदारी सीधे तौर पर एमसीडी और दिल्ली सरकार की है। लेकिन जवाबदेही तय करके कार्रवाई करना और आगे ऐसे हादसों से बचने के उपाय करने को छोड़कर आम आदमी पार्टी भाजपा और एलजी को घेरने में लगी है। गौर करने वाली ये है कि कुछ दिन पहले ही ओल्ड राजेंद्र नगर में हुए हादसे में तीन छात्रों ने अपनी जान गंवा दी थी। इसके बाद भी सरकार और प्रशासन की कान पर जूं नहीं रेंगा। इसी का नतीजा है कि राजधानी में नाले में गिरकर मां-बेटे की दुखद मौत हो गई।

दूसरी ओर एलजी ऑफिस से भी इस मामले में बयान सामने आया है। मां-बेटे की मौत पर एलजी ऑफिस ने आप नेताओं पर भ्रामक बयानबाजी करने का आरोप लगाया है। एलजी ऑफिस ने कहा है कि नाले में जिस जगह ये हादसा हुआ, वह डीडीए नहीं, बल्कि दिल्ली नगर निगम के नियंत्रण में है। सांसद संजय कुमार, विधायक कुलदीप कुमार, पार्टी प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ और आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को गलत, भ्रामक और स्पष्ट रूप से अनुचित बयान जारी किए हैं। एलजी ऑफिस डीडीए का पक्ष रखता हुआ दिखा। लेकिन जवाबदेही एलजी ऑफिस ने भी तय नहीं की। एलजी की भूमिका तो वैसे भी पूरी तरह से भाजपा के एजेंट जैसी ही है। जो निर्देश मिलता है, उसी के हिसाब से वो चलते हैं।

अब बात आती है बीजेपी की। दिल्ली बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मयूर विहार के नाले में मां और बच्चे के डूबने के मामले को गंभीर बताया। उनका कहना है कि मामले की जांच होनी चाहिए। जिससे कि यह पता चल सके कि किन परिस्थितियों में मां और बच्चे नाले में गिर गए। जांच होना चाहिए, ताकि यह पता चल सके कि हादसे के लिए कौन सी एजेंसी जिम्मेदार है। हादसे के लिए जिम्मेदार अफसरों के खिलाफ कार्रवाई भी होनी चाहिए। आम आदमी पार्टी नेता असंवेदनशील बने हुए हैं। अब देखा जाए तो पूरी दिल्ली में उनके सांसद हैं। जनप्रतिनिधियों की अपनी कोई भूमिका नहीं? फिर, एलजी भाजपा के इशारे पर ही काम करते हैं, तो वे क्या कर रहे हैं? क्या उनकी भूमिका केवल केजरीवाल सरकार का परेशान करने तक की रह गई है? क्या वो राजनीति ही कर रहे हैं, या उनकी भी कोई जिम्मेदारी है?

सब राजनीति कर रहे हैं तो कांग्रेस क्यों चूके। कांग्रेस ने सीधे तौर पर तो इस हादसे को लेकर कुछ नहीं बोला। लेकिन दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार और दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार अपना मुख्य दायित्व निभाने की जगह जनता के खिलाफ नीतियों के तहत काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में राजधानी में मौजूदा सरकार ने रोड, सड़क नहीं बनाए हैं। कोई बिल्डिंग नहीं बनाई और जो इन्फ्रास्ट्रक्चर कांग्रेस की सरकार ने 15 वर्षों में खड़ा किया था उसकी देखभाल और रख-रखाव भी नही कर पाई, जिसके चलते पूरा का पूरा इन्फ्रास्ट्रक्चर धराशाही हो गया है। उन्होंने कहा कि एक सरकार अपने मुख्यमंत्री को बचाने में व्यस्त है और दूसरी ङ्कङ्क की केंद्र सरकार बड़ी-बड़ी बातें तो करती है, लेकिन हर मुद्दे पर अपनी जिम्मेदारी से भागती नजर आई है। दिल्ली वालों का सवाल यही है कि सरकारें कितने हादसों का इंतजार कर रही हैं? कब तक दिल्ली में लोग मरते रहेंगे? कब सरकारें और प्रशासन कुंभकरण की नींद से जागेंगे और एक्शन करेंगे? कब दिल्ली असल में राजधानी कहला पाएगी?

ये देश ही राजधानी का हाल है, तो बाकी हिस्सों का क्या होगा? देख रहे हैं। वायनाड की दुखद घटना पर भी राजनीति होने लगी। बयानबाजी के बजाय राहत कार्यों को और तेज किया जा सकता है। भविष्य के लिए ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। हिमाचल और उत्तराखंड के भी यही हाल हैं। जहां भारी बारिश हो रही है, वहां सरकारों की पोल खुल रही है। लगभग हर जगह भ्रष्टाचार के कारण सैकड़ों मौतें हो जाती हैं, हो रही हैं। और लाखों लोग सफर करते हैं। परेशानी झेलते हैं। ये एक-दूसरे पर कीचड़ उछालकर अपनी कमीज साफ दिखाने की कोशिश में लगे रहते हैं।

वैसे उनकी गलती नहीं है। आम आदमी जो सफर करता है, वही शायद इसके लिए जिम्मेदार है। हम ही तो उनकी बयानबाजी पर ताली बजाते हैं। हम ही तो उन्हीं को चुन रहे हैं, जो हमें ज्यादा मूर्ख बनाकर वोट ले जाते हैं। भुगतो। उन्हें राजनीति के लिए ही चुना गया है, वो कर रहे हैं।

सब कोटा सुप्रीम कोर्ट के फैसले से नया अंतरजातीय संघर्ष शुरू होगा..!

अजय बोकिल

आजादी के बाद 70 सालों से सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की लाभार्थी जातियों के भीतर से आवाज उठने लगी थी कि आरक्षण का फायदा भी समान रूप से सभी जातियों को नहीं मिल रहा है। लिहाजा इस लाभ का वितरण नए और न्यायसंगत तरीके किया जाए।

विस्तार

देश में एससी/ एसटी (अनुसूचित जाति/ जनजाति) वर्ग में भी उप श्रेणी यानी कोटे में कोटा को मंजूरी और इन दोनो आरक्षित श्रेणियों में भी ओबीसी की तर्ज पर क्रीमी लेयर तय करने के सुप्रीम के 6ञ्1 के बहुमत से दिए गए फैसले के दूरगामी राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक परिणाम होंगे। हालांकि कुछ लोगों ने इसे संविधान की मूल भावना के खिलाफ बताया है, लेकिन ज्यादातर हल्को में इस फैसले का स्वागत हुआ है, क्योंकि देश में आरक्षण की जो कहानी 1882 में विलियम हंटर और ज्योतिबा फुले ने शुरू की थी, करीब डेढ़ सौ साल बाद इसमें एक नया और निर्णायक मोड़ आ गया है।

आजादी के बाद 70 सालों से सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की लाभार्थी जातियों के भीतर से आवाज उठने लगी थी कि आरक्षण का फायदा भी समान रूप से सभी जातियों को नहीं मिल रहा है। लिहाजा इस लाभ का वितरण नए और न्यायसंगत तरीके किया जाए।

दूसरे शब्दों में कहें तो आरक्षण का लाभ उठाकर आर्थिक व सामाजिक बेहतरी हासिल करने वाला एक नए किस्म का 'ब्राह्मणवाद' इन जाति वर्गों में भी आकार लेने लगा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सामाजिक न्याय के इसी आलोक में देखा जाना चाहिए, क्योंकि आरक्षित वर्ग के भीतर ही हितों के इस टकराव को लंबे समय तक अनदेखा नहीं किया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद राज्य अपने यहां आरक्षित श्रेणियों में अधिक लाभान्वित और कम लाभान्वित जातियों का वर्गीकरण कर सकेंगे। हालांकि यह काम बहुत सावधानी और पारदर्शिता से करना होगा। इसके लिए सही आंकड़े जुटाने होंगे। केवल वोटों की गोलबंदी के बजाए आरक्षण के समान वितरण की समुचित प्रक्रिया अपनानी होगी।

इस फैसले का विरोध जिन हल्कों से हो रहा है अथवा होगा, वे मुख्यतः वो जातियां हैं, जिन्हें आरक्षण का तुलनात्मक रूप से ज्यादा लाभ मिला है। वे अपना एडवांटेज नहीं खोना चाहते। कई जगह तो यह लाभ अब पीढ़ीगत रूप में भी बदल गया है।

दरअसल 'ब्राह्मणवाद' का सबसे बड़ा दोष भी उसका जन्मगत होना ही है। पीढ़ी दर पीढ़ी आरक्षण ने भी इसी प्रवृत्ति को आरक्षित वर्ग में पनपाया है। आरक्षण की सुविधा 'जन्मसिद्ध अधिकार' में बदलने लगी है। हालांकि, इस मान्यता के विरोधी यह कमजोर तर्क जरूर देते हैं कि पैसे और पद भर से वो सामाजिक प्रतिष्ठा और समानता नहीं मिलती, जिसकी कि दलित और आदिवासियों को पहली दरकार है। मन से सामाजिक समता को स्वीकार करना और उसका आदर करना एक लंबी और दीर्घकालीन प्रक्रिया का हिस्सा है, जो जातिवाद की जो बुराई सैंकड़ों सालों में हिंदू समाज में गहरे तक घर कर गई है, उसका उच्चाटन होने में समय लगेगा। उसके लिए कानून के साथ-साथ समाज की मानसिकता बदलने की जरूरत है। धीरे- धीरे वह बदल भी रही है। लेकिन एक जातिविहीन अथवा समतामूलक समाज 'काल्पनिक आदर्श' स्थिति ज्यादा है।

इस बात का कोई ठोस पैमाना नहीं है कि वह कौन सी स्थिति होगी जिसे सौ फीसदी समता कहा जाएगा। क्योंकि सामाजिक समता के कई कारक है और 'समता' अपने आप में परिस्थिति, अवसर और संसाधन सापेक्ष शब्द है। दूसरे, तथाकथित ऊंची और नीची जातियों के बरक्स खुद आरक्षित जातियों के भीतर भी आंतरजातीय भेदभाव और छुआछूत कम नहीं है। इसे खत्म करना भी उतना ही जरूरी है।

आरक्षित जातियों में अवसरों का समान वितरण कैसे हो, इसके राजनीतिक प्रयास तो पहले से ही शुरू हो गए थे। मसलन दलितों में अति दलित अथवा महादलित, पिछड़ों में अति पिछड़ों को श्रेणियों में बांटकर उन्हें आरक्षण के लाभ देने की कोशिशें कुछ राज्यों ने पहले से शुरू कर दी थीं। लेकिन इसे सामाजिक न्याय के बजाए वोटों की गोलबंदी की पुनर्रचना के प्रयत्न के रूप में ज्यादा देखा गया। खासकर नीतीश कुमार ने बिहार में इसकी पहल तेजी की थी।

दुर्भाग्य से यह सच्चाई है कि आप किसी को कितना भी आरक्षण दें, लेकिन उसके वास्तविक लाभार्थी कुछ लोग अथवा जातियां ही होती हैं। अगर दलित या अनुसूचित जाति की ही बात करें तो देश में उनकी 16.6 फीसदी आबादी के आधार पर सरकारी नौकरियों में व शिक्षण संस्थानों में मोटे तौर पर 15 प्रतिशत और आदिवासियों को 8.6 प्रतिशत आबादी के हिसाब से 7.5 फीसदी आरक्षण दिया गया है।

अनुसूचित जाति वर्ग में यह आरक्षण कुल 1108 जातियों में बंटना होता है, लेकिन व्यवहार में वैसा होता नहीं है, क्योंकि सभी की सामाजिक-आर्थिक परिस्थिति व चेतना अलग- अलग है। यही कारण है कि जिन आरक्षित जातियों में अपने हितों और स्वाभिमान को लेकर ज्यादा चेतना है, वो आरक्षण का लाभ उतना ही ज्यादा उठा पाते हैं।

मोटे पर एससी श्रेणी में आरक्षण का फायदा करीब एक दर्जन जातियों ने ज्यादा उठाया है, जैसी कि जाटव, महार, मेहरा और अहिरवार आदि। लेकिन उन्हीं की एक हजार से आरक्षित बंधु जातियां इस मामले में बहुत पीछे छूट गई हैं।

अगर इस श्रेणी में सब कोटा होगा तो आरक्षण सुविधा का लाभ ज्यादा बेहतर और न्यायसंगत तरीके से वितरित हो सकता है। यही बात अनुसूचित जनजाति (आदिवासी) वर्ग के लिए भी लागू होती है। वहां भी 744 जनजातियां हैं, लेकिन रिजर्वेशन का लाभ मुख्य रूप से गोंड, भील, संथाल आदि आदिवासियों ने ही उठाया है। इसका एक प्रमुख कारण शिक्षा और जागरूकता का अभाव भी है।

काफी कुछ यही स्थिति अति पिछड़ा वर्ग में भी हैं, जहां 5013 जातियां हैं, लेकिन उन्हें मिले 27 फीसदी आरक्षण में से लाभान्वित होने वाली प्रमुख जातियां यादव, कुणबी, कुर्मी, कलार, सोनी आदि ही हैं। हालांकि ओबीसी में सुप्रीम कोर्ट ने क्रीमी लेयर की शर्त लगा रखी है। जिसके मुताबिक वर्तमान में 8 लाख रू. वार्षिक आय से ज्यादा वाले परिवार ओबीसी आरक्षण का लाभ नहीं ले सकते। जस्टिस रोहिणी आयोग ने भी अपनी रिपोर्ट में ओबीसी में सब कोटा बनाने की सिफारिश की है, जिस पर सरकार अभी तक खामोश है।

सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले में जिन चार जजो ने क्रीमी लेयर की शर्त को एससी/ एसटी में भी लागू करने का सुझाव दिया है, उनमें जस्टिस बी. आर. गवई भी शामिल हैं। इसके पीछे भाव यह है कि जिन लोगों को आरक्षण की वजह आर्थिक-सामाजिक उत्थान हो जाए, वो आरक्षित सीट अपने दूसरे समाज व जाति बंधुओंके लिए खाली करें। खास बात यह है कि जस्टिस गवई स्वयं अनुसूचित जाति से हैं और योग्यता के आधार पर सुप्रीम कोर्ट के जज बने हैं।

सुप्रीम कोर्ट और निर्णयः सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया मं बाबा साहब अंबेडकर के पोते प्रकाश अंबेडकर ने कहा कि यह संविधान की मूल भावना के विपरीत है, क्योंकि आरक्षण जातीय समानता के मूल भाव से दिया गया था न कि आरक्षित जातीयों में भी वर्गीकरण करने के उद्देश्य से। प्रकाश अंबेडकर ने यह भी कहा कि अगर सब कोटा बनाना ही है तो अनारक्षित (अगड़ी) जातियों में भी इसे लागू किया जाना चाहिए। लेकिन वो यह भूल गए कि मोदी सरकार ने अनारक्षित जातियों के लिए आर्थिक पिछड़ेपन के आधार पर शेष बचे 50 फीसदी में से 10 प्रतिशत आरक्षण दे दिया है। यह भी सब कोटा ही है।

यहां अनारक्षित और आरक्षित जातियों में अवसरों और प्रगति का बड़ा अंतर इसलिए दिखता है, क्योंकि अनारक्षित श्रेणी में जातियों की संख्या न्यूनतम यानी 46 ही हैं, जिसमे अल्पसंख्यक आबादी (ओबीसी को छोड़कर) भी शामिल है।

अनारक्षित 50 फीसदी कोटे का लाभ इन्हीं में वितरित होता है। लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि आरक्षित जातियो में से कोई भी अपना वर्ग छोड़कर इन अनारक्षित जातियों में शामिल नहीं होना चाहती। जबकि यहां अवसरों का वितरण बहुत कम जातियों में होता है। उल्टे जो जातियां अभी अनारक्षित हैं, वो भी आरक्षित श्रेणी में जाने के लिए लड़ रही है, जैसे कि महाराष्ट्र में मराठा जाति।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अमल होने में वक्त लगेगा। क्योंकि इसके लिए जरूरी डाटा इकट्ठा करना होगा। हो सकता है कि सरकार अगले साल होने वाली जनगणना में इसे भी शामिल कर ले। लेकिन उसके भी पहले नई राजनीतिक गोलबंदियां तेज होंगीं। एससी/ एसटी में आरक्षण का ज्यादा लाभ उठाने वाली जातियां इस फैसले का विरोध करेंगी तो अल्प लाभ पाने वाली जातियां इसके समर्थन में जुटेंगी। यानी आरक्षित वर्गो में एक नया संघर्ष शुरू होने की संभावना है, जो सामाजिक न्याय और अवसरो की समानता की कोख से ही पैदा होगा।

जाहिर है कि राजनीतिक दल इसका अपने ढंग से लाभ उठाएंगे। इस साल के अंत में महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनावों में यह बड़ा मुद्दा बन सकता है। हालांकि सरकार इस फैसले पर कैसे अमल करती है, करना चाहती भी है या नहीं, यह भी जल्द स्पष्ट होगा। बहरहाल देश सामाजिक न्याय और समानता की लड़ाई के एक नए दौर में प्रवेश करने वाला है, यह निर्विवाद है।

ऐसे 'प्रलय' को कैसे रोकें?

राकेश दुबे

केरल के वायनाड जिले में इन दिनों प्रलय से आसार हैं।प्रलय के बारे में पढ़ा और सुना है। देश के कुछ हिस्सों ने प्रलय को देखा और झेला है। 2013 में केदारनाथ धाम में जो सैलाब आया और तबाही हुई अथवा उत्तरकाशी में भूकंप के बाद जो बाढ़ आई, हमने उन्हें ही प्रलय माना। विनाश और बर्बादी का दूसरा नाम प्रलय है। अब केरल के वायनाड जिले में लगातार तीन भू-स्खलन आए और फिर सैलाब आया, गांव के गांव दफन हो गए, 400 से अधिक घर देखते ही देखते 'मलबा' हो गए, करीब 200 मौतें हो चुकी हैं और इतने ही लोग लापता बताए जा रहे हैं, यह प्रलय नहीं है,तो और क्या है?

यह कुदरती मार नहीं, मानव-निर्मित घटना है, क्योंकि आदमी अपनी ऐयाशी के लिए पहाड़ों को तोड़ रहा है। पहाड़ों की चोटियों पर भी इमारतें बनाई जा रही हैं। केरल में सेना और एनडीआरएफ के जवान वहाँ के नागरिकों को 'देवदूत' लगे, जिन्होंने मलबे में से निकाल कर असंख्य जिंदगियां बचाईं। हालांकि केरल की भौगोलिक स्थिति परंपरागत पहाड़ों से भिन्न है, लेकिन देश भर के 80-85 फीसदी भू-स्खलन केरल में ही आते हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के मुताबिक, 2015 से 2022 तक 3782 भू-स्खलन आए। उनमें से करीब 60 प्रतिशत केरल में ही आए। मौजूदा हालात पर विशेषज्ञों का मानना है कि अरब सागर का तापमान बढने् से बेहद घने बादल बने और उसी से केरल में कम समय में बहुत ज्यादा बारिश हुई। वायनाड पहाड़ी जिला है और पश्चिमी घाट का हिस्सा है। यहां 2100 मीटर तक ऊंचे पहाड़ हैं। मानसून में ये पहाड़ भू-स्खलन के लिए बेहद संवेदनशील हैं।

जहां यह त्रासद घटना हुई है, वहां दो सप्ताह से बारिश हो रही थी, लिहाजा पहाड़ की मिट्टी गीली और ढीली हो चुकी थी। इसलिए एक ही रात में लगातार 3 भू-स्खलन आए। जमीन खिसक गई। घर हिलने लगे। पहाड़ दरक कर गिरने लगे। सडक् और पुल ताश के पत्तों की तरह बिखरने और ढहने लगे। जलवायु-परिवर्तन ने भी बारिश की स्थिति और भू-स्खलन की तीव्रता को बढ़ाया है। एक शोध में कहा गया है कि जो वायनाड साल भर बूंदाबांदी और मानसून की बारिश वाला ठंडा, नम वातावरण वाला इलाका होता था, जलवायु-परिवर्तन के कारण अब सूखा, गर्म, लेकिन मानसून के दौरान भारी, तीव्र बारिश वाला क्षेत्र बन गया है। इस बदलाव से भू-स्खलन का जोखिम बढ़ा है।

2018 के मानसून में भी खूब बारिश हुई थी, तब करीब 400 लोगों की जान चली गई थी। उसके बाद केरल में भू-स्खलन वाला क्षेत्र बढ़ गया है। इस हादसे, संकट या घटना पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में बयान दिया है कि उन्होंने 23, 24, 25 जुलाई को केरल सरकार को चेतावनी भेजी थी। फिर 26 जुलाई को भू-स्खलन, भारी बारिश की चेतावनी देते हुए आशंका व्यक्त की थी कि कई जानें भी जा सकती हैं। केरल के मुख्यमंत्री विजयन ने ऐसी चेतावनियों से इंकार किया है। उनका कहना है कि रेड अलर्ट तब जारी किया गया, जब सैलाब आ चुका था। बहरहाल ऐसे आरोप-प्रत्यारोप से बचना चाहिए। देश में हर राज्य में, हर क्षेत्र में विकास होना चाहिए, लेकिन ऐसी घटनाओं से सबक भी सीखना चाहिए। विकास-कार्य जापान और ताइवान सरीखे देशों में भी हो रहे हैं। वहां भी पहाड़ काटे जा रहे हैं, लेकिन ऐसे हादसों से बचने के बंदोबस्त भी किए जा रहे हैं। वे दीवार पुश्ता लगाना हो अथवा पेड़-पौधों का रोपण या कुछ और बंदोबस्त करना हो, जापान इसमें अग्रणी रहा है। वहां के पहाड़ों को स्थिर बनाए रखने के लिए विशेष तरह की जालियां तक लगाई गई हैं।

देश के उत्तराखंड राज्य में टिहरी बांध में ढलानों की कटाई के बाद बेहतर सुरक्षा उपाय किए गए हैं। ताइवान ने पहाड़ पर दबावमापी यंत्र लगाकर एक भिन्न प्रयोग किया है। इससे यथासमय पता चल जाता है कि पहाड़ पर कितना दबाव है और वह लोगों को पहाड़ के दरकने को लेकर आगाह कर देता है। भारत में हर सरकार और नागरिक विकास चाहते हैं। उसके लिए जो निर्माण-कार्य किए जाते हैं, वे बेलगाम और अनियोजित है । खनन तक धड़ल्ले से कराया जाता है। पहाड़ को काटते-तोड़ते रहेंगे, तो ऐसे 'प्रलय' कैसे रोके जा सकते हैं? इस पर सोचना चाहिए। देश के अन्य हिस्सों से भी बरसाती कहर के समाचार आ रहे हैं।

बिहार हर वर्ष बाढ़ के कहर से सहम जाता है। वहां पर हर वर्ष बड़ी तादाद में जान और माल का नुकसान होता है। इस कहर से बिहार को बचाने के लिए इस वर्ष के बजट में विशेष आर्थिक सहायता दी गई है। अन्य राज्यों को भी उदारता के साथ विशेष आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए। खासकर हिमाचल पिछले वर्ष भी बुरी तरह प्रभावित हुआ था, और इस वर्ष भी बरसात का कहर उसने देखा है। उसे केंद्रीय मदद की सख्त जरूरत है।

जन्म दिन विशेषः राजेन्द्र शुक्ल यानि कि विजन ,मिशन और एक्शन !

जयराम शुक्ल

सपने देखना और उसे यथार्थ के धरातल पर उतारकर मूर्त रूप देना, राजनीति में यह दुर्लभ गुण और पुरुषार्थ किसी में देखना है तो राजेन्द्र शुक्ल के अतिरिक्त विरले ही राजनेता ढूंढे मिलेंगे। एक युवावय विधायक से उप मुख्यमंत्री पद तक की यात्रा के पीछे यदि सबसे महत्वपूर्ण कारक है तो मेरी समझ में यही है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भाजपा में जिस धैर्य, विनम्रता और सर्व समावेशी, सर्वस्पर्शी दृष्टि की अपेक्षा की जाती है श्री शुक्ल इस कसौटी पर खरे उतरते हैं। एक बार की घटना का मुझे ध्यान है। मध्यप्रदेश भवन में कैलाश विजयवर्गीय(तब भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष) अपने मित्रों से राजेन्द्र जी का परिचय दे रहे थे कि ये 'लो प्रोफाइल' में रहने वाले मध्यप्रदेश के बड़े कद के नेता हैं, मुझसे भी बड़े। यह विजयवर्गीय जी का बड़प्पन और स्नेह था, वे जो कह रहे थे उसका भाव कदाचित 'चने के झाड़' में चढ़ाने वाला नहीं था।

2013 के विधानसभा चुनाव हुए तब राजेन्द्र शुक्ल प्रदेश के ऊर्जा मंत्री थे। तब एक बड़ा मुद्दा था बिजली का। स्थिति कुछ ऐसी थी कि सरकार और संगठन की बैठकों में सिर्फ एक बात उठती ङ्क यदि हम चौबीसों घंटे बिजली नहीं दे पाए तो क्षेत्र में जाकर वोट मांगना मुश्किल होगा। हम लोगों ने बिजली को लेकर कांग्रेस का बहुत मजाक बनाया है यदि व्यवस्था ठीक न हुई तो हम सब मजाक बन जाएंगे।

मध्यप्रदेश में बिजली की व्यवस्था को दुरुस्त करने की चुनौती ऊर्जा मंत्री के तौरपर राजेन्द्र शुक्ल को मिली। चौबीस घंटे बिजली देने की योजना पर काम हुआ और इस मिशन का नाम दिया गया 'अटल ज्योति योजना'। उन दिनों मध्यप्रदेश में निजी बिजली घरों में काम चल रहे थे और सरकारी क्षेत्र के बिजली घरों की उत्पादन क्षमता सीमित थी। बिजली का कैसे प्रबंध हुआ यह राजेन्द्र शुक्ल और उनके ऊर्जा विशेषज्ञों की टीम जाने लेकिन मध्यप्रदेश के लोगों ने रोशनी का मोल जाना। सिंचाई के लिए खेतों में पंप निर्बाध गति से हरहराते रहे। बच्चों की पढ़ाई में बिजली बाधा नहीं बनी, गर्मी और उमस रात की नींद हराम न कर सकी।

2013 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के पीछे 'लाड़ली लक्ष्मी' की कृपा तो रही ही लेकिन शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में 'अटल ज्योति योजना' ने पंख लगा दिए। इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने ऊर्जा मंत्री के तौर पर राजेन्द्र शुक्ल को दिल्ली बुलाकर सम्मानित किया। और मीडिया के मित्रों को सिहोर के शेरपुर का वह किसान सम्मेलन भी ध्यान में होगा जब प्रधानमंत्री ने ऊर्जा क्षेत्र में मध्यप्रदेश की उपलब्धियों का बखान करते हुए कहा था कि आज हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि ऊर्जा प्रबंधन के मामले में मध्यप्रदेश गुजरात से आगे निकल गया। विनय की प्रतिमूर्ति राजेन्द्र जी ने इसका श्रेय मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान और ऊर्जा विभाग की कर्मठ टीम को दिया।

मुझे ध्यान है, एक बार देश के मंत्रियों के प्रतिनिधिमंडल में राजेन्द्र शुक्ल जर्मनी गए। डेस्टिनेशन में यूरोप के की अन्य देश भी थे। लौटने पर मैंने उनसे यूरोप यात्रा के संस्मरण और अनुभव जानने चाहे। मुझे उम्मीद थी कि वे स्विट्जरलैंड, फिनलैंड की आबोहवा, पेरिस के एफिल टावर या जर्मनी के बर्लिन की साफ-सुथरी सड़कों, अल्पस पर्वत के सैर-सपाटे पर कुछ दिलचस्प बताएंगे। पर ये क्या..? उन्होंने बिना वक्त गंवाए कहा- शुक्ला जी कमाल है इडिनबर्ग में बिजली की खेती होती है। बिजली की खेती..! लोग अपने घर की छतों में सोलर पैनल से बिजली पैदा करते हैं, जरूरत के अलावा उसे सरकार को बेंच देते हैं। उन्होंने मुझे नेट मीटरिंग के बारे में समझाते हुए कहां ङ्क विश्व का भविष्य अब सौर ऊर्जा पर ही है इसी दिशा में आगे बढ़ना होगा। दो महीने बाद पता चला कि रीवा के उजाड़ बदवार पहाड़ की पंद्रह सौ हेक्टेयर भूमि पर सौर ऊर्जा संयंत्र की तैयारी चल रही है। एक उपक्रम गठित हुआ रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर प्रोजेक्ट। और दो साल के भीतर जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसका वर्चुअल लोकार्पण किया तो हमने जाना कि यह विश्व के सबसे बड़े सोलर एनर्जी काम्प्लेक्स में से एक है। यहां साढ़े सात सौ मेगावाट बिजली पैदा होती है जो ग्रिड से होते हुए दिल्ली के मेट्रो तक पहुंचती है। रीवा अल्ट्रा मेगा की उत्पादित बिजली का टैरिफ विश्व में सबसे कम है, शायद डेढ़ रुपए की एक यूनिट। इसकी प्रोजेक्ट को लेकर एकबार पाकिस्तान की संसद में बहस हुई कि क्या भारत के रीवा में सूरज ज्यादा रोशनी देता है कि वे सस्ती बिजली बना रहे हैं और हम अबतक इसके बारे में सोच भी नहीं पाए।

राजेन्द्र शुक्ल ने समय समय पर वन, पर्यावरण, आवास, उद्योग, खनिज, जनसंपर्क जैसे मंत्रालयों का दायित्व संभाला। जब जिस विभाग में रहे कर्मचारियों, अधिकारियों ने उसे स्वर्णकाल माना। एक जानकारी लोगों को शायद कम ही है। 2008 में ये वन मंत्री बने। तब पन्ना टाइगर रिजर्व बाघ विहीन हो चुका था। उन्होंने अधिकारियों से पूछा पन्ना को बाघों से कैसे आबाद किया जाए। और फिर उन्होंने नेशनल टाइगर कंजर्वेशन के समक्ष खुद की साख को दांव पर लगाते हुए कैप्टिव टाइगर्स को वाइल्ड बनाने की मंजूरी ली। पन्ना आज फिर बाघों से आबाद है। कैप्टिव को वाइल्ड बनाने की यह घटना विश्वभर के वन्य प्रेमियों के लिए विलक्षण है क्योंकि ऐसा पहली बार हुआ था। सफेद बाघ रीवा की पहचान रहा। 1976 में गोविंदगढ़ का आखिरी सफेद बाघ भी नहीं रहा। हम सब रीवा में सफेद बाघ का ख्याली पुलाव ही पकाते रहें। वन मंत्री रहते हुए विन्ध्य में एक बार फिर सफेद बाघ लाने की पहल की। आज मुकुन्दपुर के ह्वाइट टाइगर सफारी का नाम दुनिया में है। राजेन्द्र जी ने जिन विभागों की कमान संभाली वहां अपनी छाप छोड़ी, नवाचार किए और इतिहास रचा। पत्रकारों को जितना मान-सम्मान राजेन्द्र शुक्ल के जनसंपर्क मंत्रित्व काल में मिला उतना शायद कभी नहीं। सम्मान/अलंकरण समारोह आयोजित कर पांच साल सात से लंबित पुरस्कार दिए गए। पत्रकारों व उनके परिजनों हेतु मेडिकल इन्शोरेन्स योजना लागू की गई।

2018 का चुनाव भाजपा के लिए संघातिक रहा। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बन गई। यह धैर्य और कार्यकर्ताओं को जोड़े रखने का समय था। पूरे प्रदेश में सिर्फ विन्ध्य ही ऐसा था जो भाजपा संगठन की रीढ़ बनकर तना रहा। 30 में से 24 सीटें भाजपा के खाते में आईं। स्वाभाविक तौर पर यहां के नेता राजेंद्र शुक्ल थे। उनके प्रभार के जिलों सिंगरौली, शहडोल व गृह जिले रीवा में भाजपा ने क्लीन स्वीप किया, मतलब कांग्रेस शून्य। दो साल बाद कांग्रेस की सरकार गिरी। शिवराज सिंह के नेतृत्व में भाजपा की सरकार गठित हुई। देशभर के राजनीतिक प्रेक्षक हैरत में रह गए कि राजेन्द्र शुक्ल को मंत्रिमंडल में नहीं लिया गया। यहां तक कि विपक्ष भी हतप्रभ सा रहा। राजेन्द्र शुक्ल अपनी चिर-परिचित विनम्रता के साथ रहे आए। पत्रकार जब पूछते तो उनका जवाब होता ङ्क बहुत रह लिया मंत्री, जिनकी वजह से सरकार बनी उनका मंत्री बनना ज्यादा जरूरी है। उल्टा पूछते ङ्क क्या विधायक की हैसियत किसी मंत्री से कम होती है? बहरहाल मीडिया और राजनीतिक लोगों को पता था कि ऐसा क्यों हुआ..? इस दुरभिसंधि के किरदार कौन लोग थे? खैर राजेन्द्र शुक्ल को कोई फर्क नहीं पड़ा और रीवा के लोगों को यह अहसास तक न हुआ कि वे मंत्री नहीं हैं।

2023 के चुनाव में भाजपा को मिली प्रचंड सफलता के पीछे भी विन्ध्यविजय है। पिछली बार से एक सीट ज्यादा 25 सीटों पर परचम लहरा। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को विन्ध्य के राजेन्द्र शुक्ल की महत्ता समझ आई। इस समझ के पीछे वे दो साल महत्वपूर्ण है जिन्हें राजेन्द्र जी ने धैर्यपूर्वक बिताए। जब मुख्यमंत्री पद पर मोहन यादव के साथ उप मुख्यमंत्री पद के लिए राजेन्द्र शुक्ल का नाम घोषित हुआ तो प्रदेश के लोगों को आश्चर्य नहीं हुआ, लगभग हर जुबान से यही निकला कि श्री शुक्ल 'डिजर्व' करते हैं। राजेन्द्र शुक्ल आज प्रदेश के स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा मंत्री हैं। यह उत्कट सेवा का क्षेत्र है। छह महीने के भीतर ही 'स्वस्थ्य प्रदेश स्वस्थ जन' का रोड मैप तैयार हो गया। 40000 से ज्यादा रिक्तियों पर भर्ती आरंभ। पंचायत स्तर तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचे इसके जतन शुरू। हर जिले में मेडिकल कालेज खुले युद्धस्तर पर काम सामने। राजेन्द्र शुक्ल 100 प्रतिशत परिणाम देने के लिए जूझते हैं, इसलिए आज उन्हें विजन, मिशन और एक्शन का पर्याय कहा जाता है। राजेन्द्र जी की कर्मठता को भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने एक नजर में ही भांप लिया था। भाजपा के पितृ पुरुष कुशाभाऊ ठाकरे की एक्सरे वाली नजर इनपर पड़ी और पितृवत स्नेह व दुलार के साथ भाजपा में ले आए और 1998 में कांग्रेस के किले रीवा के रणांगन में उतार दिया। पहला चुनाव हारने के बाद उससे सबक लेकर 2004 से जो शुरूआत की वह निरंतर, निर्बाध जारी है। मध्यप्रदेश में कई यशस्वी नेता हुए जिन्हें एक दूसरे की लकीर मिटाने के लिए भी जाना जाता है लेकिन राजेन्द्र शुक्ल इस राजनीति में बिल्कुल नासमझ हैं। न वे कोई लकीर मिटाते न खींचते बल्कि सपनों को यथार्थ के धरातल पर उतारने में यकीन करते हैं। उदाहरण सामने है- रीवा का हवाई अड्डा, सुपर स्पेशियलिटी, टाईगर सफारी, सोलर पार्क, फ्लाईओवर्स, विश्वस्तरीय टनल, पत्रकारिता का विश्वविद्यालय, स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स, कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम, इको पार्क और भी बहुत कुछ जो रीवा शहर को महानगर के कायांतरण के लिए अनिवार्य है। आधिकारिक तौर पर 3 अगस्त उनका जन्मदिन है..हम सबकी शुभेक्षा उनके यशस्वी जीवन के साथ है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

लूट की रिपोर्ट करने वाला ही लुटेरा निकला, 26 लाख रुपए बरामद

इंदौर। लसूड़िया इलाके के शुक्रवार दोपहर हुई 35 लाख की लूट का खुलासा कर दिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जिसने लूटे जाने की शिकायत की ये उसी का षड्यंत्र निकला। पुलिस की पूछताछ में उसने कबूल लिया। पुलिस को शुरू से ही इस बात की शंका थी लूट की ये घटना संदिग्ध है।

इस तरह पुलिस ने 24 घंटे से भी कम समय में सड़क ठेकेदार रणवीर सिंह के ?35 लाख की लूट के मामले को सुलझा लिया। लूट की रिपोर्ट करने वाला ही वास्तव में लुट कांड का मास्टर माइंड निकला। आरोपी से लूटी गई राशि में से 26 लाख रुपए बरामद कर लिए गए है। जल्द ही पुलिस इस मामले का पूरा खुलासा कर बाकी राशि भी जब्त कर लेगी।

लसूडिया थाने के अंतर्गत स्कीम नंबर 78 में स्थित कंस्ट्रक्शन कंपनी के कर्मचारियों के साथ 35 लाख की लूट को पुलिस ने इस तरह सुलझा लिया है। कुछ आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं और लूटी गई रकम में से लगभग 26 लाख रुपए भी बरामद किए जा चुके हैं। पुलिस अब भी बाकी आरोपियों और शेष रकम की तलाश में जुटी है।

विधायक मैहर चतुर्वेदी ने उप-मुख्यमंत्री शुक्ल का व्यक्त किया आभार

विधायक मैहर श्री श्रीकांत चतुर्वेदी ने मैहर सिविल अस्पताल की क्षमता 160 बेड से उन्नयन कर 300 बेड करने पर उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने दूरभाष पर उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल से चर्चा की और मैहर की जनता की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल सदैव विंध्य के विकास के प्रति समर्पित रहे हैं। उन्होंने कहा है कि श्री शुक्ल के मार्गदर्शन और नेतृत्व में विंध्य विकास के नये सोपान प्राप्त करेगा। उल्लेखनीय है कि ज़िला चिकित्सालय मैहर का 34 करोड़ 63 लाख रुपये की लागत से उन्नयन किया जायेगा।

जिला कलेक्टर के अफ़सरान को सख्त आदेश, जल भराव की स्थिति में आम जन से सतर्क रहने की अपील

औबेदुल्लागंज संवाददाता -कलियासोत डैम के गेट खोले जाने से मंडीदीप क्षेत्र में नदी के तटीय क्षेत्र में जलभराव की संभावना के दृष्टिगत की जा रही तैयारियों का कलेक्टर अरविंद दुबे द्वारा अवलोकन किया गया। उन्होंने मंडीदीप में कलियासोत नदी के छठ पूजा घाट का निरीक्षण कर किया। कलेक्टर दुबे ने आपात स्थिति उत्पन्न होने पर प्रभावितों के लिए बस स्टैंड परिसर तथा सतलापुर स्थित हाई स्कूल में बनाए गए राहत कैम्प निरीक्षण कर एसडीएम तथा सीएमओ मंडीदीप, औबेदुल्लागंज को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कलेक्टर ने दूरभाष मे सुनी समस्या कहाँ 7 दिन मे करें निराकरण

सांध्य प्रकाश (शहडोल) - कमिश्नर शहडोल संभाग श्री बीएस जामोद के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में जनमानस की समस्याओं और शिकायतों के त्वरित निराकरण के उदेश्य से कलेक्टर शहडोल श्री तरूण भटनागर की पहल पर फोनइन कार्यक्रम शहडोल जिले में जिला प्रशासन द्वारा प्रारम्भ किया गया है। फोनइन कार्यक्रम में कलेक्टर श्री तरूण भटनागर दूरभाष पर प्रत्येक शुक्रवार को दोपहर 03 बजे से 05 बजे तक शहडोल जिले के दूर-दराज के लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनकर उनकी समस्याए और शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करा रहे हैं। फोन इन कार्यक्रम में आज शहडोल जिले के दूर-दराज के लोगों ने कलेक्टर को अपनी समस्याएं बताई। जिस पर कलेक्टर ने लोगो की समस्याए और शिकयतों को अति गंभीरता के साथ सुना और समस्याओं के निराकरण करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को 7 दिवस के अंदर निराकरण की स्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि आमजन प्रत्येक शुक्रवार को दोपहर 3 बजे से सांय 5 बजे तक दूरभाष क्रमांक 07652-241700 पर कलेक्टर शहडोल से सीधा संवाद कर अपनी शिकायतों से अवगत करा सकेंगे।

छतरपुर नगर में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित

छतरपुर। जिला मजिस्ट्रेट संदीप जी.आर. ने भीषण सड़क दुर्घटनाओं को रोकने एवं स्कूली बच्चों के स्कूल आने जाने के समय को विशेष रूप से ध्यान में रखते हुए छतरपुर नगर में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया है। जिला मजिस्ट्रेट ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 152 के तहत छतरपुर नगर में प्रातः 6 बजे से 9 बजे तक और दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

सरकारी जमीन का चल रहा खेल

किसे फायदा पहुंचाने अलाटमेंट के इतर दूसरी जगह बना दी आंगनबाड़ी

दमोह - नगर पालिका दमोह हमेशा अपनी विचित्र कार्यों के लिए जानी जाती है इसलिए नगर पालिका दमोह को अजब गजब नगर पालिका भी कहा जाता है महिला एवं बाल विकास विभाग, नजूल विभाग, नगर पालिका दमोह द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र बनाया जा रहा है परंतु कलेक्टर के आदेश मे आंगनबाड़ी केंद्र जिस जगह पर स्वीकृत हुआ है वह शीट नंबर 44, 45, 46, 47, 58 से 60 प्लाट नंबर 3892 /2 से 2000 वर्ग फुट जमीन बजरिया वार्ड नंबर 7 की आंगनवाड़ी बनाने का आदेश जारी हुआ है तो इसी तरह नजूल विभाग ने कलेक्टर के आदेश पर शीट नंबर 44, 45, 46, 47, 58 से 60 प्लाट नंबर 3892 /2 से 2000 वर्ग फुट जमीन बजरिया वार्ड नंबर 5 को भी आंगनबाड़ी बनाने के लिए स्वीकृत कर दी गई हो और जब आंगनबाड़ी निर्माण कार्य एक ही जैसे प्लाट नंबर सीट नंबर पर हो लेकिन दोनो वार्ड का नाम अलग-अलग एक वार्ड का नाम बजरिया वार्ड नंबर 5 तो वही दूसरे वार्ड का नाम बजरिया वार्ड नंबर 7 जिसका आंगनबाड़ी केंद्र एक ही प्लॉट नंबर एक ही सीट नंबर नजूल भूमि पर केवल कागजी रिकार्ड कार्रवाई में बन रही है लेकिन जो आंगनवाड़ी बजरिया वार्ड नंबर 7 मैं स्वीकृत हुई थी उसे स्थान पर नहीं बन रही है और जहां बन रही है वह स्थान किसी का निजी प्लांट है जिसके जमीन मालिक के द्वारा कई दफा आवेदन भी दिया जा चुका है बजरिया वार्ड नंबर 7 में स्वीकृत स्थान से अलग एक निजी प्लाट पर आंगनबाड़ी का निर्माण कार्य जारी है जबकि श्रीमान कलेक्टर महोदय को स्वयं आवेदन के माध्यम से जानकारी पहले ही मिल चुकी हो और निर्माण कार्य जारी रहे इससे यह स्पष्ट नजर आ रहा है कि कलेक्टर स्वयं भ्रष्टाचार कराने में सहयोग कर रहे हैं और आम जनता को न्याय के नाम पर सिर्फ जांच करवाते हैं जांच करवाते हैं का जवाब देते हैं और जांच होती नहीं है और आंगनबाड़ी केंद्र बनकर तैयार होने को है जबकि जिस प्लॉट नंबर शीट नंबर पर कलेक्टर की स्वयं टिप लगी हो और शीट नंबर 44 45 46 47 58 से 60 प्लाट नंबर 3892 /2 से 2000 वर्ग फुट जमीन पर आंगनवाड़ी निर्माण कार्य का कलेक्टर ने स्वयं लिखित आदेश जारी किया है ओर राजस्व निरीक्षक नजूल अधिकारी से प्रतिवेदन मांगा हो जिसका कब्जा सोपकर आंगनबाड़ी निर्माण कार्य हो सके लेकिन ऐसा न होकर कलेक्टर साहब के 05/04/2024 आदेश के इतर महिला बाल विकास विभाग की निर्माण एजेंसी नगर पालिका परिषद दमोह के इंजीनियर प्रांजल राय द्वारा निर्माण कार्य स्वीकृत स्थान से कही ओर कर दिया गया है प्रशासन का पैसा दुरुपयोग किया गया।

जब कि दो आंगनबाड़ी केंद्रो के निर्माण

बजरिया वार्ड नंबर 5 मे बन चुकी है बजरिया वार्ड नंबर 7 के आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण कार्य के लिए भी कलेक्टर की स्वयं टिप लगी हो और शीट नंबर 44 45 46 47 58 से 60 प्लाट नंबर 3892 /2 से दोनो को 2000 वर्ग फुट जमीन आगनवाड़ी केंद्र निर्माण को आबंटित की थी।

इसकी शिकायत जनसुनवाई मे आवेदन पत्र के माध्यम से की गई है मजे की बात यह है की एक तरफ कलेक्टर साहब जांच कराने की बात कह रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर बजरिया वार्ड नंबर 7 का आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत जमीन से कही और निर्माण कार्य जारी है नियम विरुद्ध निर्माण कराने वाले तहसीलदार मोहित जैन,आर आई, सुरेश खटीक,आर आई अभिषेक जैन ओर निर्माण एजेंसी नगर पालिका परिषद विभाग के इंजीनियर प्रांजल राय की जांच कराकर कार्रवाई करें कलेक्टर साहब दमोह क्योंकि इसमें आपके आदेश की अवहेलना हुई है

जीवनदायिनी मां नर्मदा को रेत ठेकेदारों ने बनाया कमाई का अड्डा

मण्डला/अजीत पटेल-- जीवनदायिनी मां नर्मदा जी को बनाया गया है कमाई का अड्डा,रेत व्यापारियों का लक्ष्य सिर्फ और सिर्फ मां नर्मदा को व्यापार हेतू रखा गया है।

मेसर्स वंशिका कंस्ट्रक्शन द्वारा ग्राम खैरी में खसरा नंबर 6/6 कुल रकबा 2.270 हैक्टेयर तहसील मण्डला जिला मण्डला (म.प्र.) अवधि 03 वर्ष भण्डारण अनुज्ञप्ति आदेश क्रमांक/खनिज अवधि-02/2024/665 मण्डला दिनांक-39/05/2024 बावजूद इसके आज भी उक्त स्थान से भी अधिक दर्जनों एकड़ भूमि पर मेसर्स वंशिका कंस्ट्रक्शन द्वारा हजारों ट्रक-डम्फर रेत का भण्डारण जो क्षमता से अधिक है अवैध रूप से भण्डारित है जिसे अधिक दामों पर जिले के ठेकेदार और शासकीय विभागों में चल रहे निर्माण कार्यों में खुलेआम धड़ल्ले से रायल्टी के नाम पर बेचा जा रहा है।

सरकार ने दिया तत्काल में विकास कार्यों हेतु बजट: केन्द्र एवं राज्य में बैठी सरकार द्वारा वर्षों से रुके कार्यों तथा नवनिर्माण कार्यों के लिए करोड़ों का वजट आवंटित किया गया है, जिनमें रात-दिन रेत की आवश्यकता है,जिस पर अन्य राज्यों और जिलों से आए ठेकेदारों ने एक-दो खदानों के नाम पर जीवनदायिनी मां नर्मदा के एक छोर से दूसरे छोर तक लाखों ट्रक-डम्फर के माप पर दिन-रात रेत अवैध खनन कर जगह-जगह एक जिले से दूसरे जिलों तक मण्डला,खैरी, नरसिंहपुर, कजरवाडा, बरेला मेसर्स वंशिका कंस्ट्रक्शन द्वारा रेत का भण्डारण क्षमता से अधिक रुप में किया गया है और जब भारी बारिश में निर्माण कार्य हेतु रेत का आकाल मचा है तब दुगुना -चौगुना दामों तथा जाली रायल्टी बनाकर अवैध रूप से रैत का व्यापार किया जा रहा है। नतीजा निर्माण कार्य कर रहे ठेकेदार निर्माण सामग्री मैं लग रहे अवैध व्यय की पूर्ती करने हेतु निर्माण कार्य की गुणवत्ता में लापरवाही कर रहे हैं और आये तत्कालीन निर्माण कार्य जर्जर हो रहे हैं जिन्हें भ्रष्टाचार का नाम दिया जा रहा है जबकि मुख्य भ्रष्टाचारी तो अवैध रूप से खनन कर समय समाप्ति के बावजूद भी शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर तादाद एवं क्षमता से अधिक रेत का भण्डारण किया जा रहा है।

इनका कहना है

रेत भण्डारण को लेकर की गई शिकायत के आधार पर भण्डारणकर्ता पर तत्काल कार्यवाही कर भण्डारण की नाप कराई जाएगी तथा समयावधि की जांच कराई जाएगी।

जिला खनिज अधिकारी मण्डला।

राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि व समाजसेवी बता लोगों को सबी खान (बंटी) कर रहे ब्लैकमेल - शोएब

सांध्य प्रकाश (शहडोल)। कांग्रेस कमेटी के आई.टी. सेल के प्रदेश सचिव शोएब अंसारी ने पूर्व राज्यसभा सांसद के प्रतिनिधि सबी खान उर्फ बंटी को आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति बताते हुए जिला कलेक्टर शहडोल को शिकायत की है उन्होंने बताया कि इनकी सट्टा और कबाड़ के अवैध कारोबार में संलिप्तता है। सबी खान बंटी को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा पार्टी से निष्कासित किया जा चुका है। उसके बावजूद कांग्रेस नेता बताकर सबी खान उर्फ बंटी द्वारा लोगों की फर्जी शिकायत कर उन्हें ब्लैकमेल किया जाता है और पैसों की मांग की जाती है,यही नहीं पीड़ित व्यक्तियों से शिकायत बंद कराने एवं शिकायत न करने के एवज में रूपयों की मांग भी की जाती है। उन्होंने बताया की सबी खान बंटी के ऊपर सट्टा एक्ट एवं अन्य अपराध के तहत थाना कोतवाली में अपराध भी पंजीबद्ध हो चुका है। अपने आप को कांग्रेस सांसद (राज्यसभा) प्रतिनिधि बताने वाले सबी खान बंटी कांग्रेस सहित अपनी कौम को भी अपनी हरकतों से बदनाम कर रहे हैं।

समाजसेवी बनकर करते है शिकायत फिर ब्लैकमेल :-

प्रदेश सचिव ने बताया कि सबी खान उर्फ बंटी समाजसेवी के नाम पर लोगों को ब्लैकमेल करने और परेशान करने की नीयत से झूठी शिकायते करना इनका पेशा है। सट्टे का करोबार भी अत्यंत गोपनीय तरीके से इनके द्वारा किया जा रहा है साथ ही सोहागपुर स्थित नुरूल हसन उर्फ गुड्डू कबाड़ी के कारोबार में अपनी हिस्सेदारी बताने वाले सबी खान गुड्डू कबाड़ी के साथ मिलकर अवैध कबाड़ का करोबार इन दिनों जोरों पर कर रहे हैं, थाना पुलिस सबको सबी खान मैनेज करता है इसलिए इसके ठीहे पर किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं होती, जिले के सभी कबाड़ियों पर कार्यवाही हो सकती है पर हमारे ऊपर नहीं क्योंकि सबी खान बंटी अपने साथ है और वही हमारा सब मैनेजमेंट देखते हैं, जिसको जो करना है कर ले हमारा कुछ नहीं होने वाला है ऐसी मंशा रखने वाले हैं गुड्डू। अपने अनैतिक कार्यों से सबी खान, कांग्रेस पार्टी सहित अपनी कौम को बदनाम कर रहा है।

राष्ट्र जागरण धर्म हमारा - जगदीश मित्तल

गंज बासौदा। राष्ट्रीय कवि संगम मध्य भारत प्रांत का प्रांतीय अधिवेशन एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश मित्तल बाबूजी का अमृत महोत्सव एवं दस्तक काव्य पाठ कार्यक्रम नगर में आयोजित किया गया

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय कवि संगम के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश मित्तल जी ने संबोधित करते हुए कहा कि कवि सदैव से समाज को दिशा देने का काम करता रहा है यह समय समाज एवं राष्ट्र को सकारात्मक के साथ जागृत करते हुए रचना धर्मिता को बढ़ाने का है। हमारी कविता से समाज का उत्थान हो और राष्ट्र को देश विरोधी ताकतों और और समाज में विघटनकारी शक्तियों से बचाते हुए राष्ट्र जागरण धर्म हमारा की मूल भावना के साथ लेखन काम करना होगा।

कार्यक्रम में उपस्थित राष्ट्रीय कवि संगम के राष्ट्रीय मंत्री एवं मध्य भारत प्रांत के प्रभारी सुमित ओरछा ने कहा कि हमको राम जी के आदर्श को अपने जीवन में अपना होगा।

हमको राष्ट्रीय भाषा के साथ जुड़कर रचना धर्मिता को श्रेष्ठ बनाना है। राष्ट्रीय कवि संगम के प्रांत अध्यक्ष आशीष दुबे ने बताया कि राष्ट्रीय कवि संगम किस तरह कार्य करता है कार्यक्रम का उद्देश्य नवोदित कवियों लेखकों को एक मंच पर लाकर उनको अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करना है इस अधिवेशन में लगभग 22 जिलों से अधिक के प्रतिनिधि कवियों साहित्यकारों लेखकों ने सहभागिता की आगामी कार्यक्रम तय किए गए और पिछले वर्ष किए गए कार्यों का प्रतिवेदन सभी इकाइयों द्वारा प्रस्तुत किया गया।

लगभग दो दर्जन से अधिक सामाजिक संस्थाओं द्वारा अमृत महोत्सव के अवसर पर जगदीश मित्तल का शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह बैठकर सम्मान किया गया। पंचतत्व संरक्षण समिति ने बाबू जी को पर्यावरण की रक्षा के लिए एक आम का पौधा भेंट किया

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित नगर पालिका गंज बासौदा की अध्यक्ष श्रीमती शशि अनिल यादव जी भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेश तिवारी वरिष्ठ समाज सेवी कांति भाई शाह जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गायत्री नरेंद्र रघुवंशी, विवेकानंद मंच के अध्यक्ष मनोज यादव

पंचतत्व के अध्यक्ष सुरेंद्र दांगी, प्रमोद सिंह राजपूत, वरिष्ठ समाजसेवी बाबू भाई पिंगले की वैश्य महासम्मेलन जिलाध्यक्ष अध्यक्ष मनोज गुप्ता विहिप के जिला मंत्री मुकेश सेन व्यापार महासंघ के अध्यक्ष मनोज किराना व्यापार संघ अध्यक्ष वीरेंद्र रुचिला सहित अन्य कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे

स्वागत भाषण स्वामी विवेकानंद मंच के अध्यक्ष मनोज यादव द्वारा प्रस्तुत किया गया

राष्ट्रीय कवि संगम के प्रांत उपाध्यक्ष नीलेश चतुर्वेदी ने आभार व्यक्त करते हुए बताया कि

दस्तक काव्य पाठ के अंतर्गत लगभग 50 से अधिक युवा द्वारा काव्य पाठ किया गया

आयोजन में लगभग 125 से अधिक बाहर से पधारे प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया गया पधारे सभी अतिथियों एवं कवियों का स्मृति चिन्ह देकर विदाई की गई इस अवसर पर नगर के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे अमित अग्रवाल सावन अग्रवाल मोहन रघुवंशी संजय श्रीवास्तव प्रज्ञा ध्रुव शर्मा बेचैन शुभम रघुवंशी दीपाली शर्मा मोहित भार्गव राजकुमार अहिरवार श्याम तिवारी डॉ रवि शर्मा रामनारायण नरवरिया कमलेश बसल कमलेश सोनी, महेंद्र भार्गव डॉ रवि शर्मा गजेंद्र ठाकुर सहित कई सहयोगी उपस्थित रहे

बसामन मामा गौ वन्य-विहार गौवंश को आश्रय के साथ रोजगार के अवसर देगा: उप-मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने बसामन मामा गौ वन्य-विहार अभ्यारण्य रीवा में आयोजित बैठक में वन्य-विहार के विकास कार्यों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि। बसामन मामा गौ वन्य-विहार प्रोजेक्ट प्रदेश में अपनी तरह की अनूठी परियोजना है। यह परियोजना निराश्रित गौवंश को आश्रय देने के क्षेत्र पूरे देश में आदर्श बनेगी। उन्होंने कहा कि गौ वन्य-विहार में गौवंश को आश्रय देने के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर पैदा किए जाएंगे। इसे गोबर गैस और सोलर प्लांट के माध्यम से ग्रीन एनर्जी का सेंटर बनाएंगे और यह आय का अतिरिक्त साधन भी बनेंगे।

गौ-सेवकों का मानदेय एक हजार रुपए बढ़ाने के निर्देश

उप मुख्यमंत्री ने वन्य विहार में कार्यरत गौ-सेवकों का मानदेय एक हजार रुपए बढ़ाने के निर्देश दिये। उप-मुख्यमंत्री ने पेयजल व्यवस्था, सौर ऊर्जा प्लांट तथा गौशाला के प्रशासनिक भवन का निर्माण कार्य एक माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौशाला के गोबर से कंप्रेस्ड गोबर गैस बनाकर नगर निगम को सप्लाई करें। इससे नगर निगम के वाहन चलाए जाएंगे। गौशाला के सभी शेडों में सोलर सिस्टम से सौर ऊर्जा का उत्पादन कराने के निर्देश दिये। साथ ही गोबर से गुणकारी खाद, गोनाइल तथा अन्य उत्पाद बनाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि इससे गौशाला से जुड़ स्वसहायता समूहों को स्वरोजगार के अवसर के साथ गौशाला को अतिरिक्त आय होगी। उप-मुख्यमंत्री ने गौमाता की पूजा कर गौ-ग्रास खिलाया साथ ही ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान में पौधे रोपण किया। कमिश्नर श्री बीएस जामोद, आईजी श्री एमएस सिकरवार सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल
(विद्युत विभाग)
आई.एस.बी. टी. परिसर, वर्मा ट्रैवल्स ऑफिस के प्रथम तल पर भोपाल (म.प्र.) - 462001
क्रमांक 223... /वि.शा. / 2024 भोपाल, दिनाँक =01.1.08/24
निम्नलिखित कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार मोहरबंद निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर ऑनलाईन आमंत्रित की जाती हैं-

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र की कीमत	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य हेतु निर्धारित सामग्री	कार्य की अवधि
1.	2024_UAD_360960_1	Providing and Fixing 12.5 mtr high mast with 250 watt Flood Light at Nehru Nagar, Police Line Ground, Ward no. 29 Bhopal.	13,52,252/-	10,142/-	2,000/-	A Class Electrical Contractor	MPUADD Electrical 2021 SOR Items	30 Days

नियम एवं शर्तें:-1. निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि / धरोहर राशि एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज ऑनलाईट प्रस्तुत करने होंगे। अन्य समस्त विस्तृत जानकारी www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। (2). ऑनलाईन निविदा में सभी प्रकार के संशोधनों की जानकारी मात्र www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। (3). 18% GST अतिरिक्त देय होगा।

नि.क्र. 255/024/025
कार्यपालन यंत्री (वि.)
नगर निगम, भोपाल

कार्यालय नगर पालिका परिषद् हरदा जिला हरदा (म. प्र.)
Email-cmoharda@mpurban.gov.in conn. 07577222238
https://nagarpalikaharda.org Toll free No 18002331353
क्रमांक...../ लो. नि. / 2024 हरदा दिनांक.....
(नियम 91 (1)(क)(11))
ई - नगर पालिका आमंत्रण सूचना कां प्रारूप मध्यप्रदेश शासन
नगर पालिका का नाम- नगर पालिका परिषद हरदा
एन.आई.टी संख्या.. 4756 से 4763 ई-टेंडरिंग
निम्नलिखित निर्माण / आपूर्ति सेवाओं के लिए निविदा मापदंडो को पूरा करने वाले ठेकेदारों / कंसल्टेंट्स और प्राप्त फर्म्स से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित है

कं सं. / पैकेज	निर्माण कार्य / आपूर्तियाँ / सेवाऐं	जिला	संभावित राशि	समापन अवधि (माह)
2024_UAD_361024_1	वार्ड क्र. 17 पाठक कालोनी (ज्योति कस्ट्रक्शन के सामने) समृद्धि प्लास्टिक दुकान से प्रभुदयाल पटनारे जी के मकान तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	हरदा	341417	2 माह
2024_UAD_361070_1	वार्ड क्र. 31 टी.टी. नगर में संजय सेनी के मकान से गुप्तेश्वर मंदिर फाटे तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य।	हरदा	301005	2 माह
2024_UAD_361077_1	वार्ड क्र. 29 में शंकर मंदिर के पास से शर्माजी के मकान से होते हुये मेन रोड तक सी.सी. रिन्यूवल कोट कार्य।	हरदा	402644	2 माह
2024_UAD_361105_1	वार्ड क्रं. 34 में छीपानेर रोड से किशोर लाईनमेन के मकान तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य 7	हरदा	745034	2 माह
2024_UAD_361108_1	वार्ड क्र. 17 पाठक कॉलोनी में डॉ.केशव के मकान से नंद रात्रे के मकान तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	हरदा	184816	2 माह
2024_UAD_361115_1	वार्ड क्रं. 35 पिल्याखाल में छेदीलाल श्रीवास के मकान से हरदा मनीष कैथवास के मकान सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	हरदा	477287	2 माह
2024_UAD_361121_1	वार्ड क्रमांक 35 में गणेश मंदिर से हनुमान मंदिर तक सी. सी. रोड निर्माण कार्य।	हरदा	661918	2 माह
2024_UAD_361125_1	वार्ड नं. 31 में मुक्ति धाम रोड सी सी रोड रिन्यूवल एवं चौड़ीकरण कार्य।	हरदा	331110	2 माह

1. इच्छुक बोलीदाता वेबसाइट पर एनआईटी देख सकता है www.mptenders.gov.in
2. निविदा दस्तावेज सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर टेंण्डर कं. 1. 2024_UAD_361024_1
2. 2024_UAD_361070_1, 3.2024_UAD_361077_1, 4.2024_UAD_361105_1,
5. 2024_UAD_361108_1 6, 2024_UAD_361115_1 7. 2024_UAD_ 361121_1
8. 2024_UAD_361125_2 दिनांक 01/08/2024 से 16.08.2024 समय 5.30 बजे तक
3. एनआईटी में संशोधन यदि कोई होता है तो केवल वेबसाइड पर प्रकाशित किया जाएगा और समाचार पत्र में नही।
4. किसी भी स्पष्टीकरण की आवश्यकता हो तो कृपया श्री शिवम् चौरसिया उपयंत्री मोबाईल नं.9893830407 पर संपर्क करें

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद हरदा
अंशुल आलोक गोयल उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद हरदा
भारती राजू कमेडिया अध्यक्ष नगर पालिका परिषद हरदा

कलेक्टर का स्कूलों का रियलिटी चेक 58 शिक्षकों पर भारी पड़ा, 7 का निलंबन

धार। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने शुक्रवार को सरदारपुर क्षेत्र के मारोल, बांदेड़ी, केशरपुरा, बालोदा, बसाहट खोदरा, लेडगांव, टांडाखेड़ा और बड़वेली के शासकीय विद्यालयों का निरीक्षण किया। इन विद्यालयों में उपस्थिति पंजी और अवकाश आवेदन के लिए अपनाई जा रही स्वीकृति की प्रक्रिया पर नाराजगी जाहिर की। कलेक्टर की यह कार्यवाही 58 शिक्षकों पर भारी पड़ा। कमोबेश अधिकांश शालाओं के उपस्थिति रजिस्टर आगामी कार्यवाही के लिए सरदारपुर एसडीएम मेघा पंवार को सौंपे।

शालाओं के निरीक्षण के लिए जवाबदेह अधिकारियों द्वारा लंबे समय से निरीक्षण भी किए जाने संबंधी प्रमाण निरीक्षण पंजी पर नहीं मिलने पर उन्होंने अप्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति नहीं होना चाहिए। कलेक्टर के शालाओं के निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित/कर्तव्य पालन में लापरवाही बरतने वाले सात शिक्षकों का निलंबन किया जा रहा है।

बच्चों से मध्यान्ह भोजन उपरांत थाली

धुलवाना वह भी तब, जबकि इस काम के लिए बकायदा एक काम करने वाली तैनात है। शासकीय माध्यमिक विद्यालय बालोदा के प्राचार्य पर कार्यवाही का कारण बनेगा। यहीं पर शिक्षक द्वारा प्राचार्य के अवकाश आवेदन को अपने हस्ताक्षर से एप्रूव किए जाने पर कलेक्टर प्रियंक मिश्रा खासे नाराज हुए।

केशरपुरा के स्कूल में दर्ज सभी 22 बच्चों के कहीं और खाना खाने जाने के कारण मिले खाली क्लास रूम का भी पंचनामा बनवाया गया। यहां पदस्थ दोनों शिक्षकों के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने शिक्षकों से इस बात की जानकारी ली कि आज क्या पढ़ाया। उसके बाद वे स्वयं भी कक्षा में बैठे और शिक्षकों के पढ़ाने के तरीके देखें। बच्चों से इस बात की जानकारी भी ली कि आज क्या सीखा। उन्होंने शासकीय नवीन माध्यमिक विद्यालय बड़वेली के छात्र रवि से गणित के प्रश्न ब्लैक बोर्ड पर हल करवाएं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर मिश्रा ने ग्रामीणों से शालाओं में शिक्षकों की नियमित उपस्थिति के बारे में पूछा। वहीं बच्चों से मध्यान्ह भोजन मिलने और भोजन के स्वाद के बारे में पूछताछ की। कलेक्टर ग्राम टांडाखेड़ी के निजी स्कूल भी पहुंचे। यहां उन्होंने शाला के मान्यता प्राप्त होने के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने शिक्षकों के व्हाट्सएप पर अवकाश आवेदन देने अथवा अवकाश आवेदन स्वीकृत कराए बिना रजिस्टर में रखकर चले जाने की प्रवृत्ति के लिए भी नियंत्रणकर्ता अधिकारी से जवाब तलब करने के निर्देश दिए।

50 हजार करोड़ के 8 हाई-स्पीड रोड कॉरिडोर प्रोजेक्ट को कैबिनेट ने दी मंजूरी, कनेक्टविटी को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। इस बैठक में कई प्रोजेक्ट पर मुहर लगी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कैबिनेट ने आज 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की कुल लागत से 936 किलोमीटर लंबी 8 महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हाई-स्पीड रोड कॉरिडोर परियोजनाओं को मंजूरी दी। उन्होंने बताया कि इससे देश में लॉजिस्टिक कॉस्ट में कमी आएगी और कनेक्टविटी को बढ़ावा मिलेगा।

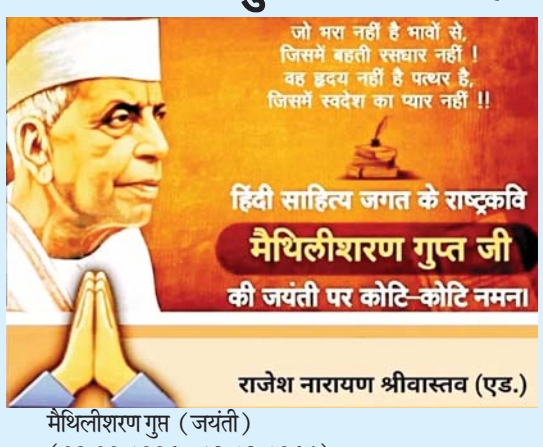

बयान के मुताबिक, इन आठ परियोजनाओं के कार्यान्वयन से प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से लगभग 4.42 करोड़ मानव दिवस रोजगार सृजित होंगे। मंत्रिमंडल की स्वीकृति पाने वाली परियोजनाओं में छह लेन का आगरा-ग्वालियर राष्ट्रीय हाई-स्पीड गलियारा, चार लेन का खड़गपुर-मोरग्राम राष्ट्रीय हाई-स्पीड गलियारा और छह लेन का थराद-डीसा-मेहसाणा-अहमदाबाद राष्ट्रीय हाई-स्पीड गलियारा शामिल है। इनके अलावा चार-लेन वाले अयोध्या रिंग रोड, रायपुर-रांची राष्ट्रीय हाई-स्पीड गलियारा के पत्थलगांव और गुमला के बीच चार-लेन वाले खंड और छह-लेन वाले कानपुर रिंग रोड को भी मंत्रिमंडल की स्वीकृति मिली है।

इस बीच केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 10,247 करोड़ की लागत से 231 किलोमीटर लंबे, 4-लेन एक्सेस-कंट्रोल्ड खड़गपुर-मोरग्राम नेशनल हाई-स्पीड कॉरिडोर के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना से यात्रा की दूरी 265

किलोमीटर से घटकर 231 किलोमीटर रह जाएगी, जिससे मालवाहक वाहनों के लिए यात्रा का समय 9-10 घंटे से घटकर 3-5 घंटे रह जाएगा। इससे मुर्शिदाबाद और बीरभूम सहित छह जिलों के लिए कनेक्टिविटी बढ़ेगी और प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों तक बेहतर पहुंच मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री मोदी को दिया धन्यवाद

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय कैबिनेट द्वारा 6-लेन आगरा-ग्वालियर राष्ट्रीय हाई-स्पीड कॉरिडोर की परियोजना स्वीकृत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हार्दिक धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा, ÷एक केंद्र स्थित राज्य के रूप में, मध्य प्रदेश को 6-लेन आगरा-ग्वालियर राष्ट्रीय हाई-स्पीड कॉरिडोर परियोजना से बुनियादी ढांचे में सुधार होगा और प्रदेश को आर्थिक लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में यह परियोजना देश के बुनियादी ढांचे को नए आयाम देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। परियोजन का उद्देश्य राष्ट्रीय परिवहन ढांचे को मजबूत बनाना और आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करना है।

केन्द्रीय केबिनेट ने देश भर में लॉजिस्टिक्स की दक्षता में सुधार, भीड़भाड़ को कम करने और कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए कुल 50,655 करोड़ रुपये की पूंजी लागत से 936 किमी लंबाई की 8 महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हाई-स्पीड रोड कॉरिडोर परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

आगरा-ग्वालियर यात्रा समय में कमी

परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक 6-लेन आगरा-ग्वालियर राष्ट्रीय हाई-स्पीड कॉरिडोर है। इस 88 किमी लंबे हाई-स्पीड कॉरिडोर को 4,613 करोड़ रुपये की कुल पूंजी लागत के साथ बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (क्ष्ह्ल्न्न्न्) मोड पर विकसित किया जाएगा। इस परियोजना से आगरा और ग्वालियर के बीच यात्रा का समय 50त्न तक कम हो जाएगा और यह मौजूदा 4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग की यातायात क्षमता को 2 गुना से अधिक बढ़ाने में सहायक होगी। यह कॉरिडोर उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों से कनेक्टिविटी को भी बढ़ाएगा।

मध्यप्रदेश को मिलेगा बड़ा लाभ

यह पहल लॉजिस्टिक्स दक्षता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी, भीड़भाड़ को कम करेगी और पूरे देश में कनेक्टिविटी में सुधार करेगी। इसके परिणामस्वरूप आर्थिक विकास को भी प्रोत्साहन मिलेगा और देश के विभिन्न क्षेत्रों के बीच यात्रा और व्यापार को सुगम बनाया जा सकेगा।

सोशल मीडिया से

।। शुभ श्रावण मास ।। मंगल निधि महादेव भगवान महादेव जैसा परमार्थी और वैरागी कोई दूसरा देव नहीं है। भगवान शिव की करुणा तो देखिए, एक भक्त की पुकार पर माँ गंगा के अति तीव्र वेग को भी सहर्ष अपने मस्तक पर सह लेते हैं। गंगा को जटाओं में धारण करते हैं पर बाद में लोक कल्याण की भावना से मुक्त भी कर देते हैं। दुनिया का नियम यह है, कि यहाँ पर हर आदमी दूसरों से पाना तो बहुत कुछ चाहता है लेकिन बाँटना नहीं चाहता। लोक कल्याण एवं लोक मंगल के लिए बाँटना हम सबको भगवान शिव के जीवन से सीखना चाहिए। भगवान शिव किसी से लेते भी हैं तो और अधिक देने के लिए ही लेते हैं। चाहे हमारी कितनी ही प्यारी वस्तु क्यों न हो लेकिन आवश्यकता पड़ने पर जैसे भगवान शिव ने माँ गंगा को मुक्त किया ऐसे ही दूसरों के कल्याण की भावना से हमें भी उस वस्तु का परित्याग करना ही चाहिए। लोक मंगल के लिए किया गया प्रत्येक कार्य शिव पूजन ही तो है।

आज का दिन शुभ मंगलमय हो।

मैथिलीशरण गुप्त (जयंती)
(03.08.1886 - 12.12.1964)

आजादी की लड़ाई और साहित्य में योगदान के लिए भारत सरकार ने मैथिलीशरण गुप्त जी को %पद्मभूषण% से सम्मानित किया था. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की आज जयंती है.

हिंदी के प्रसिद्ध कवि मैथिलीशरण गुप्त का जन्म 3 अगस्त 1886 को उत्तर प्रदेश में झांसी के पास चिरगांव में हुआ. उनकी जयंती 3 अगस्त को हर वर्ष 'कवि दिवस' के रूप में मनाया जाता है. आजादी के आंदोलन में अंग्रेजों के खिलाफ उन्होंने खूब कलम चलाई और ऐसी कलम चलाई कि अंग्रेजों की चूल हिलाकर रख दी. उनके इस योगदान को देखते हुए महात्मा गांधी ने उन्हें राष्ट्रकवि की पदवी दी थी. 1954 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मभूषण से सम्मानित किया. आज उनकी जयंती के अवसर पर मैं उन्हें सादर नमन करता हुं।

राजेश नारायण श्रीवास्तव (एड.)

वायनाड में आरएसएस के स्वंयसेवकों का सेवा कार्य...कोई भेद नहीं...सर्वे भवन्ति सुखिना...राष्ट्र प्रथम

सैमसंग नीरज चोपड़ा का उत्साह बढ़ाने के लिए लेकर आया 'इंडिया चीयर्स फॉर नीरज' कैम्पेन

गुरुग्राम एजेंसी। सैमसंग ने अपने 'इंडिया चीयर्स फॉर नीरज' कैम्पेन के जरिए प्रशंसकों से आगे आने और नीरज चोपड़ा को अपनी शुभकामनाएं भेजने का अनुरोध किया है। इस कैम्पेन के साथ, सैमसंग इंडिया नीरज को उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने और अपनी सीमाओं से आगे जाने के लिए सपोर्ट करना चाहता है।उपभोक्ताओं के उत्साह को दिशा देने और राष्ट्र के सामूहिक उत्साह को बढ़ाने के लिए, सैमसंग इंडिया ने नीरज चोपड़ा के लिए सपोर्ट जुटाने के लिए एक फिल्म का अनावरण किया है। इस फिल्म में दिग्गज एथलीट की मजबूती और दृढ़ संकल्प शक्ति को दर्शाया गया है। इसमें दिखाया गया है कि नीरज कई चुनौतियों से कैसे पार पाते हैं। यह फिल्म इस बात पर प्रकाश डालती है कि सैमसंग का हाल ही में लॉन्च किया गया गैलेक्सी जेड फोल्ड6 स्मार्टफोन उनकी इस यात्रा में कैसे मदद करता है।गैलेक्सी जेड फोल्ड6 अपनी शक्तिशाली गैलेक्सी एआई टेक्नोलॉजी के साथ सीमाओं से आगे जाकर उपभोक्ताओं को बेजोड़ अनुभव प्रदान करता है। गैलेक्सी एआई से पावर्ड गैलेक्सी जेड फोल्ड6 इंटरप्रेटर और नोट असिस्ट जैसे एआई फीचर्स के साथ आता है, जिसकी मदद से यूजर्स अधिक प्रभावी ढंग से बातचीत कर सकते हैं, यह उनकी उत्पादकता बढ़ाता है और उनके काम करने और जीने के तरीके को बदलने की सुविधा देता है। सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट आदित्य बब्बर ने कहा, सैमसंग लोगों को उनकी सीमाओं को तोड़कर आगे बढ़ने और महानता हासिल करने के लिए सशक्त बनाने में विश्वास करता है। हम नीरज चोपड़ा के पीछे अपनी पूरी ताकत लगा रहे हैं, जो उत्कृष्टता और असीमित संभावनाओं का प्रतीक हैं। ये ऐसे मूल्य हैं जिनका सैमसंग बेहद सम्मान करता है। इंडिया चीयर्स फॉर नीरज कैम्पेन के साथ, हमारा लक्ष्य देश की सामूहिक ऊर्जा का इस्तेमाल करना और नीरज को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करना है।

मैं जया अमिताभ बच्चन सपा सांसद की बात पर सभापति जगदीप धनखड़ समेत अन्य सांसदों ने लगाए ठहाके

नई दिल्ली- शुक्रवार को राज्यसभा में एक मजेदार घटनाक्रम में समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने खुद को ÷जया अमिताभ बच्चन÷ के रूप में पेश किया, जिस पर राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने हंसते हुए प्रतिक्रिया व्यक्त की। जया बच्चन ने यह आत्म-परिचय ऐसे समय दिया जब कुछ ही दिन पहले उन्होंने उपसभापति द्वारा अपने पति के नाम से पुकारे जाने पर आपत्ति जताई थी।

इस अप्रत्याशित क्षण पर धनखड़ जोर से हंसने लगे, जिसमें कांग्रेस के जयराम रमेश और आप के राघव चड्ढा सहित कई विपक्षी सांसद भी शामिल हो गए। इस हल्की-फुल्की घटना के बाद बच्चन और धनखड़ के बीच संक्षिप्त लेकिन हास्यपूर्ण बातचीत हुई। बच्चन ने धनखड़ से पूछा, ÷क्या आपको आज लंच ब्रेक मिला? नहीं? यही कारण है कि आप बार-बार जयराम जी का नाम ले रहे हैं। उनका नाम लिए बिना आपको खाना हजम नहीं होता।÷

धनखड़ ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, ÷मैं आपको हल्के-फुल्के अंदाज में बताता हूं। मैंने आज लंच ब्रेक नहीं लिया, लेकिन जयराम जी के साथ लंच किया।÷ उनके जवाब से सदन में हंसी और बढ़ गई।

इससे पहले, 29 जुलाई को राज्यसभा सत्र के दौरान, जब उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने उन्हें ÷जया अमिताभ बच्चन÷ कहा था, तो बच्चन ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई थी और जोर देकर कहा था, ÷सर, सिर्फ़ जया बच्चन ही काफी होता।÷ उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि महिलाओं को उनकी अपनी उपलब्धियों के लिए पहचाना जाना चाहिए, न कि उनके पति के नाम से। जवाब में, उपसभापति ने मुस्कुराते हुए उन्हें याद दिलाया था कि रिकॉर्ड में उनका पूरा नाम ÷जया अमिताभ बच्चन÷ है।

कोटक-गोकी स्मार्ट वाइटल प्लस स्मार्टवॉच हुई लॉन्च

मुंबई, एजेंसी। कोटक महिन्द्रा बैंक लि. (केएमबीएल / कोटक) ने गोकी के साथ साझेदारी कर कोटक- गोकी स्मार्ट वाइटल प्लस स्मार्टवॉच लॉन्च की है। यह साझेदारी ग्राहकों के भुगतान करने का तरीका बदल देगी। इस अभिनव और वियरेबल डिवाइस की कीमत 3499 रूपये है। इसमें कॉन्टैक्टलेस पेमेंट्स और सेहत पर नजर रखने के फीचर्स दिए गए हैं। यह स्मार्टवॉच रूपे ऑन-द-गो से पावर्ड है और इससे 5000 रूपये तक का ट्रांजैक्शन पिन की जरूरत के बगैर आसानी से हो सकता है। उत्पाद को लॉन्च करते हुए, कोटक महिन्द्रा बैंक में रिटेल लाएबिलिटीज प्रोडक्ट के हेड और चीफ मार्केटिंग ऑफीसर रोहित भसीन ने कहा, ''आजकल हम डिजिटल तरीके से पैसे का लेन-देन बहुत करते हैं। छोटे-मोटे खर्चों के लिए भी हमें बार-बार पैसे निकालने या कार्ड स्वाइप करने या स्मार्टफोन से पेमेंट करने की जरूरत होती है। लेकिन अब कोटक-गोकी स्मार्ट वाइटल प्लस स्मार्टवॉच इन सब परेशानियों को दूर कर देती है। इस स्मार्टवॉच से चलते-फिरते सुरक्षित एवं बिना किसी परेशानी के बैंकिंग हो सकती है।'' कोटक- गोकी स्मार्ट वाइटल प्लस के द्वारा यूजर्स ब्लड प्रेशर, शरीर का तापमान और एपीओ2 लेवल्स सीधे अपनी कलाई पर देख सकते हैं। इसके अलावा, यूजर के लिये अनुकूल इंटरफेस से आसान भुगतान सुनिश्चित होता है। ग्राहक बिना किसी परेशानी के अपने कोटक अकाउंट्स के साथ साइन इन कर सकते हैं और इस उपकरण पर कॉन्टैक्टलेस पेमेंट्स कर सकते हैं।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने थ्रोम्बोटिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक परप्यूरा से पीड़ित 61 वर्षीय महिला का सफलतापूर्वक इलाज किया

अहमदाबाद, एजेंसी। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल में डॉक्टरों की टीम ने थ्रोम्बोटिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक परप्यूरा से पीड़ित एक महिला का सफलतापूर्वक इलाज करके एक बार फिर से चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट की मिसाल कायम की है। थ्रोम्बोटिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक परप्यूरा खून से संबंधित एक दुर्लभ और जानलेवा बीमारी है, जो दुनिया भर में 10 लाख लोगों में से किसी एक को अपनी चपेट में लेता है। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल में हेमेटोलॉजी विभाग के सीनियर कंसल्टेंट, डॉ. कौमिल पटेल इस मरीज का इलाज करने वाली टीम की कमान संभाल रहे थे। टीटीपी यानी थ्रोम्बोटिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक परप्यूरा खून से संबंधित एक दुर्लभ बीमारी है, जिसमें पूरे शरीर में छोटे ब्लड वेसल्स में खून के थक्के बनने लगते हैं। इन थक्कों के कारण प्लेटलेट की संख्या में कमी (थ्रोम्बोसाइटोपेनिया) हो सकती है, रेड ब्लड सेल्स नष्ट (हेमोलिटिक एनीमिया) हो सकते हैं और सीमित मात्रा में खून के बहन की वजह से शरीर के अंगों को नुकसान हो सकता है। चिकित्सा जगत में टीटीपी को एक आपात स्थिति माना जाता है, तथा इससे जुड़ी गंभीर जटिलताओं या मौत को रोकने के लिए तुरंत इलाज करना बेहद जरूरी हो जाता है। प्लाज़्मा एक्सचेंज थेरेपी (प्लाज़्माफेरेसिस) इसका प्राथमिक उपचार है, जिसमें बीमारी के लिए जिम्मेदार एंटीबॉडीज़ को शरीर से बाहर निकालकर उन्हें स्वस्थ प्लाज़्मा से बदल दिया जाता है। 61 साल की सीमा देवी इस बीमारी से पीड़ित थीं, जिन्हें हीमोग्लोबिन और प्लेटलेट के गंभीर रूप से कम स्तर के साथ मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल के आपातकालीन सेवा विभाग में लाया गया था। जब उसे डॉक्टरों के पास लाया गया, तो उसमें गंभीर रूप से कमजोरी, त्वचा पर नीले निशान और कई अंगों में खराबी के लक्षण दिखाई दे रहे थे। शुरुआती जाँच और चिकित्सकीय कौशल से जल्दी ही पता चल गया कि वह टीटीपी से पीड़ित थीं। टीटीपी की वजह से मरीज अस्पताल में भर्ती होते समय कई तरह की जटिलताओं का सामना कर रही थीं, जिसका असर उनके फेफड़ों, किडनी, हार्ट और ब्रेन पर भी पड़ा था।

टाटा मोटर्स ने तकनीशियनों के बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए विद्याधन और उत्कर्ष कार्यक्रम लॉन्च किए

मुंबई, एजेंसी। भारत के प्रमुख ऑटोमोबाइल निर्माता टाटा मोटर्स ने देश भर की अपनी फैक्ट्रियों में काम कर रहेतकनीशियनों के बच्चों की उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए दो विशेष फंडिंग प्रोग्राम विद्याधन और उत्कर्ष को लॉन्चकिया है। इन फैक्ट्रियों में पुणे, लखनऊ, जमशेदपुर, धारवाड़ा, सानंद और पंतनगर क्षेत्रों में स्थित फैक्ट्रियां शामिल हैं। कंपनीबच्चों की आकांक्षाओं और उन्हें शिक्षा तक पहुंच मिलने के बीच मौजूद अंतर को कम करने की लगातार कोशिश कर रही है।विद्याधन कार्यक्रम में 10वीं और 12वीं सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने वाले छात्रों की उच्च शिक्षा में परिवार की आर्थिक मदद करने के लिए एजुकेशन लोन दिया जाएगा। उत्कर्ष में लड़कियों, ट्रांसजेंडर्स और दिव्यांग बच्चों को सालाना स्कॉलरशिप की पेशकश के अलावा अतिरिक्त लाभ मिलेगा।टाटा मोटर्स के चीफ ह्यूमन रिसोर्सेज ऑफिसर (सीएचआरओ) श्री सीताराम कांडी ने विद्याधन और उत्कर्ष कार्यक्रम के शुभारंभ की घोषणा करते हुए कहा, क्वॉलिटी एजुकेशन जीवन में आगे बढ़ने और विकास के लिए जरूरी है। इन प्रोग्राम्स से हम उच्च शिक्षा की ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंच बना रहे हैं। इससे हम अपने मेहनती तकनीशियनों के बच्चों को अपने और अपने माता-पिता के अरमानों को पूरा करने में सक्षम बना रहे हैं। 10 और 12वीं पास बच्चे अपने पसंद के किसी भी क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए उनके माता-पिता को पैसों की चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। उनके पास सही योग्यता और कौशल के साथ सफल कॅरियर बनाने और एक अच्छा जीवन जीने के बेहतर अवसर होंगे।''

फेस्टिव सीजन में इंडियन रेलवे का तोहफा, बढ़ाई 26 स्पेशल ट्रेनों की अवधि

घर से दूर रहकर पढ़ने वाले और जॉब करने वालों के लिए रेलवे ने बड़ा तोहफा दिया है। इंडियन रेलवे ने फेस्टिव सीजन को देखते हुए समर स्पेशल ट्रेनों की अवधि बढ़ाने का फैसला किया है। रक्षाबंधन के बाद देश में त्योहारों की झड़ी लग जाएगी। इसको ध्यान में रखते हुए रेलवे ने दिसंबर तक स्पेशल ट्रेनों की अवधि बढ़ा दी है। इससे घर से दूर रहने वाले भी अब कन्फर्म टिकिट लेकर त्योहारों पर अपने घर जा सकेंगे। यहां देखिए किस स्पेशल ट्रेन की कब तक बढ़ी अवधि...

इन स्पेशल ट्रेनों की अवधि अगस्त और अक्टूबर तक बढ़ी

ट्रेन संख्या 04141 सुबेदारगंज - शहीद कप्तान तुषार महाजन समर स्पेशल (साप्ताहिक) 05 अगस्त से 26 अगस्त 2024 तक हर सोमवार को चलाई जाएगी।

04142 शहीद कप्तान तुषार महाजन - सुबेदारगंज समर स्पेशल (साप्ताहिक) 06 अगस्त 2024 से 27 अगस्त 2024 तक हर मंगलवार को चलाई जाएगी।

04137 ग्वालियर - बरौनी जं. समर स्पेशल (सप्ताह में दो बार) 28 अगस्त 2024 तक रविवार और बुधवार को चलाई जाएगी। 04138 बरौनी जंक्शन-ग्वालियर समर स्पेशल सोमवार और गुरुवार को चलेगी।

ट्रेन संख्या 09418 दानापुर - अहमदाबाद समर स्पेशल (साप्ताहिक) 1 अक्टूबर 2024 तक हफ्ते में एक दिन यानी हर मंगलवार को चलेगी।

इन ट्रेनों की सितंबर तक बढ़ी अवधि

ट्रेन संख्या 09195 वडोदरा जं. - मऊ जं. समर स्पेशल (साप्ताहिक) 28 सितंबर 2024 तक हर शनिवार को चलाई जाएगी।

ट्रेन नंबर 09196 मऊ जं. - वडोदरा जं. समर स्पेशल (साप्ताहिक) 29 सितंबर 2024 तक हर रविवार

ट्रेन नंबर 09417 अहमदाबाद - दानापुर समर स्पेशल (साप्ताहिक) 30 सितंबर 2024 तक हर सोमवार

ट्रेन संख्या 09557 भावनगर टर्मिनस - दिल्ली कैंट. समर स्पेशल (साप्ताहिक) 27 सितंबर 2024 तक हर शुक्रवार

ट्रेन नंबर 09558 दिल्ली कैंट. - भावनगर टर्मिनस समर स्पेशल (साप्ताहिक) 28 सितंबर 2024 तक हर शनिवार

ट्रेन संख्या 09405 साबरमती बीजी - पटना जं. समर स्पेशल (साप्ताहिक) 24 सितंबर 2024 तक हर मंगलवार

ट्रेन नंबर 09406 पटना जं. - साबरमती बीजी समर स्पेशल (साप्ताहिक) 26 सितंबर 2024 तक हर गुरुवार को चलाई जाएगी।

दिसंबर तक बढ़ाई इन स्पेशल ट्रेनों की अवधि

ट्रेन संख्या 09097 बांद्रा (टी.) - श्री माता वैष्णो देवी कटरा समर स्पेशल (साप्ताहिक) 29 दिसंबर 2024 तक हर रविवार को चलेगी।

ट्रेन संख्या 09098 श्री माता वैष्णो देवी कटरा - बांद्रा (टी.) समर स्पेशल (साप्ताहिक) 31 दिसंबर 2024 तक हर मंगलवार

ट्रेन नंबर 09525 हापा - नाहरलगुन समर स्पेशल (साप्ताहिक) 25 दिसंबर 2024 तक हर बुधवार

ट्रेन संख्या 09526 नाहरलगुन - हापा समर स्पेशल (साप्ताहिक) 28 दिसंबर 2024 तक हर शनिवार

ट्रेन नंबर 09183 मुंबई सेंट्रल - बनारस समर स्पेशल (साप्ताहिक) 25 दिसंबर 2024 तक हर बुधवार

ट्रेन संख्या 09184 बनारस - मुंबई सेंट्रल समर स्पेशल (साप्ताहिक) 27 दिसंबर 2024 तक हर शुक्रवार

ट्रेन नंबर 09075 मुंबई सेंट्रल - कठगोदाम समर स्पेशल (साप्ताहिक) 25 दिसंबर 2024 तक हर बुधवार

ट्रेन संख्या 09076 कठगोदाम - मुंबई सेंट्रल समर स्पेशल (साप्ताहिक) 26.दिसंबर 2024 तक हर गुरुवार

ट्रेन संख्या 09189 मुंबई सेंट्रल - कटिहार जं. समर स्पेशल (साप्ताहिक) 28 दिसंबर 2024 तक हर शनिवार

ट्रेन नंबर 09309 इंदौर जं. - हजरत निजामुद्दीन समर स्पेशल (सप्ताह में दो बार) 29 दिसंबर 2024 तक हर शुक्रवार और रविवार

ट्रेन संख्या 09310 हजरत निजामुद्दीन - इंदौर जं. समर स्पेशल (सप्ताह में दो बार) 30 दिसंबर 2024 तक हर सोमवार और शनिवार

ट्रेन संख्या 09190 कटिहार जं. - मुंबई सेंट्रल समर स्पेशल (साप्ताहिक) 31 दिसंबर 2024 तक हर मंगलवार को चलेगी।

भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो के दौरान (03 अगस्त ङ्क 07 अगस्त 2024) घने बादल रहने एवं दिनांक 03.08.2024 एवं 04.08.2024 को गरज और बिजली के साथ अत्यधिक भारी से बहुत भारी वर्षा, दिनांक 05.08.2024 को गरज और बिजली के साथ भारी बारिस एवं दिनांक 06.08.2024 एवं 07.08.2024 को गरज और बिजली के साथ मध्यम बारिस होने की संभावना है । अधिकतम तापमान 24-28 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 20-22 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है । अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता 91-97 प्रतिशत एवं न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता 70-84 प्रतिशत रहने की संभावना है । आने वाले दिनों में हवा पश्चिम एवं दक्षिण-पश्चिम दिशाओं में बहने एवं 13-26 कि. मी. प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है ।

जीवन की व्यथा का निवारण हैं शिवमहापुराण कथा: मुन्ना महाराज

शिव पार्वती विवाह में जमकर झूमे श्रोता

मोहगांव हवेली / सौंसर। जीवन की व्यथा का निवारण हैं शिवमहापुराण कथा, जिसमें जीवन की सारी समस्याओं का हल हैं। उक्त उद् गार भागवताचार्य मुन्नाजी महाराज ने सुप्रसिद्ध अर्धनारीश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर मोहगांव हवेली में श्रावण मास के उपलक्ष में चल रही शिव महापुराण कथा में कहें। आज पांचवें दिन की कथा में महाराजश्री ने शिव पार्वती विवाह का सुंदर वर्णन करते हुए मनुष्य जीवन में ग्रहस्थ आश्रम में पति-पत्नी के आचरण व्यवहार पर प्रकाश डालते हुए पाश्चात्य संस्कृति को त्यागकर भारतीय संस्कृति को जीवन में उतारने की अपील की। शिव पार्वती विवाह में ?शिव पार्वती की सुंदर झांकी का चित्रण किया गया। शिव पार्वती विवाह में श्रोता जमकर झूमे। कल चौथे दिन की कथा में ब्रम्हा पुत्र नारद का काम पर विजय के गर्व हरण कथा सुनाते हुए इंसान ने किसी भी तरह का अभिमान न करने की सलाह मुन्नाजी महाराज ने दी। अर्धनारीश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर मोहगांव हवेली के प्रवचन हॉल में प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक चल रही शिव महापुराण कथा का समापन रविवार, 4 अगस्त 2024 को होगा।

आज छिंदवाड़ा, चौरई में कार्यकर्ता आभार सभा में शामिल होंगे सांसद

छिंदवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू 3 अगस्त 2024 को विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे सांसद श्री साहू सुबह 10 बजे राष्ट्रीय हिंदू सेना के तत्वाधान में जवाहर बालक शाला में आयोजित स्वागत समारोह कार्यक्रम में शामिल होंगे। जहां हिंदू सेना के कार्यकर्ताओं द्वारा सांसद का भव्य स्वागत किया जाएगा। सांसद बंटी विवेक साहू दोपहर 12 चौरई में आयोजित कार्यकर्ता आभार सभा में शामिल होंगे। दोपहर 3 बजे ऐतिहासिक विजय पर धन्यवाद ज्ञापित करने हेतु पूजा शिवी लॉन सिवनी प्राणमोती, छिंदवाड़ा में आयोजित कार्यक्रम में छिंदवाड़ा विधानसभा के कार्यकर्ता का आभार व्यक्त करेंगे। वहीं सांसद बंटी विवेक साहू का 3 अगस्त 2024 को रात्रि 8 बजे श्री राम मंदिर छोटी बाजार में सामाजिक संस्थाओं द्वारा नागरिक अभिनंदन किया जाएगा।

नगर पालिका अध्यक्ष बनायेंगे गरीबों की नि:शुल्क राशन पर्ची

अमरवाड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा आगामी पाँच वर्षों तक ग़रीबो को निःशुल्क राशन वितरण योजना का लाभ नगरपालिका क्षेत्र के प्रत्येक ग़रीब परिवार को दिलाने अमरवाड़ा नगर में पंद्रह दिनों तक सर्वे कर आवेदन लिए जाएँगे और केंद्र सरकार के माध्यम से हर ग़रीब को निःशुल्क राशन देने का वादा पूरा करेंगे ।निःशुल्क रहन वितरण योजना की जानकारी देते हुए शहरी ग़रीबी उपशमन विभाग सभापति अर्पित श्रीवास्तव एवं खाद्य विभाग सभापति श्रीमती नीतू शैलेंद्र पटेल ने बताया नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी के प्रयासों से नगरपालिका अमरवाड़ा में 300 से अधिक परिवारों को राशन पर्ची विगत दो वर्षों में बनकर दी जा चुकी है । अब नगर के प्रत्येक ग़रीब परिवार को लाभ देने एक पखवाड़े में सर्वे कर निःशुल्क राशन ग़रीबो को प्रतिमाह उपलब्ध करायेंगे। जिन ग़रीब परिवारों के पास ग़रीबी रेखा कार्ड नहीं है उनकी भी निःशुल्क राशन पर्ची बनायी जाएगी।

विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त को

छिंदवाड़ा। विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त को हर्षोउल्लास के साथ सर्व आदिवासी समाज छिन्दवाड़ा के तत्वाधान में सभी एस.टी./एस.सी./ओ.बी.सी. वर्ग के सामाजिक एवं शासकीय संगठनों के सहयोग से मनाये जाने हेतु बैठक का आयोजन कर आगामी बैठक में अंतिम रूपरेखा तैयार करने हेतू दिनांक 04 अगस्त दोपहर 12 बजे जिला अजाक्स संघ कार्यालय आवास क्र. जी-9 फॉरेस्ट कॉलोनी छिन्दवाड़ा में नियत की गई है। जिससे एस.टी./एस.सी./ओ.बी.सी. वर्ग समाज के सभी सामाजिक, शासकीय संगठन एवं सर्व एस.टी./एस.सी./ओ.बी.सी. वर्ग समाज के पदाधिकारीगण वरिष्ठ समाजसेवी /मातृशक्ति /युवा शक्ति एवं उच्च शिक्षा विद्यार्थी /छात्र/छात्रा की उपस्थिति अनिवार्य है। बैठक में कार्यक्रम की अध्यक्षता तिरूमाल ए.एस.उईके एवं विजय सिंह कुसरे तथा तिरूमाल महेश कुमार सराठी की विशेष उपस्थिति में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से आयोजन को सफल बनाने हेतु आयोजन समिति का मनोनयन किया गया अध्यक्ष के रूप में तिरूमाल एस.बी. इवनाती जिलाध्यक्ष,कार्यवाहक अध्यक्ष तिरूमाल रमेश उइके, कोषाध्यक्ष ,तिरूमाल सतीश गोंडाने मीडिया प्रभारी, तिरूमाल अजय डेहरिया मीडिया प्रभारी आदि ।

सत्र-2024 में प्रवेश के फोर्थ राउंड में शासकीय आईटीआईविभिन्न रिक्त व्यवसायों में प्रवेश प्रारंभ

छिन्दवाड़ा। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के नोडल प्राचार्य श्री सी.बी.उईके ने बताया कि सत्र-2024 में प्रवेश के फोर्थ राउंड में शासकीय आईटीआई व्हीआईपी रोड छिंदवाड़ा में विभिन्न रिक्त व्यवसायों में प्रवेश प्रारंभ है। प्रवेश सत्र 2024-25 की समय सारिणी अनुसार फोर्थ राउंड का प्रवेश 03 से 06 अगस्त 2024 तक चयनित आवेदक संस्था में उपस्थित होकर प्रवेश ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस राउंड में सार्वजनिक अवकाश 03 अगस्त 2024 को शनिवार अवकाश तथा 04 अगस्त 2024 को रविवार अवकाश के दिन भी प्रवेश जारी रहेगा ।

उप यंत्री हेमंत जैन को लोकायुक्त ने रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

छिंदवाड़ा। जबलपुर लोकायुक्त टीम ने एक बार फिर छिंदवाड़ा के इंजीनियर को सरकारी कार्य करवाने के एवज में रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। दरअसल शुक्रवार को जबलपुर लोकायुक्त टीम ने कार्यपालन यंत्री (भवन) पीआईयू, सिम्स क्लाइंट ऑफिस के इंजीनियर हेमंत जैन की सूचना प्राप्त हुई। ऐसे में लोकायुक्त की टीम द्वारा पूरा ट्रेप तैयार किया गया। जिसके बाद इंजीनियर को 30 हजार की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया। जानकारी के अनुसार शासकीय ठेकेदार साजिद अली मीर पिता सब्दर अली मीर उम्र 37 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 48 शंकर नगर वार्ड द्वारा आईटीआई पांढुर्ना में डीजल मैकेनिक वर्कशॉप एवं बाउंड्री वाल का कार्य किया गया था। जिसकी निर्माण एजेंसी लोक निर्माण विभाग पी आई यू है। आवेदक के निर्माण कार्य का मूल्यांकन करने एवं बिल जमा करने के एवज में उप यंत्री पीआईयू हेमंत जैन के द्वारा 50 हजार रिश्वत की मांग की गई थी। जिसकी शिकायत लोकायुक्त कार्यालय जबलपुर में की गई। शुक्रवार को उप यंत्री पीआईयू हेमंत जैन को कार्यपालन यंत्री (भवन) पीआईयू, सिम्स क्लाइंट ऑफिस, छिंदवाड़ा में 30 हजार की रिश्वत राशि की प्रथम किश्त लेते हुए लोकायुक्त जबलपुर की टीम ने रंगे हाथों पकड़ा। आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई है।

33 करोड़ रुपए की लगात से तैयार हो रहा है नया राज्य आदिवासी संग्रहालय

प्रमुख सचिव डॉ. कुमार ने निर्माणाधीन राज्य आदिवासी संग्रहालय का निरीक्षण किया निर्माण कार्य की धीमी गति पर की कड़ी नाराजगी जाहिर, गति के साथ निर्माण पूरा कराने के निर्देश दिए

छिंदवाड़ा। प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग डॉ. ई.रमेश कुमार शुक्रवार को अपने अल्प प्रवास पर छिंदवाड़ा पहुंचे और छिंदवाड़ा शहर में नवीन निर्माणाधीन श्री बादल भोई राज्य आदिवासी संग्रहालय का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने नवीन संग्रहालय के कैफेटेरिया, एंट्रेंस लॉबी, पार्किंग एरिया, संग्रहालय की सभी 4 गैलरी, ग्राउंड फ्लोर का वर्कशॉप हॉल, प्रथम तल का वर्कशॉप हॉल, कार्यालय कक्ष, ओपन थियेटर, शौचालय आदि की व्यवस्था देखी। साथ ही कलेक्टर कार्यालय में बैठक लेकर संग्रहालय में एसी, फायर फाइटिंग, इंटरनल और एक्सटर्नल इलेक्ट्रिकल वर्क, सीसीटीवी कैमरे आदि की व्यवस्था के बारे में भी विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संग्रहालय के निर्माण कार्य की धीमी गति पर कड़ी नाराजगी जाहिर की और हर कार्य की अलग-अलग पूर्णता तिथि निर्धारित करते हुए 15 सितंबर 2024 तक संग्रहालय के सभी कार्य हर तरीके से पूरा कराने के सख्त निर्देश दिए।

उन्होंने कार्यपालन यंत्री पी.आई.यू. और संबंधित ठेकेदार को एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर प्रतिदिन की प्रगति के बारे फोटोग्राफ के साथ अनिवार्य रूप से अपडेट कराने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने राज्य आदिवासी संग्रहालय के पुराने भवन का भी निरीक्षण किया और सभी कक्ष देखे। उन्होंने पुराने भवन का जीर्णोद्धार कार्य भी शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री पार्थ जैसवाल, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री एस.एस. मरकाम, कार्यपालन यंत्री पी.आई.यू. श्री नीलेश गुप्ता, वन्या के अधिकारी सहित अन्य जिलाधिकारी और ठेकेदार उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि पूर्व में संग्रहालय के निर्माण के लिए 30 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी हुई थी, जिसमें 24.19 करोड़ रुपए सिविल और इलेक्ट्रिकल कार्य के लिए एवं 5.8 करोड़ वन्या को संग्रहालय की साज सज्जा के लिए स्वीकृत किए गए थे। बाद में 2022 में ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट भोपाल के पत्र के बाद इसमें संशोधन कर सिविल और इलेक्ट्रिकल कार्य के लिए 18 करोड़ और वन्या को साज सज्जा के लिए 12 करोड़ की स्वीकृति प्रदाय की गई, जिसे अब बढ़ाकर भारत सरकार द्वारा 15 करोड़ कर दिया गया है। इस तरह नए संग्रहालय का निर्माण लगभग 33 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है।

अनारक्षित रेल टिकट काउंटरों पर इलेक्ट्रिनिक क्यूआर कोड डिस्प्ले की सुविधा

छिंदवाड़ा। डिजिटल टिकटिंग प्रणाली को प्रोत्साहित करने, सेल्फ टिकटिंग को बढ़ावा देने तथा यात्रियों को टिकट के लिए लाइन लगने की परेशानी से निजाद दिलाने हेतु ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम) तथा यूटीएस मोबाइल ऐप की सुविधा स्टेशनों में उपलब्ध है। इन सभी व्यवस्थओं को सरल व सुविधायुक्त बनाने, टिकट काउंटरों से अनारक्षित टिकट खरीदने के दौरान अन्य समस्याओं से निजाद दिलाने तथा डिजिटल भुगतान की सुविधा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर द्वारा यात्रियों को अनारक्षित टिकटों की सुविधा के लिए कैशलेस प्रणाली क्यूआर कोड की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मण्डल के अंतर्गत आने वाले स्टेशनो पर क्यूआर कोड के माध्यम से अनारक्षित टिकट प्राप्त हो इस उद्देश से सभी स्टेशनो में क्यूआर कोड की सुविधा शुरुआत की गई है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री दिलीप सिंह ने यात्रियों से क्यूआर कोड, यूपीआई, एटीवीएम व यूटीएस ऑन मोबाइल एप आदि के माध्यम से बिना लाइन लगे त्वरित टिकट मिलने के साथ ही आसान डिजिटल भुगतान की सुविधा का अधिकाधिक लाभ उठाने और अपनी यात्रा को सुगम व आसान बनाने की अपील की।

वर्तमान में नागपुर मंडल में कुल 96 अनारक्षित तथा 48 आरक्षित-सह-अनारक्षित टिकट काउंटर है तथा सभी काउंटरों पर अपडेट कर्नेल संस्करण 3.10 टर्मिनलस लगाए गए हैं जो क्यूआर कोड सिस्टम को आसानी से सपोर्ट करेगा। मंडल में कुल 22 स्टेशनों में 29 एटीवीएम मशीन उपलब्ध है जिसे क्यूआर कोड के माध्यम से अनारक्षित टिकट यात्रियों द्वारा खरीदा जाता था अब नेताजी सुभाषचंद्र बोस इतवारी, भंडारा रोड, राजनांदगाँव, गोंदिया, डोंगरगढ़ एवं छिंदवाडा स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटरों पर इलेक्ट्रिनिक क्यूआर कोड डिस्प्ले की सुविधा उपलब्ध करायी गई है जिसके माध्यम से अब इन स्टेशनों से किसी भी गंतव्य स्टेशन हेतु अनारक्षित टिकट क्रय सरलता से किया जा सकता है तथा मंडल के शेष स्टेशनों यह सुविधा तथा स्टेशनों के पी आर एस काउंटरों पर यह सुविधा शीघ्र ही शुरू की जाएगी। यात्रियों को दिए जाने वाली रेल सुविधाओं में विस्तार करते हुए आरक्षित तथा अनारक्षित टिकट हेतु कैशलेस लेनदेन के लिए मुख्यालय बिलासपुर द्वारा 200 क्यूआर कोडडिस्प्ले सह फेयर रिपीटर उपलब्ध कराए गए है जिन्हें चरणबद्द तरीके से स्टेशनों पर स्थापित किया जा रहा है।

वर्षाकाल में जलमग्न पुलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने कलेक्टर ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

सड़क निर्माण से संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने कलेक्टर कार्यालय के मिनी सभाकक्ष में सड़क निर्माण से संबंधित सभी विभागों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क विभाग एवं लोक निर्माण विभाग सहित संबंधित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री सिंह ने विलंब से चल रहे निर्माण कार्यों पर गंभीरता से चर्चा की और संविदाकारों के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से मुंगेर कन्स्ट्रक्शन कंपनी द्वारा लोक निर्माण विभाग एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क विभाग में किए जा रहे कार्यों में हो रही देरी पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की एवं संविदाकार को ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही, वर्षाकाल में जलमग्न पुल-पुलियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी निर्माण एजेंसियों को आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया ।

भारत स्काउट गाइड के द्वारा आयोजित स्वच्छता एवं स्वास्थ जागरूकता

ब्रांड एंबेसडर विनोद तिवारी ने दिलाई स्वच्छता शपथ

छिंदवाड़ा।हमारा शहर स्वच्छ और सुंदर रहे ,यह के प्रत्येक नागरिकों का कर्तव्य है की अपने शहर अपना वार्ड अपने घर को स्वच्छ सुंदर एवम साफ सुथरा रखेगे इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण 2024को छिंदवाड़ा फाइव स्टार ग्रेडिंग में शामिल कराने अपना पूरा सहयोग दगे साथ ही सार्वजनिक स्थलों में न गंदगी करेगे न करने देगे।उक्त शपथ नगर निगम के आयुक्त चंद्रप्रकाश राय के कुशल मार्गदर्शन में चलाए जा रहे स्वच्छता आधारित कार्यक्रम में नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर विनोद तिवारी ने गत दिवस नरसिंहपुर रोड स्थित एम एल वी स्कूल कैलाश नगर में भारत स्काउट गाइड के द्वारा आयोजित स्वच्छता एवं स्वास्थ जागरूकता कार्यक्रम में शहर के विभिन्न स्कूलों के उपस्थित स्काउट गाइड के बच्चो एवम अतिथियो के बीच स्वच्छता शपथ दिलाई।स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर विनोद तिवारी ने इस अवसर पर कहा की आप सभी के स्वच्छता दूत बनकर समाज के हर वर्ग के बीच पहुंचकर शहर में स्वच्छता अग्रदूत बनाना है जिससे हमारा शहर स्वच्छ एवम सुंदर रह सके। उन्होंने कहा की नगर निगम स्वच्छता सर्वेक्षण 2024के अंतर्गत विभिन्न शैक्षणिक संथाओ में एवम अन्य सार्वजनिक स्थलों में स्वच्छता आधारित कार्यक्रम,प्रतियोगिता एवम जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे है उससे आपकी सहभागिता जरूरी है। कार्यक्रम में स्वच्छता संबंधी क्विज एवम अन्य प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया था। अवसर पर स्काउट गाइड के डी ओ सी नरेंद्र शर्मा,कार्यक्रम में विशेष अतिथि डाक्टर गरिमा मिश्रा,स्कूल प्राचार्य श्रीमती मनीषा मिश्रा, उपाध्यक्ष मनोज आरपुरे, स्काउट गाइड की सयुक्त सचिव श्रीमती ममता पटले , डी ओ सी गाइड अर्चना भारत,कोषाध्यक्ष राजेंद्र सोनी श्रीमती अंजू राजपूत, सहित बड़ी संख्या में स्काउट गाइड के बच्चे एवम शिक्षक उपस्थित थे।

कुएं के अंदर जहरीली गैस...

कुंए के अंदर न जाने व सावधानी बरतने की अपील

छिन्दवाड़ा। विगत दिनों प्रदेश में कुएं के अंदर जाने से जहरीली गैस के कारण कुछ व्यक्तियों की दर्दनाक मृत्यु हो गई है, यह घटना 25 जुलाई 2024 को कटनी तथा 02 अगस्त 2024 को छतरपुर जिले में घटित हुई है। ये दोनों घटनाएं अत्यंत ही हृदय विदारक है। इनको दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर श्री शीलेंद्र सिंह ने जिले के नागरिकों से कुंए के अंदर न जाने और पूरी सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने बताया कि कुएं की गहराई में कार्बन मोनो आक्साईड जैसी जहरीली गैसें पाई जाती हैं, जिससे व्यक्ति तत्काल मूर्छित हो जाता है और मृत्यु भी हो सकती है। इस संबंध में उन्होंने जिले के सभी कार्यपालिक अधिकारियों और फील्ड अमले को व्यापक प्रचार-प्रसार कर आमजन को जागरूक व सतर्क करने के निर्देश भी दिए हैं।

शिक्षा विभाग के गबन कांड का है ट्रेजरी कनेक्शन ?

ट्रेजरी विभाग को कैसे मिली क्लीन चिट, पिछली जांच में दो बाबू को किया था निलंबित

छिंदवाड़ा। जिले में बहुचर्चित शिक्षा विभाग के गवन कांड में बीते दिनों 16 दोषियों पर जिला प्रशासन के द्वारा एफ आई आर दर्ज कराई गई है वहीं कुछ माह पूर्व भी मोहखेड विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में गबन के मामले में आठ लोगों पर एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है सूत्रों की माने तो विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय जुन्नारदेव में हुए गवन के मामले में जिला कोषालय की भूमिका भी संदिग्ध है गवन कांड के लपेटे में आए लोगों से जुड़े सूत्रों ने अनौपचारिक तौर पर बताया कि ट्रेजरी विभाग के कंप्यूटर से ही गबन की घटनाओं को अंजाम दिया गया था। आईपी एड्रेस से दूध का दूध और पानी का पानी हो सकता है इन सब बातों में क्या सत्यता है यह तो जांच का विषय है। वही पूरी प्रक्रिया की बात करें तो भुगतान अधिकारी द्वारा बिल जनरेट किया जाता है जो कि सर्वर के माध्यम से ट्रेजरी कार्यालय में दिखाई देने के बाद कोषालय विभाग द्वारा जांच के उपरांत संबंधित के खातों में राशि का भुगतान किया जाता है वहीं जुन्नारदेव से जुड़े गवन के कुछ प्रकरणों में ट्रेजरी विभाग के कंप्यूटर से ही बिल जनरेट किया गया और आहरण सम वितरण अधिकारी की ओटीपी से बिलों को पास किया गया कई माह चली जांच में ट्रेजरी विभाग को क्लीन चिट कई संदेशों को जन्म दे रही है। सूत्र यह भी बताते हैं कि छिंदवाड़ा ट्रेजरी के कर्मचारियों ने फोन पर गूगल पे के माध्यम से राशि अपने खातों में ली है जिस की जांच की जा सकती है।इस संबंध में जिला कोषलय अधिकारी से संपर्क करने उनके मोबाइल पर फोन लगाया गया परंतु उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

पुलिस ने की अवैध शराब पर ताबड़तोड़ कार्रवाई

अमरवाड़ा थाना से मिली जानकारी के अनुसार दो अलग-अलग स्थान पर छापामार कार्रवाई करते हुए पुलिस द्वारा ग्राम करवडोल से राजेश नामक व्यक्ति से अवैध शराब थानेदार राजेंद्र बघेल ने बरामद की वही दूसरी कार्रवाई पुलिस द्वारा अमरवाड़ा जेल रोड निवासी भावेश नमक 18 वर्षीय युवक के पास से 22 नग देसी मसाला शराब बोतल बरामद की गई जिसे सहायक उप निरीक्षक द्वारका पाल ने बरामद किया अब शराब की कीमत ?2200 बताई गई है पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम में 34 ए के अंतर्गत मामले को पंजीकृत किया कार्रवाई में थानेदार राजेंद्र सिंह एवं सहायक उप निरीक्षक द्वारका पाल प्रधान आरक्षक धर्मराज बाग मारे ने कार्रवाई की।

अमरवाड़ा का हर नागरिक मेरे परिवार का सदस्य, उनकी सेवा ही मेरी प्राथमिकता: धीरन शा

पेटदेवरी क्षेत्रीय कमेटी के ग्रामों में किया सघन जनसम्पर्क, जनता का माना आभार

छिन्दवाड़ा। अमरवाड़ा विधानसभा उप चुनाव के दौरान कांग्रेस नेता धीरनशा सुखरामदास (दादा जी) ने जनता से वादा किया था कि चुनाव के परिणाम जो भी आये। उससे अमरवाड़ा की जनता व उनके बीच के रिश्तों में कभी कोई कमी नहीं आयेगी। आंचलकुण्ड दरबार की तीन पीढ़ियां लगातार जनता की सेवा कर रही है उसी तरह वे भी जनसेवक बनकर हमेशा जनता के बीच उनके दुख-दर्द में खड़े रहेंगे। अपने वादे के अनुसार वे लगातार विधानसभा क्षेत्र के ग्रामों में सघन जनसम्पर्क कर जनता का आभार मान रहे साथ ही उनकी समस्याओं को भी सुन रहे हैं। विगत 11 दिनों से कांग्रेस नेता धीरनशा सुखरामदास (दादा जी) अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के ग्रामों में सम्पर्क कर घर-घर दस्तक दे रहे। अपनों के बीच पहुंचकर विधानसभा उप चुनाव में मिले सहयोग के लिये आभार मान रहे साथ ही क्षेत्र की समस्याओं को भी गम्भीरता पूर्वक सुनकर निदान हेतु आवश्यक कदम उठाने आश्वस्त भी कर रहे। अपने नेता को अपने बीच में पाकर क्षेत्र की जनता का भरपूर स्नेह उन्हें निरंतर प्राप्त हो रहा है। आज उन्होंने विधानसभा क्षेत्र की पेटदेवरी क्षेत्रीय कमेटी अंतर्गत आने वाले ग्राम दुलारा, जवाहरगांव, चुरका, बांधनी, चारना व ग्राम पेटदेवरी के ग्रामीणजनों से भेंट की व आभार व्यक्त करते हुये सभी को भरोसा दिलाया कि उनके सुख-दुख व खुद-दर्द में उनके साथ हमेशा खड़े हैं और आगे भी खड़े रहेंगे। उन्होंने अपने उदबोधन में साफ संकेत दिया कि चुनाव परिणाम भले ही षड्यंत्र पूर्वक विपरित लाये गये हों किन्तु इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। वे निरंतर जनसेवा में इसी प्रकार जुटे रहेंगे। आयोजित आभार जनसम्पर्क के दौरान धीरनशा के साथ पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष रफीक मंसूरी, राकेश यादव, कमलेश अरपाचे (अधिवक्ता) व वेद ठाकुर सहित कांग्रेस के अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्तागण व बड़ी संख्या में क्षेत्र की जनता उपस्थित रही।

व्यापारी दंपती को बंधक बनाकर डकैती

रसोई की ग्रिल काटकर घर में घुसे 7 से 8 बदमाश, बिहार के चड्डी-बनियान गिरोह पर शक

छिंदवाडा पांढुर्णा जिले सौसर के पॉश इलाके में तड़के सुबह 3.30 बजे व्यापारी के यहां डकैती हुई है। 7 से 8 नकाबपोश बदमाश 20 तोला सोना व ज्वेलरी ले गए। वारदात सिविल लाइन पॉश कॉलोनी में राजेंद्र सावला के यहां हुई।

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष संजय राठी ने बताया कि घर पर राजेंद्र सांवल दंपती अकेले थे। 7 से 8 नकाबपोश लोग रसोई की ग्रिल तोड़कर अंदर घुसे। 20 तोला सोना समेत कीमती सामान ले गए। सौसर पुलिस घटना सुबह 5 बजे घटना स्थल पर पहुंची। मामले की जांच की जा रही है।

ग्रिल काटकर किचन में दाखिल हुए आरोपी

पुलिस के मुताबिक आरोपी सबसे पहले किचन के मकान में ग्रिल काट कर दाखिल हुए। इसके बाद उन्होंने अंदर से बंद दरवाजे को खोल लिया। सभी आरोपी किचन के माध्यम से बेडरूम में दाखिल हुए। बेडरूम के दरवाजा खुला हुआ था। इसके बाद उन्होंने सावल दंपति को उठाया। उसके बाद उनके मोबाइल फोन छीन लिए। इसके बाद उनसे लॉकर की चाबी मांगी। उसमें रखे जेवर और नगदी चुराने लगे। इस दौरान लुटेरों ने उन्हें सीधे तौर पर धमकी दी कि यदि पुलिस को बताने की कोशिश करी, तो जान से मार डालेंगे।

परिवार के राजेंद्र राठी के अनुसार उनके बेटा बहू नागपुर में रहते हैं। घटना के समय घर में सिर्फ पति-पत्नी ही मौजूद थे ऐसे में आरोपी ने दोनों दंपत्ति को बंधक बनाकर इस बड़ी वारदात को अंजाम देकर पुलिस को खुली चुनौती दे दी। बताया जा रहा है कि वारदात के बाद आरोपी तो उनके मोबाइल फोन लेकर भाग गए थे। वहीं, राजेंद्र पड़ोसी की मदद से पुलिस केस की जानकारी दी तब पुलिस मौके पर पहुंची।

सभी शासकीय कार्यक्रमों में हो राष्ट्र गीत और राष्ट्रगान का गायन: यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जिला स्तर पर होने वाले सभी शासकीय कार्यक्रमों में राष्ट्र गीत वंदे-मातरम और राष्ट्र गान जन-गण-मन का आवश्यक रूप से गायन हो। सभी जिलों में पुलिस बैंड उपलब्ध हैं, अत: पुलिस बैंड के साथ गरिमामय रूप से राष्ट्र गीत और राष्ट्र गान की कार्यक्रमों में प्रस्तुति सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश मंत्रालय में हुई बैठक में दिए। मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दान किया गया अंग, नई उम्मीद और खुशियाँ दे सकता है: उप-मुख्यमंत्रीशुक्ल

भोपाल। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने भारतीय अंगदान दिवस (3 अगस्त) के अवसर पर कहा है कि अंगदान जीवनदान है। अंगदान एक महान सेवा है। दान किया गया एक अंग किसी के जीवन को नई उम्मीद और खुशियाँ दे सकता है। यह एक ऐसा कार्य है जो न केवल किसी व्यक्ति के जीवन को बचाता है बल्कि उसके परिवार और प्रियजनों के जीवन में भी खुशियों की लहर ला सकता है। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि अंगदान के महत्व के प्रति जागरूकता लाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने अपील की है कि लोग स्वेच्छा से मानवता को सशक्त करने वाले इस पुण्य कार्य के लिए आगे आयें। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि अंगदान से गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को जीवन का दूसरा मौका मिल सकता है। किसी व्यक्ति के जीवन में जब अंग-प्रत्यारोपण एकमात्र विकल्प बचता है, ऐसी स्थिति में दान किया गया अंग उनके लिए वरदान साबित होता है। अंगदान में किडनी, लिवर, हार्ट, फेफड़े, पैनक्रियास और आंखों सहित कई अंग और ऊतकों को दान किया जा सकता है, जो अलग-अलग जरूरतों को पूरा कर सकते हैं।

भारत में पहली बार फिल्म समीक्षा की जुड़वाँ पुस्तकें प्रकाशित, विमोचन

भोपाल। वरिष्ठ फिल्म समीक्षक विनोद नागर की दो नई पुस्तकों- सुबह सवेरे का सिने विमर्श और सिने विमर्श सुबह सवेरे का का विमोचन शुक्रवार को राजधानी भोपाल के ज्ञानतीर्थ सप्रे संग्रहालय में सम्पन्न हुआ। नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी के मुख्य आतिथ्य और वरिष्ठ पत्रकार एवं रंग समीक्षक श्री गिरिजा शंकर की अध्यक्षता में आयोजित गरिमामय समारोह में ख्यात अभिनेता श्री राजीव वर्मा और कोरियोग्राफर श्रीमती वैशाली गुप्ता खास तौर पर मौजूद रहे। शीर्षक साम्यता के चलते जुड़वां पुस्तकों के रूप में इन किताबों को देश में हिन्दी फिल्म समीक्षाओं की पहली कृति कहा जा रहा है। इन पुस्तकों की भूमिका और प्रस्तावना सत्तर और अस्सी के दशक की प्रतिष्ठित फिल्म पत्रिका माधुरी के पूर्व संपादक श्री विनोद तिवारी और पटना के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त फिल्म समीक्षक श्री विनोद अनुपम ने लिखी हैं। इण्डिया नेट बुक्स, नोएडा द्वारा प्रकाशित ये पुस्तकें फिल्म समीक्षक के रूप में श्री विनोद नागर की 2016 से 2019 के बीच दैनिक सुबह सवेरे में छपी फिल्म समीक्षाओं का संकलन है। सिने विमर्श नामक उनका यह साप्ताहिक रविवारीय कॉलम लगातार तीन वर्ष तक सुबह सवेरे में चला। अतिथियों ने संग्रहालय में संगीत, नाटक और सिनेमा के विशेष खंड का शुभारम्भ भी किया। कार्यक्रम का संचालन श्री आनंद सिन्हा ने किया। सप्रे संग्रहालय के संस्थापक निदेशक पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर और मप्र हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष पलाश सुरजन सहित साहित्य, सुबह सवेरे के संपादक गिरीश उपाध्याय और अजय बोकिल प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

सेना ने इस 60 मीटर लंबे पुल को भारतीय वायुसेना के सी 17 परिवहन विमान में दिल्ली से कन्नूर तक उड़ाया, वहां से 30 लोड कैरियर में ले जाया गया और 24 घंटों में इसका निर्माण किया गया। मद्रास इंजीनियरिंग ग्रुप या एमईजी के मद्रास सैपर्स द्वारा किया गया। इसने संपूर्ण राहत प्रयास को बदल दिया है। हमारी सेना पर गर्व महसूस होता है। हमेशा अग्रणी।

बारिश का कहर: नरसिंहपुर में मकान ढहने से 2 की मौत, 5 घायल

भोपाल में नदी किनारे से 20 परिवार का रेस्क्यू, 12 जिलों में रेड अलर्ट

भोपाल। प्रदेश में शनिवार को भी बारिश का दौर जारी है। भोपाल में सुबह से रिमझिम पानी गिर रहा है। कलियासोत नदी किनारे से 20 परिवारों का रेस्क्यू किया गया। सुखी सेवनिया के नाले में 14 साल का लड़का बह गया। नरसिंहपुर के गाडरवारा में गुरुवार देर रात तेज बारिश से कच्चा मकान ढह गया। परिवार के 8 लोग मलबे में दब गए। दो की मौत हो गई, जबकि तीन बच्चों समेत पांच लोग घायल हैं। वहीं, एक बच्चा पूरी तरह सुरक्षित है। इंदौर में सुबह से बूंदाबांदी हो रही है।

विदिशा और अशोकनगर को जोड़ने वाले बाह्य नदी के पुल पर दो फीट ऊपर से पानी बह रहा है। रायसेन में प्राकृतिक झरने फूट पड़े हैं। आज शनिवार को 12 जिले- सीहोर, रायसेन, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, डिंडौरी, अनूपपुर, श्योपुर और शिवपुरी में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट है। वहीं, भोपाल, जबलपुर समेत 23 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

आईएमडी भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि झारखंड और पश्चिम बंगाल के आसपास साइक्लोनिक सर्कुलेशन लो प्रेशर एरिया बन गया है। मानसून ट्रफ इस लो प्रेशर एरिया के केंद्र से होते हुए सीधी, ग्वालियर यानी मध्यप्रदेश के उत्तरी हिस्से से गुजर रहा है। एक अन्य ट्रफ पूर्व-पश्चिम से होकर इन्हीं क्षेत्रों में एक्टिव है। दक्षिण-पश्चिमी हवाओं की बात करें तो इससे बराबर नमी आ रही है, जो प्रदेश को प्रभावित कर रही है।

इस वजह से गुरुवार देर रात से ही तेज बारिश जारी है, जो अगले 2 दिन तक होती रहेगी। इसके लिए मौसम विभाग ने अलर्ट भी जारी किया है। शनिवार को सिस्टम आगे बढ़ेगा। इससे दक्षिण और मध्य हिस्से को प्रभावित करेगा। इसलिए कई जिलों में रेड और ऑरेंज अलर्ट है। लगभग पूरा प्रदेश तरबतर होगा। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने और बाढ़ आने की आशंका भी है।

प्रदेश में 2.1 इंच बारिश ज्यादा

प्रदेश में जिस दिन से मानसून एक्टिव हुआ, तभी से तेज बरस रहा है। अब तक की बारिश के कोटे से 2.1 इंच ज्यादा पानी गिरा है। अब तक 18.5 इंच बारिश होनी चाहिए, लेकिन औसत 20.6 इंच पानी गिर चुका है, जो 12 प्रतिशत अधिक है।

कलियासोत किनारे के बसे 20 परिवारों का रेस्क्यू

कलियासोत डैम के गेट खुलने के बाद से कलियासोत नदी उफान पर आ गई है। नदी किनारे समरधा टोला के 20 परिवार को स्कूल में शिफ्ट किया गया है। यहां हर साल घरों में पानी भरता है। कोलार फायर ऑफिसर पंकज खरे ने बताया, रात में ही पिपलिया केशो गांव में नाले की पुलिया भी उफान पर रही। इस वजह से 2 परिवार के 6 सदस्यों का रेस्क्यू किया गया। कोलार एसडीएम रविशंकर राय समेत अन्य अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

बड़ा तालाब में तेजी से बढ़ा पानी

भोपाल की लाइफ लाइन बड़ा तालाब में गुरुवार शाम तक पानी का लेवल 1666 फीट था, जो शुक्रवार सुबह तक फुल हो गया। रात में ही 0.80 फीट पानी आ गया था। सुबह भी तेजी से पानी बढ़ रहा था। इसलिए गेट खोलने पड़े। बता दें कि भोपाल की तीन वाटर बॉडी यानी, बड़ा तालाब, भदभदा और कलियासोत डैम एक-दूसरे से जुड़े हैं। कोलांस नदी का पानी सबसे पहले बड़ा तालाब में पहुंचता है।

उफनते नाले में बहा 14 साल का बालक, एक दिन बाद मिला शव

सूखीसेवनिया थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक बालक उफनते नाले में बह गया। सूचना मिलते ही स्वजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उसकी खोजबीन शुरू की। पुलिस को भी सूचना दी गई। जानकारी मिलते ही पुलिस, प्रशासन के अधिकारी और गोताखोर पहुंच गए।

सीधी में 3.7 इंच बारिश, रायसेन-सतना में 3 इंच पानी गिरा

प्रदेश में शुक्रवार को तेज बारिश का दौर जारी रहा। भोपाल और नरसिंहपुर में सवा इंच पानी गिर गया। सीधी में सबसे ज्यादा 3.7 इंच बारिश हुई। रायसेन और सतना में 3 इंच पानी गिर गया। पचमढ़ी, टीकमगढ़ में 1 इंच, रतलाम, उज्जैन और मलाजखंड में पौन इंच बारिश दर्ज की गई। बैतूल, नर्मदापुरम, धार, रीवा, उमरिया, गुना, इंदौर, शिवपुरी, छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर, खजुराहो, मंडला में भी बारिश का दौर चलता रहा।

ढाई साल में बनेगा सिक्स लेन आगरा - ग्वालियर नेशनल हाई स्पीड कॉरिडोर: सिंधिया

ग्वालियर। दो दिवसीय दौरे पर ग्वालियर पहुंचे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शहर पहुंचते ही ग्वालियर के नवनिर्मित हवाईअड्डे पर उन्होंने प्रेस के साथ वार्ता की। ग्वालियर को मिली नवीन सौगात - 6 लेन आगरा - ग्वालियर नेशनल हाई स्पीड कॉरिडोर के बारे में बात करते हुए सिंधिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी का धन्यवाद किया और बताया की कल ही केंद्रीय मंत्री मंडल ने कैबिनेट की बैठक में ग्वालियर के लिए रू 4,613 करोड़ की इस परियोजना की स्वीकृति दी है।

6 लेन कॉरिडोर के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि यह कॉरिडोर रू 4,613 करोड़ की लागत से बनाया जाएगा और यह 88 किलोमीटर लंबा यह 6 लेन कॉरिडोर में 8 ब्रिज बनाए जाएंगे और 6 फ्लाईओवर बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया की हमारा लक्ष्य है कि इस परियोजना को हम करीब 2.5 साल में पूर्ण करें।

अनेक नेशनल हाईवे से जुड़ेगा, रोजगार और व्यापार को मिलेगा बड़ा फायदा- सिंधिया ने बताया की जब 4 साल से मेरा सपना था कि हम ग्वालियर को एक एक्सप्रेसवे देना चाहिए। मैंने नितिन गडकरी जी को इसके लिए अनुरोध किया और उन्होंने असंभव को संभव करते हुए उन्होंने ग्वालियरवासियो को यह सौगात दी है। यह 6 लेन आगरा में ह॥19 से जुड़ेगा , ग्वा लि यर में पो रबंदर - ग्वालियर - सिल्चर ईस्ट वेस्ट कॉरिडोर (ह॥27) से जुड़ेगा और मुख्य पर्यटन स्थल जैसे ग्वा लि यर कि ला , आगरा कि ला और ताज महल (आगरा) से आवाजाही बढ़ेगी।

ग्वालियर के विकास के लिए 10,000 करोड़ से अधिक की योजनाएं: मंत्री सिंधिया ने शहर में चल रही विकास परियोजनाओं के बारे में बात करते हुए बताया कि भाजपा सरकार ने रू 500 करोड़ का ग्वालियर हवाईअड्डा बनाया है, रू 500 करोड़ का रेलवे स्टेशन तैयार हो रहा है, रू 1600 करोड़ की लागत से एलिवेटेड रोड का निर्माण हो रहा है। इसी के साथ हम मोरार नदी को स्वच्छ बना रहे है, चंबल से पानी लाने की योजना पर भी काम शुरू हो गया है। कुल करीब रू 10 हजार करोड़ से अधिक की योजनाओं से हम ग्वालियर को एकबार फिर सशक्त बनाएंगे।

नाराज हैं दलित-आदिवासी: 21 अगस्त को देशव्यापी आंदोलन, करेंगे आरक्षण पर कोर्ट के फैसले का विरोध

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के भीतर उप- वर्गीकरण को उचित ठहराते हुए ईवी चिन्नय्या बनाम आंध्र प्रदेश राज्य मामले में 2004 के फैसले को खारिज कर दिया है। सरल शब्दों में स्ष्ट-स्ज्ञ के भीतर भी क्रीमीलेयर कैटेगरी बनाई जा सकेगी। इधर कोर्ट का फैसला आते ही अब दलित संगठनों की तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। स्ष्ट-स्ज्ञ के सामाजिक ग्रुपों में एक बार फिर बड़े आंदोलन की सुगबुगाहट है। चर्चा है कि जिस तरह से एट्रोसिटी एक्ट में बदलाव के विरोध में 2 अप्रेल 2018 को देशव्यापी आंदोलन किया गया था, वैसा ही आंदोलन 21 अगस्त 2024 को किया जा सकता है।

गुरुवार यानी 1 अगस्त 2024 को मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात जजों की खंडपीठ ने 6-1 के बहुमत से एक फैसला दिया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राज्य अब चुनिंदा जातियों को आरक्षण दे सकेंगे। यानी अब राज्यों को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति में शामिल जातियों को अलग अलग वर्गों में बांटने का अधिकार होगा। दूसरे शब्दों में ह्लब्ष्ट की तरह स्ष्ट-स्ज्ञ वर्ग को भी आर्थिक आधार पर बांटा जा सकेगा। कोर्ट के फैसले के बाद अब राज्य सरकारें अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के अंदर आने वाले किसी एक वर्ग को ज्यादा आरक्षण का लाभ दे सकेंगी।

इस फैसले को लेकर देश में मिली- जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। जहां एक तबका इसे आरक्षण के लाभ को समाज के निचले तबके तक पहुंचने के रूप में देख रहा है, वहीं स्ष्ट-स्ज्ञ के बीच काम करने वाले बुद्धिवीजी और संगठन इसे समुदाय को विभाजित करने वाला फैसला बताते हुए संविधान की मूल भावना के खिलाफ बता रहे हैं। जाहिर तौर पर इस फैसले का देश की राजनीति पर बड़ा असर होने जा रहा है।

अजा-जजा संगठनों का कहना है कि यह फैसला संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। क्योंकि आरक्षण का आधार आर्थिक नहीं, सामाजिक है। स्ष्ट-स्ज्ञ समाज के लोग बड़ी नौकरियों पर जाकर भी भेदभाव का शिकार होते हैं। ऐसे में यह तय नहीं किया जा सकता कि किसी को सरकारी नौकरी मिलने से उसके साथ भेदभाव भी खत्म हो जाएगा।

अजा-जजा मामलों के जानकार डॉ एसके सदावर्ते कहते हैं कि आरक्षण गरीबी हटाओ योजना नहीं है। समाज के समतलीकरण का एक प्रयास मात्र है। कोर्ट का फैसला अजा-जजा के हक- अधिकारों पर कुठाराघात की तरह साबित होगा।

कांस्टीट्यूशनल फोरम के डॉ पीडी महंत और डॉ मेजर मनोज राजे कहते हैं कि कोर्ट का फैसला विभाजनकारी है। इससे अजा-जजा समुदायों के अंदर अलग- अलग वर्ग खड़े हो जाएंगे। जिस जातिवाद से छुटकारा पाने के लिए अभी देश जूझ रहा है, इस फैसले के बाद समुदायों के अंदर नए तरह का जातिवाद फैल जाएगा। बाबा साहब आंबेडकर ने अपने गुरु ज्योतिबा फुले द्वारा इस्तेमाल किए गए अतिशूद्र शब्द को नकार दिया था। फुले ने जिस अछूत समाज को अतिशूद्र कहा, उसे आंबेडकर ने दलित पहचान के साथ स्थापित किया। यही कारण है कि सोशल मीडिया पर दलितों और आदिवासियों के भीतर इस फैसले के खिलाफ रोष दिखाई पड़ रहा है।

सीएसपी से बोले पूर्व मंत्री- थाने में घुसकर मारता हूं, आप थाना सुधारो, नहीं तो मैं सुधार दूंगा, तीन मर्डर हो गए हैं..

जबलपुर। आप थाना सुधारो, नहीं तो मैं सुधार दूंगा। थाने में आकर सबको सब समझा दूंगा। नहीं तो फिर थाने में घुसकर मारता हूं मैं। मैं आपको आज बता रहा हूं। मेरा फोन नहीं उठाते हैं, क्या तरीका है आपका।' भाजपा के पूर्व मंत्री अंचल सोनकर ने जबलपुर सीएसपी राजेश राठौर को ऐसे तल्ख अंदाज में फटकार लगाई। सीएसपी कार्रवाई करेंगे और हां सुधार करेंगे कहते रहे। शुक्रवार के इस घटनाक्रम का वीडियो शनिवार को सामने आया है।

दरअसल, घमापुर थाना क्षेत्र में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात चांदमारी के पास राकेश गोटिया (32) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। शाम को वारदात का विरोध जताने पूर्व मंत्री अंचल सोनकर के साथ कई लोग थाने पहुंचे। उन्होंने घमापुर थाने का घेराव कर दिया। सूचना पर सीएसपी राजेश राठौर भी पहुंच गए। सीएसपी पूर्व मंत्री को घटना के बारे में जानकारी दे रहे थे। उन्होंने कहा कि एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य की तलाश की जा रही है। इस दौरान अंचल सोनकर के तेवर गरम हो गए। उन्होंने सीएसपी को फटकार लगाई। सीएसपी कहते रहे, हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि भविष्य में ऐसा नहीं होगा।

पूर्व मंत्री वीडियो में क्या-क्या कहते दिख रहे हैं...- पूर्व मंत्री वीडियो में कहते दिख रहे हैं... 'क्या कर रहे हो। कार्रवाई करेंगे। जब भी कहो, तब कहते हैं कि कार्रवाई करेंगे। ये मर गया, तब कार्रवाई। घमापुर थाना क्षेत्र में लगातार अपराध हो रहे हैं। तीन मर्डर हो गए। पुलिस बोल रही है कि कार्रवाई करेंगे। आप थाना सुधारो। नहीं तो हम सुधार देंगे। बता रहे हैं आपको। थाने में फोन करो, तो बोला जाता है कि देखते हैं। मेरा फोन नहीं उठाते हैं, क्या तरीका है आपका। थाने में आकर सबको सब समझा दूंगा। नहीं तो फिर थाने में घुसकर मारता हूं मैं। मै आपको आज बता रहा हूं।'

अब महाकाल की नगरी से चलेगा धर्मस्व विभाग, बजट 115 करोड़ रुपए

उज्जैन। महाकाल की नगरी से अब एमपी सरकार का धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग का संचालन किया जाएगा। विभाग के स्थानांतरित आदेश के बाद धर्मस्व विभाग का कार्यालय उज्जैन के कोठी रोड पर स्मार्ट सिटी के कार्यालय में बनकर तैयार हो चुका है। इसका उद्घाटन सीएम मोहन यादव 5 अगस्त को करेंगे। अब मध्य प्रदेश के सभी बड़े मंदिरों का संचालन यहीं से होगा। साथ ही संचालक मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का कार्यालय भी उज्जैन से ही संचालित होगा। फिलहाल विभाग का सालाना बजट 115 करोड़ रुपए है।

धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग और मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का कार्यालय स्मार्ट सिटी कार्यालय के परिसर में लगेगा। इसमें ग्राउंड फ्लोर और फर्स्ट फ्लोर पर कार्यालय को बनाया गया है, जिसमें 2 मीटिंग हाल, 8 रूम और लॉबी भी है। इसमें संचालक के पद पर उज्जैन संभाग के संभाग आयुक्त संजय गुप्ता, संयुक्त संचालक एक, उप संचालक एक, दो सहायक संचालक, सहायक यंत्री एक, लेखा अधिकारी एक, अधीक्षक एक, उपयंत्री, सहायक ग्रेड 1 अधिकारी एक, सहायक ग्रेड 2 एक पद, सहायक ग्रेड 3 के दो पद, स्टेनो एक, टाइपिंग स्टेनो एक, ऑपरेटर एक और प्यून 6 का पद रहेगा।

धार्मिक न्यास कार्यालय में ये हुए पदस्थ

संचालनालय धार्मिक न्यास, धर्मस्व विभाग और संचालक मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के कार्यालय को 22 अधिकारी-कर्मचारी संभालेंगे। जिसमें संचालक के रूप में उज्जैन कमिश्नर संजय गुप्ता, संयुक्त संचालक डॉ पीएस मालवीय, उप संचालक मनीष तिवारी, सहायक संचालक प्रज्ञा गीते और सौरभ बंसल, लेखा अधिकारी महेश शर्मा, अधीक्षक नरेंद्र नागर, सहायक ग्रेड 3 के पद पर सुरेंद्र रैकवार के नाम सामने आए हैं, बाकी के अधिकारी कर्मचारी भी जल्द ही अपना अपना चार्ज लेंगे।